



4/29/1986

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

नं. २३]

नई दिल्ली, शनिवार, जून २१, १९८६/ज्येष्ठ ३१, १९०८

No. 25]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 21, 1986/JYAISTHA 31, 1908

इस भाग के लिये पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अभग संकलन के लिए

पृष्ठ का लिखा जाए

Separate Filing is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—पार्ट ३—प्रप-कण्ठ (II)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

(रक्त मंत्रालय के द्वारा जारी किए गए तांत्रिक विभाग और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the
Ministry of Defence)

(कार्मिक सेवक शिकायत तथा पेशन मंत्रालय
पेशन और पेशनमंत्री कल्पण विभाग)

इस दिल्ली, ४ जून, १९८६

का. नं. 2325—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद १४८ के अंडे (५) के साथ पठित अनुच्छेद ३०९ के प्रत्यक्ष द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कहते हुए, और भारतीय सेवा परीक्षा और सेवा विभाग में सेवा कर रहे अधिकारीयों के संबंध में (नयनक-महा निवापरीकाश से परामर्श करने के पश्चात, केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, १९७२ में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अधिकृत:—

१. (१) इन नियमों का नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) (इसरा मंशोधन) नियम, १९८६ है।

(२) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

२. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, १९७२ के नियम ५४ के उप-नियम (६) के अंडे (iii) में “चौबीस” शब्द के स्थान पर “तीन” शब्द रखा जाएगा।

[संख्या 1/2/86-पी.एफ.पी. इन्स्ट्र्यू.]
एस. बी. सिन्हा, उप सचिव

टिप्पण:—केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, १९७२ के रूप में प्रकाशित किए गए २। उसका लोकारा संस्करण (दिसंबर, १९८१ तक संशोधित) १९८२ में सुनित किया गया था। इन नियमों

में तथाकथात् कार्मिक और प्रणालीनिक मुद्रार विभाग की निम्न-लिखित अधिसूचनाओं द्वारा संशोधन किए गए हैं:—

क्र. सं.	अधिसूचना संख्या	तारीख
१.	का. नं. ३४७७	१०-२-१९८३
२.	का. नं. ४०४१	१-१२-१९८४
३.	का. नं. ४२१८	८-१२-१९८४
४.	का. नं. ३३२४	२०-७-१९८५
५.	का. नं. ५१९२	१६-११-१९८५
६.	का. नं. ५३०४	३०-११-१९८५
७.	का. नं. ७८२	१-३-१९८६
८.	का. नं. १२४६	२५-३-१९८६

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES
PENSIONS

(Department of Pension & Pensioners' Welfare)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2325.—In exercise of the powers conferred by proviso to article 309, read with clause (5) of the article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor-General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, namely:—

1. (1) Those rules may be called the Central Civil Services (Pension) (Second Amendment) Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972, in clause (iii) of Sub-rule (6) of rule 54, for the words "twenty four", the word "thirty" shall be substituted.

[No. 1/2/86-P&PW]

S. V. SINGH, Dy. Secy.

Foot Note :—The Central Civil Services (Pension) Rules, 1972 were published as S.O. 934 dated 1-4-72. The Third Edition (corrected upto December, 1981) of the rules was printed in 1982. The rules were subsequently amended vide DP&AR Notifications given below :—

S. No.	Notification No.	Date
1.	S.O. 3477	10-9-1983
2.	S.O. 4041	1-12-1984
3.	S.O. 4288	8-12-1984
4.	S.O. 3324	20-7-1985
5.	S.O. 5192	16-11-1985
6.	S.O. 5304	30-11-1985
7.	S.O. 762	1-3-1986
8.	S.O. 1246	29-3-1986

वित्त मंत्रालय

(ग्राम्य विभाग)

नई दिल्ली, 20 मई, 1986

(प्राप्ति-कर)

का. ग्रा. 2326.—भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के वर्ड (23ग) के उपवंड (v) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा, उक्त धारा के प्रयोजनार्थ, "श्राव्यलिङ्ग मीनाक्षी सुन्दरेश्वर तिरुकोइल, मदुरै" को करनिर्धारण वर्ष 1985-86 से 1987-88 तक के अन्तर्गत आने वाली पत्रिके लिए अधिसूचित करती है।

[प. 6719/का. स. 1974/238/82-प्रा. क. (नि. 1)]
पी. सक्षेना, उप सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

(Department of Revenue)

(INCOME-TAX)

S.O. 2326.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Arulmigu Meenakshi Sundareswarar Thirukolit, Madurai" for the purpose of the said section for the period covered by the assessment years 1985-86 to 1987-88.

[No. 6719/F. No. 197A/238/82-IT(ΔΙ)]
P. SAXENA, Dy. Secy.

प्राप्ति

नई दिल्ली, 16 जून, 1986

का. ग्रा. 2327 :—भारत सरकार के अपर सचिव ने, तिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष स्पेस संशोधन किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन प्राप्ति फा. स. 673/168/35-सी. शु.-8, तारीख 23-12-1985 यह निवेदा देती हुए जारी किया था कि श्री बी. जे. आवरीन उक्त धी. जैनलालैन, नं. 6 एन्लापा नैकन स्ट्रीट, पुदुपे, मद्रास को केन्द्रीय कारगार, मद्रास में निम्नानु तार लिया जाए और अधिकारी में रखा जाए कि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से निवारित किया जा सके जो विदेशी मुद्रा संरक्षण के लिए हानिकारक हो।

अहमद अब्दुल करीम लालकड़वाला, भारतीय पायमोर्ट नं. यू-428300, निवासी 96, बॉहम्सवर मध्यी, तीसरी मंजिल, कमरा नं. 18, अम्बई-3 को प्रेसिडेंसी जेल, अलिपुर, में निवारित कर लिया और अधिकारी में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रखा है जिससे उक्त अधिकार का नियादान नहीं हो सके; और

3. श्रत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेदा देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस अधिकार के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस मायूसत, कलकत्ता के समक्ष हाजिर हो।

[पा. स. 673/168/85-सी. शु. VIII]

ORDERS

New Delhi, the 16th June, 1986

S.O. 2327.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conversation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued order F. No. 673/168/85-Cus. VIII dated 23rd Dec., 1985 under the said sub-section directing that Shri Suliman Ahmed Lakdawala slo late Shri Ahmed Abdul Karim Lakdawala, India Passport No. U-428300 R/o. 95, Mohammad Ali Road, 3rd Floor Room No. 18, Bombay-3 be detained and kept in custody in the Presidency Jail, Alipore with a view to preventing him from smuggling goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (e) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Calcutta within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/168/85-Cus. VIII]

का. ग्रा. 2328.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष स्पेस से निवारित किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन प्राप्ति फा. स. 673/32/86-सी. शु.-VIII, तारीख 21-2-86 यह निवेदा देती हुए जारी किया था कि श्री बी. जे. आवरीन उक्त धी. जैनलालैन, नं. 6 एन्लापा नैकन स्ट्रीट, पुदुपे, मद्रास को केन्द्रीय कारगार, मद्रास में निम्नानु तार लिया जाए और अधिकारी में रखा जाए कि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से निवारित किया जा सके जो विदेशी मुद्रा संरक्षण के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रखा है जिससे उक्त अधिकार का नियादान नहीं हो सके; और

3. श्रत: अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेदा देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस अधिकार के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानीशक, मद्रास के समक्ष हाजिर हो।

[पा. स. 673/32/86-सी. शु. VIII]

S.O. 2328.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued order F. No. 673/32/86-Cus. VIII dated 21-2-86 under the said sub-section directing that Shri B. J. Abddeen @ B. Jamilabdeen, No. 6, Ellapa Naicken Street, Pudupet, Madras be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Inspector General of Police, Madras within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/32/86-Cus. VIII]

का. आ. 2329.—भारत सरकार के अपर सचिव, ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से संप्रकृत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/33/86-सी. शु.-8, तारीख 19-3-1986 यह निर्देश देते हुए जारी किया था कि श्री मोहम्मद मुस्तफा, पुनर्सैयर निजाम अर्जी, ई-72, बुजाना हाउस, जामा मस्जिद, दिल्ली की केन्द्रीय जेल, तिहाइ, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाए और अभियान में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से निवारित किया जा सके जो विदेशी मुद्रा, संबंधित के लिए हानिकारक हो;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित करार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त अदिश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निरेश देती है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित इय अदिश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हों।

[का. सं. 673/33/86-सी. शु.-VIII]

S.O. 2329.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued Order F. No. 673/33/86-Cus. VIII dated 19th March, 1986 under the said sub-section directing that Shri Mohd. Mustafa S/o Syed Nizam Ali, D-72, Dujana House, Jama Masjid, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/33/86-Cus.VIII]

का. आ. 2330.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से संप्रकृत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/54/86-सी. शु.-VIII, तारीख 19-3-86 यह निर्देश देते हुए जारी किया था कि श्री सतपाल मननन्दा, निवासी 36, शास्त्री पार्क, चन्द्र नगर, दिल्ली की केन्द्रीय जेल, तिहाइ, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके;

किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/53/86-सी. शु.-VIII, तारीख 19-3-86 यह निर्देश देते हुए जारी किया था कि श्रीनाथ मननन्दा, निवासी 36, शास्त्री पार्क, चन्द्र नगर, दिल्ली की केन्द्रीय जेल, तिहाइ, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाए और अभियान में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित करार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे अदिश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निरेश देती है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित इय अदिश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/53/86-सी. शु.-VIII]

S.O. 2330.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued Order F. No. 673/53/86-Cus. VIII dated 19th March, 1986 under the said sub-section directing that Shri Rajpal Manchanda, residing at 36, Shastri Park, Chander Nagar, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/53/86-Cus.VIII]

का. आ. 2331.—भारत सरकार के अपर सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से संप्रकृत किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश का. सं. 673/54/86-सी. शु.-VIII, तारीख 19-3-86 यह निर्देश देते हुए हुए जारी किया था कि श्री सतपाल मननन्दा, निवासी 36, शास्त्री पार्क, चन्द्र नगर, दिल्ली की केन्द्रीय जेल, तिहाइ, नई दिल्ली में निरुद्ध कर लिया जाये और अभियान में रखा जाए ताकि उसे माल की तस्करी करने से निवारित किया जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित करार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त अदिश का निष्पादन नहीं हो सके; और

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के अन्तर्गत (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निरेश देती है कि पूर्वोक्त अनियंत्रित इय अदिश के राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष हाजिर हो।

[का. सं. 673/54/86-सी. शु.-VIII]

भार. के. तिवारी, अधिकारी, अधिकारी, अधिकारी

S.O. 2331.—Whereas the Additional Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued Order F. No. 673/54/86-Cus. VIII dated 19-3-86 under the said section directing that Shri Satpal Manchanda, residing

ing at 36, Shastri Park, Chander Nagar, Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tibar, New Delhi with a view to preventing him from abetting the smuggling of goods.

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the Order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of publication of this Order in the Official Gazette.

[F. No. 673/54/86-Cus.VIII]
R. K. TEWARI, Dy. Secy.

(आधिकारिक कार्यविभाग)
(बैंकिंग प्रभाग)
नई दिल्ली, 8 मई, 1986

का.पा. 2312.—प्रादेशिक ग्रामीण बैंक अधिनियम, 1976 (1976 का 21) की धारा 11 की उपधारा 2 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री एस. पी. कारण को, जिनकी धारा 11 की उपधारा (1) के तहत समस्तीपुर केन्द्रीय ग्रामीण बैंक, समस्तीपुर (विहार) के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त की तीन वर्ष की पहली अवधि 11-8-1983 को समाप्त हो गई है, 12-8-1983 से प्रारंभ होकर 14-10-1984 को समाप्त होने वाली अवधि के लिये उक्त बैंक का पुनः ग्रामीण नियुक्त करती है।

[म. एक. 2-66/82 आर. आर. वी.]
न. वा. मीराकम्बानी, निदेशक

(Department of Economic Affairs)
(Banking Division)

New Delhi, the 8th May, 1986

S.O. 2332.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Regional Rural Banks Act, 1976 (21 of 1976), the Central Government hereby reappoints Shri S. P. Karan, as the Chairman of Samastipur Kshetriya Gramin Bank, Samastipur (Bihar), whose earlier tenure of three years appointment under sub-section (1) of section 11 had expired on 11-8-1983 for a period commencing from 12-8-1983 and ending with 14-10-1984.

[No. F. 2-66/82-RRB]
C. W. MIRCHANDANI, Director

आधिकारिक मंत्रालय
बांकिंग
नई दिल्ली, 21 जून, 1986

का.पा. 2333.—नियाति (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1983 (1983 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि भारत के नियाति आपार के विकास के लिए ऐसा करता आवश्यक तथा समीक्षीय है कि कतीरा (गम कराया) का नियाति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन किया जाए;

और, केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रयोजन के लिए नींवे विनियिष्ट प्रस्तावनाएँ सैमार की हैं और उन्हें नियाति (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) नियम, 1984 के नियम 11 के उप-नियम (2) की अपेक्षानुसार नियाति नियोजन परियद को भेज दिया है;

अतः इति, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम (2) के प्रमुखस्तर में, भारत सरकार के आधिकारिक आपूर्ति तथा सहकारिता विभाग की अधिसूचना सं. का.पा. 3319 नारीख 28 चित्तम्बर, 1979 को अधिकारित करते हुए, उक्त प्रस्तावनाओं को उन अवित्तयों की जातकारी के लिए प्रकाशित करती है जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है।

3. सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के बारे में कोई आधिकारिक सूचाव जेजरे का इच्छुक कोई अधिकत उन्हें इस भावेश के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैतालीस दिन के भीतर नियाति नियोजन परियद, अगति दिवार, 11वीं मंजिल, 26 राजेन्द्र प्लॉम, सर्वे दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्तावनाएँ

(1) यह आधिसूचित करता कतीरा (गम कराया) नियाति से पूर्व क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन के अधीन होगा।

(2) इस आदेश के उपांचंड-2 में दिए गए कतीरा (गम कराया) नियाति (नियोजन), नियम, 1983 के प्रारंभ के अनुमार क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन के प्रकार को नियोजन के देसे प्रकार के हृष में विनियिष्ट करता जो नियाति से पूर्व देसे कतीरा (गम कराया) को लागू होगा;

(3) 35 शेषियों को मान्यता देना जो इस भावेश के उपांचंड-2 के अनुसार है।

(4) निम्नलिखित को मान्यता देना:—

(क) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों और नियाति नियोजन परियद भाग मान्यताप्राप्त शब्द नियोजन के मानक;

(ख) इस आदेश के उपांचंड-1 में विनियिष्ट न्यूनतम संक्षणों के अधीन उपांचंड के संविदा अन्य विनियोग।

(5) अंतरराष्ट्रीय आपार के अनुक्रम में बताया गया अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के नियाति को तब तक प्रतिष्ठित करता जब तक कि उसके साथ नियाति (क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन) अधिनियम, 1983 (1983 का 22) की धारा 7 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वापित अधिकारों में से किसी एक द्वारा आरी किया गया इस आवश्यक का प्रभाण-पत्र न हो कि ऐसा कतीरा (गम कराया) क्वालिटी नियंत्रण और नियोजन से संबंधित गती का समाधान करता है और नियाति-योग है।

3. इस आदेश की कोई भी बात आवश्यक अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के नमूनों के नियाति को लागू नहीं होगी, परन्तु यह तब जब कि देसे नमूने भारत में यो किलोग्राम से अधिक भारी होंगी।

4. इस आदेश में “कतीरा (गम कराया)” से स्ट्रेक्युलिया यूरेस पीजे से प्राप्त किया जाएगा और विनियिष्ट शेषी मानकों के अनुक्रम होगा:—

शेषी

छाल और बाह्य कार्बनिक पदार्थ

(छा.पा.का.प.

डेला/बोकर

(1) म. /हाथ से चुना हुआ तथा चुनी हुई शेषी (एच.पी.एस.) शेषी।

अधिकतम 1.0%

(2) स. 2 अधिकतम 1.5%
(3) स. 3 अधिकतम 3.0%
(4) स. 4 अधिकतम 5.0%
(5) स. 5 अधिकतम 8.0%
(6) स. 6 अधिकतम 10.0%

3. गम का आकार नियंत्रित संविदा में यथा अधिकारित केता तथा विभेदों के मध्य तथा हुए करार के अनुसार होगा।

4. गम कृत्तक उत्तर्ग, कृत्तक मैल और कृत्तक बालों से मुक्त होगा।

व. कटीरा, कराया या कल्पू के रूप में व्यापारिक रूप से जाता कराया (गम कराया) (किट्ट्रा) की प्रत्येक श्रेणी के द्वेषी नाम तथा नियम

श्रेणी	रंग लक्षण	भार के अनुभार	साधारण लक्षण
गर्मी की फसल	सर्वी/मानसून की फसल	बाहु पदार्थ की प्रतिशतता (प्रधिकारण)	
सं. 1 माय से चूनी हुई तथा लेकर हूल्का कर्त्तव्य तक चूनी हुई श्रेणी (एच.पी.एस. श्रेणी)	भृंडारकरण की अवधि के अनुभार सफेद से लेकर हूल्का कर्त्तव्य तक	भृंडारकरण की अवधि के अनुभार हूल्का भूरा	1. 0 फटीरा (गम कराया) किट्ट्रा— (1) गम के निविष्ट रंग की दणा में प्राप्त और भृंडारित किए जाएंगे।
सं. 2 हूल्का सलेटी तथा पीलेपन के साथ सफेद तक	फीका सफेद	1. 5 (2) स्टरकुलिया यूरेन पौधे के रस से प्राप्त किया जायगा।	
सं. 3 हूल्का पीला से लेकर हूल्के गत्तव्य और भूरे भूरे तक	हूल्का सफेद से लेकर भूरे भूरे तक और पीले तक	3. 0 (3) आकार तथा परिमाप में एक रूप होया उपर्युक्त रूप से सुखाई जाएगी।	
सं. 4 हूल्के काले रंग के साथ भूरा तथा गाढ़ा भूरा	हूल्के पौधे से गाढ़ा भूरा	5. 0 (4) कृत्तक उत्तर्ग, कृत्तक मैल तथा बालों, कूरी, र्हिट उत्तीर्ण री मुक्त होगा।	
सं. 5 गाढ़े भूरे से काला	हूल्के भूरे से काला	8. 0 (5) घुलनगीतता की विशेषता का होगा।	
सं. 6 काला तथा मिश्रित	काला तथा मिश्रित	10. 0	

परिभाषा : 'आहुरी पदार्थ' के अतिरिक्त फटीरा (गम कराया) से भिन्न छाल, पने, धूत गंभीर, पत्वर कण या फूर्दे फौटे इत्यत्रह नवा अकारीनिक पदार्थ आता है।

उपांग—2

नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 की धारा 17 के अधीन करीरा (गम कराया) नियंत्रित (निरीक्षण) नियम, 1979 को प्रतिवित करते हुए बताए गए प्रस्तावित नियमों का प्रारूप।

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ :—इन नियमों का संक्षिप्त नाम करीरा (गम कराया) नियंत्रित (निरीक्षण) नियम, 1986 है।

2. परिवारा :—इन नियमों में, जब तक कि संवर्भ से अस्थापन अपेक्षित न हो,—

(क) "अधिनियम" से नियंत्रित (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) अधिनियम है;

(ख) "अभिकरण" से अधिनियम की धारा 7 के अधीन बम्बई, कलकत्ता, कोयली, दिल्ली और मद्रास में स्थापित अभिकरणों में से कोई अभिकरण अधिनियम है;

(ग) "करीरा (गम कराया)" से स्टरकुलिया यूरेन पौधे से प्राप्त गम अधिनियम है।

3. निरीक्षण का आधार :—करीरा (गम कराया) का क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण यह वेबने के विचार से किया जाएगा कि यह अधिनियम की धारा 6 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा माध्यता प्राप्त और हूल्के भूरे भूरे तथा अनुसूची में विनिविष्ट विनिर्देशों के अनुरूप है।

4. निरीक्षण की प्रक्रिया :—(1) करीरा (गम कराया) का नियंत्रित काले का इच्छुक कोई भी नियंत्रिकर्ता, ऐसा करते के द्वारा आवश्यकीय लिखित रूप में अभिकरण को देगा और ऐसी सूचना

के साथ यह घोषणा करेगा कि करीरा (गम कराया) का परेण्य नियम 3 के अनुसार तैयार किया गया है तथा परेण्य इस प्रयोजन के लिए मान्यताप्राप्त विनिर्देशों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

2. यहां नियंत्रिकर्ता की यह इच्छा है कि नियंत्रित किए जाने वाले करीरा (गम कराया) के परेण्य का निरीक्षण—

(क) बम्बई में अभिकरण द्वारा किया जाए, वहां वह उपनियम (1) के अधीन सूचना, पोत-सदान से कम से कम तीन दिन पहले देगा।

(ख) कलकत्ता, कोयली या मद्रास में अभिकरण द्वारा किया जाए, वहां वह उपनियम (1) के अधीन सूचना पोत-सदान से कम से कम तीन दिन पहले देगा।

(3) (1) उपनियम (2) में निविष्ट सूचना प्राप्त होने पर अभिकरण करीरा (गम कराया) के परेण्य का निरीक्षण नियंत्रित निरीक्षण परियद द्वारा समय-समय पर जारी किए गए विनिर्देशों के अनुसार अपना यह समाधान करते के विचार से किया जाएगा कि परेण्य नियम 3 के अनुसार अपेक्षाकृद तथा पैक किया गया है।

(2) नियंत्रिकर्ता अभिकरण को सभी आवश्यक सूचनाएं देगा ताकि वह ऐसा निरीक्षण करते वै मर्म हो सके।

(4) निरीक्षण के पश्चात् यदि अभिकरण का समाधान हो जाता है कि नियंत्रित किए जाने वाले करीरा (गम कराया) का परेण्य नियम 3 में निविष्ट विनिर्देशों की अपेक्षाओं को पूरा करता है तो अभिकरण यह घोषणा करते हुए एक प्रयाण-पत्र कि परेण्य नियंत्रित योग्य है,—

(1) बम्बई में अभिकरण द्वारा निरीक्षण किए जाने की वज्रा में, सूचना प्राप्ति से तीन दिन के भीतर जारी करेगा, और

(2) कलकत्ता, कोल्काता, दिल्ली या मद्रास में अधिकारण द्वारा निरीक्षण किए जाने की दशा में, सूचना प्राप्ति के सात दिन के भीतर आरी करेगा;

परन्तु जहाँ अधिकारण का ऐसा समाधान नहीं होता है वहाँ वह उत्तम तीन या सात दिन की अवधि के भीतर, ऐसा प्राप्ति-पत्र आरी करने से इकार कर देगा तथा ऐसे इकार की सूचना निर्यातकर्ता को, उसके कारणों सहित देगा।

(5) प्रमाणन के पश्चात् अधिकारण को, वास्तविक पोत परिवहन से पूर्व भी, भांडारकरण या परिवहन के स्थान पर या पलनों पर, परेषण की क्षालिकी का पुनः निर्धारण करने का अधिकार होगा।

(6) परेषण के इन प्रकारों में से किसी भी प्रकार पर मानक विनिर्देशों के अनुरूप न पाए जाने पर मूल रूप से जारी किया गया निरीक्षण प्रमाण-पत्र आपिस ले लिया जाएगा।

(7) पैकिंग तथा चिन्हनः—

7. (1) पैकिंगः—कतीरा (गम कराया) बीहरे बोरों में पैक किया जाएगा जिनमें से अद्वार घाला बौरा साफ तथा मजबूत होगा और बाहरी बोरा पूर्णतः नया होगा।

7. (2) चिन्हनः—बाहरी बोरे पर निम्नलिखित सूचनाएं अंकित की जाएगी, पृष्ठांतः—

(1) स्थाय तथा औत्तरीय प्रयोग के लिए कतीरा (गम कराया);

(2) कतीरा (गम कराया) की श्रेणी; तथा

(3) पोत परिवहन चिन्हः;

(8) निरीक्षण का स्थानः—“(1) इन नियमों के प्रयोगन के लिए निरीक्षण नियातकर्ता के उन परिसरों पर किया जाएगा जहाँ निरीक्षण के लिए माल प्रस्तुत किया गया है वर्षते कि वहाँ निरीक्षण के लिए पर्याप्त सुधारणाएं विद्यमान हैं।

(2) नियातकर्ता के परिसरों पर निरीक्षण करने के अतिरिक्त, अधिकारण परेषण का निरीक्षण पोत-सदास के समय गोदाम में भाषाट पर भी कर सकता है।

(9) निरीक्षण फीसः—इन नियमों के अधीन प्रति परेषण भूततम 50 रु. के अधीन रहने हुए पोत पर्याप्त निःशुल्क मूल्य के 0.50 प्रतिशत की दर से फीस निरीक्षण फीस के रूप में दी जाएगी।

(ख) कटीरा, कराया या कुल्लू जैसे जाने वाली आपारिक कतीरा गम कराया (किस्टल) की प्रत्येक श्रेणी के श्रेणी पत्र नाम सह विवेचनाएं

श्रेणी या पदनाम

रंग विशेषताएं

गर्मी की फसल	सर्दी/मानसून की फसल	भार द्वारा आहूय पदार्थ (प्रतिशत-अधिकतम)	सामान्य विशेषताएं	
1	2	3	4	5
सं. 1 हाथ चुनिस्ता भांडारकरण की अवधि पर निर्भर हूल्का/ तथा चुनी हुई श्रेणी कत्थई से सफद (हा. चु. चु. श्रेणी)	भण्डारकरण की अवधि पर निर्भर हूल्का भूरा	1.0 कतीरा (गम कराया) किस्टल (1) गम का विशिष्ट रंग लिए हुए प्राप्त और भांडारित किया जाएगा।		
सं. 2 हूल्का सलेटी तथा पीले रंग के साथ सफेद	हूल्का सफेद	1.5 (2) स्टर्कुलिया यूर्स धौध के रस से प्राप्त किया जाएगा।		
सं. 3 हूल्के कत्थई और भूरे से हूल्का फीला	हूल्का सफेद से भूरा से केसरी	3.0 (3) भली प्रकार सुखाया हुआ होगा, आकार तथा परिमाण में एक रूप होगा।		
सं. 4 हूल्के काले रंग के साथ भूय तथा गाढ़ा भूरा हूल्के पीले से गाढ़ा भूरा		5.0 (4) कुन्तक उत्सर्ग, कुन्तक मैल तथा बालों, करूंदी, कीट उत्प्रेरण से मुक्त होगा।		

1	2	3	4	5
सं. 5	गाढ़े धूरे से काला	हल्के धूरे से काला	8.0	(5) धुपतंत्रिका को विशेषता से युक्त होगा।
सं. 6	काला तथा मिश्रित	काला तथा मिश्रित	10.0	

परिभाषाएँ: बाहरी परामर्श में: कर्तिरा (गम कराया) से गिर कोई छाल, पाल, धूल गंदगी, पत्थर के टुकड़े तथा अन्य कोई कार्बनिक तथा अकार्बनिक पदार्थ सम्मिलित होंगे।

[फाईल सं. 6(9)/77 - ई आई एंड ईपी]
एन. एस. एसीएस, निवेशक

MINISTRY OF COMMERCE
ORDER

New Delhi, the 21st June, 1986

S.O. 2333.—Whereas in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government is of opinion that it is necessary and expedient so to do for the development of the export trade of India that Gum Karaya shall be subject to Quality Control and Inspection prior to export;

And whereas the Central Government has formulated the proposals specified below for the said purpose and has forwarded the same to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule (2), the Central Government, in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Commerce, Civil Supplies and Co-operation No. S.O. 3319, dated the 29th September, 1979, publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same within forty-five days of the date of publication of this Order to the Export Inspection Council Pragati Tower, (11th Floor), 26, Rajendra Place, New Delhi-110008.

PROPOSALS

(2) To specify the type of quality control and inspection control and inspection prior to export;

(2) To specify type of quality control and inspection in accordance with the draft export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1986 set out in Annexure-II to this Order as the type of inspection which would be applied to such gum karaya prior to export;

(3) To recognise the grades which are as per the Annexure-I to this Order;

B. GRADE DESIGNATION AND CHARACTERISTICS OF EACH GRADE OF GUM KARAYA (CRYSTALS) COMMERCIALLY KNOWN AS KATILA, KARAYA OR KULLO

Grade	Colour Characteristics		Foreign matter present by wt. (Max.)	General characteristics
	Summer Crop	Winter/Monsoon Crop		
No. 1 (Hand picked and selected grade (HPS Grade))	White to slight tan depending on the period of storage	Slight tan depending on the period of storage	1.0	Gum Karaya Crystals shall— (1) be obtained and stored having the characteristic colour of gum;
No. 2	White with slight grey and yellow cast	Dull white	1.5	(2) be derived from the exudates of the plant Sterculia urens;
No. 3	Pale yellow to light tan and brown	Dull white to greyish to amber	3.0	(3) be reasonably dried, uniform in shape and size;

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
No. 4	Brown and dark brown with slight black cast	Dull yellow to brown dark	5.0	(4) be free from rodent excreta, rodent filth and hair, fungal attack, insect infestation;
No. 5	Dark brown to black	Dull brown to black	8.0	(5) have characteristic solubility
No. 6	Black and mixed	Black and mixed	10.0	

(Definition : Foreign matter.— Shall include bark, leaves, dust, dirt, stone pieces or any other organic and inorganic matter other than gum karaya.

ANNEXURE-II

(Draft rules proposed to be made, in supersession of the Export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1979 under section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963).

1. Short title and commencement :—These rules may be called the Export of Gum Karaya (Inspection) Rules, 1986 ;

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" means the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963);
- (b) "Agency" means any one of the agencies, established at Bombay, Calcutta, Cochin, Delhi and Madras under section 7 of the Act;
- (c) "Gum Karaya" means the gum obtained from the Plant *Sterculia Urens*.

3. Basis of Inspection :—The quality control and inspection of gum karaya shall be carried out with a view to seeing that the same conforms to the specifications recognised by the Central Government under section 6 of the Act and specified in the Schedule annexed to this order.

4. Procedure of inspection :— (1) An exporter intending to export gum karaya shall give intimation in writing of his intention to do so to the agency and alongwith such intimation a declaration that the consignment of gum karaya has been prepared in accordance with rule 3 and that the consignment conforms to the requirements of the specifications recognised for the purpose.

(2) Where the exporter desires that the inspection of the consignment of gum karaya to be exported may be conducted—

- (a) by the agency at Bombay, he shall submit the intimation under sub-rule (1) not less than three days prior to shipment ;
- (b) by the agency at Calcutta, Cochin, Delhi or Madras, he shall submit the intimation under sub-rule (1) not less than seven days prior to shipment.

(3) (i) On receipt of the intimation referred to in sub-rule (2) the agency shall inspect the consignment of gum karaya as per instructions issued by the Export Inspection Council, in this behalf, from time to time with a view to satisfying itself that the consignment has been graded and packed in accordance with rule 3.

- (ii) The exporter shall provide all necessary facilities to the agency to enable it to carry out such inspection.

(4) If after inspection, the agency is satisfied that the consignment of gum karaya to be exported complies with the requirements of the specifications referred to in rule 3, the agency shall issue a certificate declaring the consignment as exportworthy—

- (i) within three days of the receipt of intimation in case of inspection conducted by the agency at Bombay, and
- (ii) within seven days of the receipt of intimation in case of inspection conducted by the agency at Calcutta, Cochin, Delhi or Madras ;

Provided that where the agency is not so satisfied, it shall within the said period of three days or seven days, as the

case may be, refuse to issue such certificate and communicate such refusal to the exporter alongwith the reasons thereof.

(5) Subsequent to certification, the agency shall have the right to reassess the quality of the consignment at any place of storage, in transit, or at the ports before its actual shipment.

(6) In the event of the consignment being found not conforming to the standard specifications at any these stages, the certificate of inspection originally issued shall be withdrawn.

5. Packing and Making :

5.1 Packing :—The gum karaya shall be packed in double gunny bags. Whist the inner bag shall be clean and sound, the outer bag shall be completely new.

5.2 Marking :—The outer bags shall be marked with the following informations :—

- (i) gum karaya meant for food and pharmaceutical use;
- (ii) grade of the gum karaya; and
- (iii) shipping marks.

6. Place of inspection :—(1) Inspection for the purpose of these rules shall be carried out at the premises of the exporter where the goods are offered for inspection provided adequate facilities exist therein for inspection.

(2) In addition to the inspection at the exporter's premises, the agency may also inspect the consignments at the time of shipment in godown or at the wharf.

7. Inspection fee :—Subject to a minimum of Rs. 50/- for each consignment, a fee at the rate of 0.5 per cent of fob value shall be paid as inspection fee under these rules.

8. Appeal.—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a Panel of Experts consisting of not less than three but not more than seven persons appointed for the purpose by the Central Government.

(2) The Panel shall consist of at least two-third of non-officials of the total membership of the Panel of Experts.

(3) The quorum for the Panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipt.

THE SCHEDULE

A. SPECIFICATION FOR GUM KARAYA

1. The gum shall be obtained from the plant *Sterculia Urens* and it shall conform to the following grade standards :—

Bank and foreign organic matter (BFOM) Lump/Siftings

(i)	No. 1	1.0% Max
	Hand picked and selected grade (HPS-Grade)	
(ii)	No. 2	1.5% Max
(iii)	No. 3	3.0% Max
(iv)	No. 4	5.0% Max
(v)	No. 5	8.0% Max
(vi)	No. 6	10.0% Max

2. The size of the gum shall be as agreed to between the buyer and the seller as laid down in the export contract:

4. The gum shall be free from rodent excreta, rodent filth and rodent hair.

B. Grade designation and characteristics of each grade of gum karaya (Crystals) Commercially known as Katila, Karaya or Kullo

Grade Designation	Colour characteristics		Foreign matter present by wt. (Max.)	General characteristics
	Summer crop	Winter/Monsoon crop		
No. 1	White to slight tan depending on the period of storage	Slight tan depending on the period of storage	1.0	Gum Karaya crystals shall— (1) be obtained and stored having the characteristic colour of gum;
No. 2	White with slight grey and yellow cast	Dull white	1.5	(2) be derived from the exudates of the plant Sterculia urens;
No. 3	Pale yellow to light tan and brown	Dull white to greyish to amber	3.0	(3) be reasonably dried, uniform in shape and size;
No. 4	Brown and dark brown with slight black cast	Dull yellow to brown dark	5.0	(4) be free from rodent excreta, rodent filth and hair, fungal attack, insect infestation;
No. 5	Dark brown to black	Dull brown to black	8.0	(5) have characteristic solubility.
No. 6	Black and mixed	Black and mixed	10.0	

Definition : Foreign matter— Shall include dark, leaves, dust, dirt, stone pieces of any other organic and inorganic matter other than gum karaya.

[F. No. 6(9) (77)—EI&EP]
N.S. HARIHARAN, Director

(भूख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित का कार्यालय)

नई दिल्ली, 6 जून, 1986

आवेदन

कांजा. 2334:— श्री श्रावोक जोहरी, 6 कुण आओ पूरा हो वी मिस सिटी, विष्वतानाम को एक टॉर्चेटा कोरोना सीडन 1300 वी सी मॉडल के ई-70-4 शीलस दाइप बरवाजी, वातानुकूलित कैसेट चेसिस सं. के ई-70-6042112 इंजिन तं 4 के 1200584 सहित मॉडल 1981 के आयात के लिए 34,600/-रु का सीमा गुरुक निकासी परमिट स. पी/जे/3054050 दिनांक 21-5-86 दिया गया था। आवेदक ने उपर्युक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस धारातर पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क निकासी परमिट बद्दे प्राप्त नहीं हुआ है। धारा मह भी बलाया गया है कि मूल परमिट किनी सीमा गुरुक निकासी के पास वंजेत्त नहीं कराया गया था और जिसके कारण मैंगा गुरुक निकासी परमिट के मूल्य को बिल्कुल भी उपयोग में नहीं काया गया था।

2. तपत्तुसार, मैं बतुरुट हूं कि 34,600/-रु. का सीमाशुल्क निकासी परमिट स. पी/जे/3054050, दिनांक 21-5-86 आवेदक से जो गया है। व्यापारसंसाधित व्यायात (नियंत्रण) वादिया, 1955 दिनांक 7-12-1955 के उपचाल 9(मी सी) के अन्तर्भूत प्रदत्त व्यक्तिकर्ता का उपयोग करते हुए श्री श्रावोक जोहरी को जारी किया गया था। मूल मूल्य 34,600/-रु. के उक्त सीमाशुल्क निकासी परमिट स. पी/जे/3054050 दिनांक 21-5-86 को एवं दिवार रहे किया जाता है।

3. द्वाएं हुए सीमाशुल्क निकासी परमिट के र्यात पर पार्टी का लाइसेंस की एक अनुनियि प्रति भलग से जारी की जा रही है।

[का. स. जी ए-20/86-87/वी एल एस/615]

एन. एस. कृष्णमूर्ति, उप मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित हुते मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

New Delhi, the 6th June, 1986

ORDER

S.O. 2334.—Mr. Alok Johri, 6, Phung Khuon Ho Chi Minh City, Vietnam was granted a CCP No. P/J/3054050 dated 21-5-86 for Rs. 34,600 for import of one Toyota Corolla Sedan 1300 cc Model KE70 4 doors Deluxe Type with Air-conditioner Cassette Chassis No. KE70-6042112 Engine No. 4K-1200584 Model 1981. The applicant has applied for issue of duplicate copy of the above mentioned Customs Clearance Permit on the ground that the original CCP has not been received by him. It has further been stated that the original was not registered with any Custom Authority and as such the value of the CCP has not been utilised at all.

2. I am accordingly satisfied that the CCP No. P/J/3054050 dt. 21-5-86 for Rs 34,600 has been lost by the applicant. In exercise of the powers conferred under Sub-Clause 9(cc) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended from time to time, the said CCP No. P/J/3054050 dated 21-5-86 for Rs. 34,600 only issued to Mr. Alok Johri is hereby cancelled.

3. A duplicate copy of the licence in lieu of the lost CCP is being issued to the party separately.

[F. No. G/A-20/86-87/BLS/615]
N. S. KRISHNAMURTHY, Dv. Chief Controller of Imports & Exports

संयुक्त भूख्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित का कार्यालय

(केन्द्रीय लाइसेंस बोर्ड)

नई दिल्ली, 24 मार्च, 1986

प्रिस्टान आवेदन

का. स. 2335.—सर्वे श्री आयात इंटरप्रोइज़िज़, 1064 कूचा नटवान औदनी बोर्ड बैहली को अधिम लाइसेंस पी/के/3025453 दिनांक 24-4-84 को (1) पी वी सी नंदर 54"20222 मीटर 4.20,000/-रु. (2)

सिल्क 44" 12027 मीटर 1,00,800/- (3) जिप 15", 14", 13" के 4,00,000 टुकड़ (4) जिप 18" (5) रिंग (6) बटन्स (8) स्टाप बटन्स मवर्स 3 से 7 तक 53, 300/- के लिये जारी किया गया था ।

आवेदक फर्म के इस कथन के समर्थन में इब एक आपयन-वत्त, आयात-नियर्त की कार्यविधि पुरितिका । 85—88 के पैरा 85 के प्रस्तुत किया है। जिसमें उन्हेंने कहा है कि लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दिनांक 24-4-84 लाइसेंस र. 5,74,100/- का अप्रैल-मार्च 85 की आवधि के लिये जारी किया हुआ लाइसेंस की कस्टम कापी दुख्ली कस्टम प्राधिकारी के पास पंजीकृत करने एवं 381140/- तक 8846 मीटर पी बी सी लैंबर कलात्मक उपयोग आयात करने के परामर्श कहीं जो गई है/अस्यानस्थ हो गई है।

दुख्लीकेट कस्टम कापी बकाया राशि 192960/- को पूरा करने के लिए आवेदित है।

मैं सम्मुच्छ हूँ कि उक्त आयात लाइसेंस की मूल कस्टम कापी सो गई है/अस्यानस्थ हो गई है।

धत: आयात-व्यापार नियंत्रण आवेदन 1955 वि. 7-12-55 (यथा संशोधित) की धारा में प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए में उपरोक्त लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दि. 24-4-84 को 5,74,100/- की मूल कस्टम प्रयोजन कापी को निरस्त करने का आदेश देता हूँ।

आवेदक की प्राप्तना पर इब आयात-नियर्त की कार्यविधि-पुस्तिका 1985-88 के पैरा 85-88 के प्रत्युत्तर उक्त लाइसेंस सं. पी/कि/3025453 दि. 24-4-84 की कस्टम प्रयोजन कापी की अनुलिपि (दुख्लीकेट कापी) जारी करने पर विचार किया जायेगा।

[फा. सं. एडीटी/लाइसेंस/यूटीएम/486/ए प्रम 84/एएलएम I/सीएलए/3686]

डा. आर. के धवन,
उप मुख्य नियंत्रक आयात-नियर्त

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF
IMPORTS & EXPORTS
(Central Licensing Area)

New Delhi, the 24th March, 1986

CANCELLATION ORDER

S.O. 2335.—M/s. Ashish Enterprises, 1064 Kucha Natwan Chandni Chowk Delhi were granted advance licence No. P[K] 3025453 3dt. 24-4-84 for import of (1) PVC Leather 54" 11 20222 Metres Rs. 4,20,000/- (2) Silk 44" 12027 Metres Rs. 1,00,800/- (3) Zip 15", 14", 13", 4,00,000 pcs. (4) Zip 18" (5) Rings (6) Buttons (8) Stop Buttons. Item Nos. 3 to 7 upto Rs. 53,300/-.

The applicant has filed an affidavit as required under para 85 of Hand Book of Import Export Procedure 1985-88 wherein they have stated that the Custom copy of the licence No. P[K] 3025453 dt. 24-4-84 for Rs. 5,74,100/- issued for the period AM. 85 has been lost/Misplaced having been Regd. with Delhi Custom authority and having been utilised upto Rs. 3,81,140/- for import of 8846 metres PVC leather cloth.

The duplicate Custom copy is required to cover the balance value of Rs. 1,92,960/-.

I am satisfied that Customs copy has been lost/misplaced.

In exercise of the Powers conferred on me under subject clause 9(cc) in the Import Trade Control Order 1955 dated 7-12-55 as amended upto date, the said Custom Control copy of licence No. P[K] 3025453 dt. 24-4-84 for Rs. 5,74,100/- is hereby cancelled.

The applicant case will now be considered for issue of duplicate Custom copy of advance licence No. P[K] 3025453 dated 24-4-84 for Rs. 1,92,960/- in accordance with 85-88 of Hand Book of Import & Export & Export Procedure, 1985-88.

[No. Adv./Lie/UDES/486/AM.84/ALST/CLA-3686]
For Chief Controller of Imports & Exports.
DR. R. K. DHAWAN, Dy Chief Controller of Imports & Exports

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस संचालन

नई दिल्ली, 4 जून 1986

का.पा. 2336—यह: कोई य सरकार को यह प्रतीत होता है कि लोकान्तर में यह आवश्यक है कि प्राकृतिक गैस सरकाराह के लिये आमरूप, जिसा डिवृष्ट, असम में हिन्दुतान बरक निगम के नामरूप III प्रक्षेपण योजना के लिये आयल इन्डिया पाल. पि. जि. प्लाट दुलियाजान से आसाम गैस अंपर्स लिमिटेड दुलियाजान तक पाई लाईन आसाम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान द्वारा विभाइ जाने वाहिये।

धौर यत: यही प्रतोत होता है कि ऐसी साईनों को विभाने के प्रयोजन के लिए एतत्प्रायद के प्रत्युत्तरी में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अंजित नरना आवश्यक है।

धौर यत: धू पेट्रोलियम धौर खनिज पाई लाईन (भूमि में उपयोग के अधिकार अंजित) खनिजियम 1962 (1962 का 50) की आरा 3 की उप धारा 1 धारा प्रदल अंकितयों का प्रयोग करते हुए केवल सरकार ने उसमें उपयोग को अधिकार अंगित करने का अपना अध्यय एतद्वारा घोषित किया है।

धौर कि उक्त धूमि में हितवड़ कोई अधिकृत, उस धूमि के भीचे पाई लाईन विभाने के लिये आदेप राज्यम अधिकारी, उपायुक्त दिव्युग्म आसाम की इस अंतिमूलना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

धौर एसा आक्षेप करने वाला हूर अधिकृत विनिर्दिष्ट: यह धौ जपन करेगा कि क्या वह भू आहत है कि उसकी सुनाई अधिकृत हो या किसी विभि अवधारी की मार्फत।

प्रान्तसूचि:

प्रायल इंडिया लिमिटेड, दुलियाजान एल पि. जि. प्लाट से असाम गैस कम्पनी लिमिटेड, दुलियाजान कम्प्रेसर असाम तक गैस पाइप लाईन बिछाना।

राज्य—असाम		जिला—दिग्गज			सालों के अन्तर्वर्तीय	
क्रम सं.	गाँव	पाठा नं.	काश नं.	परिया	मत्तव्य	
				वि के	लों	
1.	सुरुपथार बंगलो	1 नं. चाय मियादां	30	—	11	
		" " "	31	—	6	
		" " "	32	2 2	13	
		" " "	39	—	7	
		" " "	44	1 2	18	
		कुल खेत फल-	4	1	15	
2.	2 नं. चलाकतकी	सरकार	98	—	15	
		"	29	—	8	
		"	105	3 3	3	
		कुल खेतफल	3	4	16	

[मो 12012/97/86 मो एन जी डी-4]
के सी कटोच, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF PETROLEUM & NATURAL GAS

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2336. Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the Public interest that for supply of natural gas for expansion Project-III of M/s. Hindustan Fertilizer Corporation Limited, Namrup, District Dibrugarh, Assam, pipeline should be laid from Oil India Limited L.P.G. Plant Duliajan to Assam Gas Company Limited, Duliajan, by Assam Gas Company Limited, Duliajan.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the competent Authority Viz. Deputy Commissioner, Dibrugarh District, Assam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

SCHEDULE

Laying of Gas Pipe line from LPG Plant Oil India Ltd. Duliajan to Compressor Station of M/s Assam Gas Company Ltd. Duliajan.

State : Assam

District : Dibrugarh

Mouza : Kheremia

Sl. No.	Gaon	Patta No.	Dag No.	Area			
				B	K	L	Remarks
1.	Saru-Pother Bangali	Tea-Periodical No. 1	30	0	0	11	
		Tea-Periodical No. 1	31	0	0	6	
		—do—	32	2	2	13	
		—do—	39	0	0	7	
		—do—	44	1	2	18	
		Total Area	—	4	1	15	
2.	2 No. Chola-kotaky	Wasteland	98	0	0	15	
		Wasteland	29	0	0	18	
		Wasteland	105	3	3	3	
		Total Area	—	3	4	16	

[No. O-12012/97/86-ONG. D-4]
K.C. KATOCH, Desk Officer

नई विली, 10 जून, 1986

का. धा. 2337.—यत. केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोक हित में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हीरा से बरेली से जगदीश पुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण भर्यादित लि. द्वारा बिल्ड जानी चाहिए।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिल्ड के प्रयोजन के लिए एत्युपावद घनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग भविकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भविकार का भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भविकार अर्जित करने का अपना आण्य एतत्त्वात् घोषित किया है।

वशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिल्ड के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण भर्यादित, 45 सुभाष नगर सांचेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456-001) को इस भविसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एस. वी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट,

ग्राम दुर्सेनपुर तहसील—राष्ट्रोगङ्क जिला—गुना राज्य म. प्र.

घनुसूची

घनु. क्र.	वस्तरा नं.	उपयोग भविकार भर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1.	2	3
1.	71	0.519
2.	75	0.259
3.	76	0.151
4.	77	0.290
5.	73	0.225
6.	74	0.013
कुल क्षेत्रफल का योग		1.457

[सं. धो.-14016/554/86-जी. पी.]

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2337.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in the land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipe-line (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBJ Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

HBJ GAS PIPE LINE PROJECT

Village : Husainpur tehsil : Roghogarh
Distt. : Guna (M.P.)

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be Acquired for R.O.U. in Hectare
1.	71	0.519
2.	75	0.259
3.	76	0.151
4.	77	0.290
5.	73	0.225
6.	74	0.013
Total Area		1.457

[No. O-14016/554/86-GP]

का. धा. 2338.—यत: केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोक हित में यह आवश्यक है कि मध्यप्रदेश राज्य में हीरा से बरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण भर्यादित किया जानी चाहिए।

और यत: यह प्रतीत होता है कि ऐसी साईनों को बिल्ड के प्रयोजन के लिए एत्युपावद घनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग भविकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के भविकार का भर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का भविकार अर्जित करने का अपना आण्य एतत्त्वात् घोषित किया है।

वशतें कि उक्त भूमि में हितबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिल्ड के लिए आक्षेप सक्षम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण भर्यादित, 45 सुभाष नगर सांचेर रोड, उज्जैन (म.प्र.) 456001) को इस भविसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह यह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत रूप से हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

एस. वी. जे. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट,

ग्राम धर्मवापुर तहसील राष्ट्रोगङ्क जिला—गुना राज्य म. प्र.

घनुसूची

घनु. क्र.	वस्तरा नं.	उपयोग भविकार भर्जन का क्षेत्र (हेक्टर में)
1.	25	0.227
2.	26	0.010
3.	27	0.467
कुल क्षेत्रफल का योग		0.704

[सं. धो.-14016/553/86-जी. पी.]

S. O. 2338.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBI Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Ahmedapur Tehsil : Raghogarh
Distt : Guna
SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	25	0.227
2.	26	0.010
3.	27	0.467
Total		0.704

[No. O-14016/553/86-GP]

का. आ. 2339:—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि सोक वित्र में यह आवश्यक है कि मध्य प्रदेश राज्य में हृतीरा से वरेली से जगदीशपुर तक पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइप लाइन भारतीय गैस प्राधिकरण द्वारा बिलाई जानी आहिए।

और यतः यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाईंसों को बिलासे के प्रयोजन के लिए एतद् पाइप ग्रन्तुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

यतः प्रब एट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रन्त) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त गणितों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का ग्रपना आवश्य एतद्वारा घोषित किया है।

इसमें कि इकल भूमि में इकल गोई अर्जित, उस भूमि के नीचे पाइप लाइन बिलाने के लिए आक्षेप सकाम प्राधिकारी, भारतीय गैस प्राधिकरण मर्यादित, 45 सुमावनगर संचार रोड, उज्जैन (म. प्र.) (456001) को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकें।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हुर अर्जित बिनिदिष्टः यह भी कथम करेगा कि क्या वह यह आदता है कि उसकी मुनाबाई अक्षितगत रूप से हो या किसी विविध अवसायी की भावेत्।

एवं, मी. जे. गैस पाइप लाइन प्रीमिट

ग्राम—गोपालपुर तहसील—राधोगढ़ जिला—मुना राज्य—म. प्र.

ग्रन्तुसूची

ग्रन्तु. अ. असरानं.	उपयोग अधिकार ग्रन्त का संकाल (हेक्टर में)
1. 22/1 क	0. 888
2. 22/6	0. 281
3. 24/1	0. 010
संकाल का योग —	1. 179

[सं. अ. -14 016/556/86-गी. पी.]

S. O. 2339.—Whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of petroleum from HAZIRA-BARILLY to JAGDISHPUR in Madhya Pradesh State pipe line should be laid by the Gas Authority of India Limited.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline it is necessary to acquire the Right of User in land described in the schedule annexed hereto.

Now, therefore in exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Petroleum Pipeline (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962, (50 of 1962) the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein.

Provided that any person interested in the said land may within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipelines under the land to the Competent Authority, Oil Gas Authority of India Limited, HBI Gas Pipe line 45, Subhash Nagar, Sanwer Road, Ujjain (M.P.).

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by a legal practitioner.

HBJ GAS PIPELINE PROJECT

Village : Gopalpur Tehsil : Raghogarh
Distt. Guna (M.P.)

SCHEDULE

S. No.	Survey No.	Area to be acquired for R.O.U. in Hectare
1.	22/1K	0.888
2.	22/6	0.281
3.	14/1	0.010
Total Area		1.179

[No. O-14016/556/86-GP]

का. आ. 2340:—यतः पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का ग्रन्त) अधिनियम 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उप धारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम भवालालय की अधिसूचना का. आ. स. 226 तारीख 17-1-86 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से संलग्न ग्रन्तुसूची में विनिदिष्ट भूमियों के उपयोग के अधिकार को पाइप लाइनों को बिलाने के प्रयोजन के लिए अर्जित दरों का ग्रपना आवश्य घोषित कर दिया था।

और यतः सक्रम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

और आगे यतः बोन्डीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिविल्ट भूमियों में उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिष्टय किया है।

अब अब उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिविल्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन विछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

और आगे उम धारा की उप धारा (4) द्वारा प्रदत्त अविसर्यों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय भारतीय गैस प्राधिकरण लि. में सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से निहित होगा।

अनुसूची

जक्षन पाइप (पी. 221) से एन. टी. पी. सी. अंता तक पाइप लाइन विछाने के लिए

राज्य—राजस्थान जिला—कोटा तहसील—मांगरोल सब-तहसील—अंता

माला	खसरा नं.	हेक्टर	धारा	सेन्टीयर
1	2	3	4	5
400		0	02	88
401		0	03	12
402		0	30	16
403		0	31	36
444		0	24	96
445		0	26	24
447		0	03	60
453		0	21	76
456		0	08	32
457		0	07	36
481		0	21	76
480		0	07	68
479		0	13	44
478		0	12	48
470		0	23	36
471		0	25	44
473		0	16	16
407		0	01	20
548		0	24	72
549		0	07	20
550		0	01	44
552		0	02	72
580		0	04	48
551		0	27	52
582		0	06	08
626		0	14	16
629		0	28	00
627		0	02	88
628		0	44	32
651		0	37	76
650		0	82	56

[स. अ. -14010/531/86 जी पी.]
एम. एस. भीमबत्ता, विवेक (एसजी)

S.O. 2340.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum S.O. 226 dated 17-1-1986 under sub-section (i) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the land specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline.

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (i) of Section 6 of the said Act submitted report to the Government,

And further whereas the Central Government has, after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification.

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (I) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline.

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests from this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from encumbrances.

SCHEDULE

Pipeline from Junction Point (P'21) to NTPC, Anta

State : Rajasthan District : Kota

Tehsil : Mongrol Sub-Tehsil : Anta

Village	Survey No.	Hectare	Acre	Centiare
1	2	3	4	5
Thamli	400	0	02	88
	401	0	03	12
	402	0	30	16
	403	0	31	36
	444	0	24	96
	445	0	26	24
	447	0	03	60
	453	0	21	76
	456	0	08	32
	457	0	07	36
	481	0	21	76
	480	0	07	68
	479	0	13	44
	478	0	12	48
	470	0	23	36
	471	0	25	44
	473	0	16	16
	407	0	01	20
	548	0	24	72
	549	0	07	20
	550	0	01	44
	552	0	02	72
	580	0	04	48
	581	0	27	52
	582	0	06	08

1	2	3	4	5
Thamli	6.6	0	14	16
	6.9	0	8	60
	6.7	0	02	88
	6.8	0	44	3
	651	0	37	76
	650	0	87	56

[N. O-14016/531/86-GP]

M. S. SRINIVASAN, Director (NG)

कर्जा संचालय

(कोयला विभाग)

तर्फ बिली, 3 जून, 1986

का.आ. 2341.—केन्द्रीय सरकार ने, कोयला धारक शेत्र (धर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के भूतकूर्च इस्तात, बास और कोयला भंकालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 1675 तारीख 20 प्रैंट, 1985 द्वारा, उस प्रक्रिया का उपायद अनुसूची में विनिर्विल परिक्षेत्र में 1650.00 एकड़ (लगभग) या 667.72 हेक्टर (लगभग) भूमि में कोयले का पूर्वाभान करने के अपने आशय की सूचना दी थी;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि उक्त भूमि में कोयला अधिनियम है;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप धारा (1) धारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, इससे उपायद अनुसूची में अंजित 1650.00 एकड़ (लगभग) या 667.72 हेक्टर (लगभग) माप की भूमि का अर्जन करने के आपले आशय की सूचना देती है;

टिप्पण 1: इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले शेत्र के रेखांक सं. राजस्व/3/86 तारीख 7-1-1986 का निरीक्षण आयुक्त, हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1, काउंसिल हाउस स्ट्रीट, कलकत्ता-1 के कार्यालय में अध्याया संदर्भ कोलाफील्डस लि. (राजस्व अनुभाग) दरवांगा हाउस, रांची, (बिहार) के कार्यालय में किया जा सकता है।

टिप्पण 2: कोयला धारक शेत्र (धर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) की धारा 8 के उपबन्धों की ओर ध्यान धारूण्ड किया जाता है जिसमें निम्नलिखित उपबन्ध हैं:—

“8. (1) किसी ऐसी भूमि में, जिसकी आवास धारा 7 के अधीन अधिसूचना जारी की गई है, हितवद्धु कोई भी अधिक अधिसूचना के जारी किए जाने के तीस दिन के भीतर सम्पूर्ण भूमि या उसके किसी भाग में या उस पर के किसी अधिकारों का अर्जन किए जाने के बारे में ज्ञापति कर सकें।

स्पष्टीकरण—इस धारा के अधीनलिखित किसी अधिक की ओर से यह कहा जाता है कि उस भूमि में कोयला उत्पादन के लिए वह स्वयं अनन्त संक्षिप्त करना चाहिता है और ऐसी संक्षिप्त केन्द्रीय सरकार या किसी गृन्थ व्यवित द्वारा नहीं की जानी चाहिए।

(2) उपधारा (1) के अधीन प्रत्येक आपेक्षण संधार प्राधिकारी को लिखित रूप में किया जायगा और संधार प्राधिकारी आपेक्षण को स्वयं सुने जाने का या विधि व्यवसायी द्वारा सुनाई वा यससे विवर देगा शीर ऐसे सभी आपेक्षणों को सुनने के पश्चात और ऐसी प्रतिरक्षित जाच, अधि कोई ही, करने के पश्चात जो वह आपेक्षण के सभी या तो धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित भूमि के या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में एक रिपोर्ट या ऐसी भूमि के विभिन्न टुकड़ों या ऐसी भूमि में या उस पर के अधिकारों के संबंध में आपेक्षण पर ध्यानी सिफारिशों और उसके छात्रा की गई कार्रवाई के अधिलेख सहित विभिन्न रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को उसके विवरण के लिए देगा।

(3) इन धारा के प्रतीक्षानों के लिए वह अधिक जाएगा जो प्रतिकर में हितवद्धु समझा जाएगा जो प्रतिकर में हित का दावा करने का सुकार होता यदि भूमि या ऐसी भूमि में या उस पर के किसी अधिकारों को इस अधिनियम के अधीन अंजित कर लिया जाता है।

टिप्पण 3: केन्द्रीय सरकार ने, कोयला नियंत्रक, 1 काउंसिल स्ट्रीट, कलकत्ता को उक्त अधिनियम के अधीन संधार प्राधिकारी नियुक्त किया है।

अनुसूची

गिर्धा “क” उत्तरी विस्तार ब्लाक दक्षिणी कण्ठपुरा कोयला शेत्र अंजित की जाने वाली भूमि

संधी अधिकार

क्र. सं.	प्राम. सं.	धारा	थाना	जिला	धेत्र	टिप्पणी
1.	रेलीगारा माडू	34	हजारीबाग	310.00	(भाग)	
2.	मिसरैन	33	"	244.00	(भाग)	मोरक्का
3.	कुरकुटा	35	"	690.00	(भाग)	
4.	गिर्धा	36	"	50.00	(भाग)	
5.	दारी	43	"	190.00	(भाग)	
6.	गरमूला बड़क	157	"	166.00	(भाग)	गांव

कुल धोम: 1650.00 एकड़ (लगभग)
या 667.72 हेक्टर (लगभग)

रेलीगारा धारा में अंजित किए जाने वाले प्लाट सं.

1 से 154, 155 (भाग), 156 से 184, 185 (भाग), 186 (भाग), 193 (भाग), 194 से 197, 198 (भाग), 199 (भाग), 211 (भाग), 212 से 217, 218 (भाग), 219 (भाग), 220 (भाग), 232 (भाग), 233 से 238, 237 (भाग), 257 (भाग), 258, 259 (भाग), 260, 261 (भाग), 264 (भाग), 268 (भाग), 269 (भाग), 270 से 273, 274 (भाग), 275 से 279, 280 (भाग), 281 से 318, 319 (भाग), 321 (भाग), 323 (भाग), 324 (भाग), 325 (भाग), 326 (भाग), 327 (भाग), 328, 329 (भाग), 330, 331, 332 (भाग), 333, 334, 335, 336 (भाग), 337, 338 (भाग), 341 (भाग), 347 (भाग), 348 (भाग), 356 (भाग), 358 (भाग), 376 (भाग), 400 (भाग), 401, 402 (भाग), 407 से 406, 407 (भाग), 408 (भाग), 409 से 417, 418 (भाग), 419 (भाग), 432 (भाग), 433 (भाग), 434 (भाग), 435, 430 (भाग), 437 (भाग), 438 (भाग), 439 (भाग), 440 (भाग), 442 (भाग), 467 (भाग), 468 (भाग), 469, 470, 471 (भाग), 479 (भाग), 481 (भाग), 482 (भाग), 483, 484 (भाग), 485 से 489, 490 (भाग), 516, 517, 519 और 520।
मिसरैन मोरक्का धारा में अंजित किए जाने वाले प्लाट सं.
44 (भाग), 51 (भाग), 52 (भाग), 910 (भाग), 914 (भाग), 915 (भाग), 918 (भाग), 919 (भाग), 920 (भाग), 954 (भाग), 960 (भाग), 961, 962 (भाग), 963 से 975, 976 (भाग), 977 (भाग), 978 (भाग), 979, 980, 981, 982, 983 (भाग), 984 (भाग), 985 से 1032, 1033 (भाग), 1034 से 1038, 1040, 1042, 1043 से 1052, 1056 (भाग), 1057 (भाग), 1058 से 1065, 1066 (भाग), 1069 (भाग), 1075 (भाग), 1078 (भाग) 1079, 1080, 1081 (भाग), 1082 (भाग), 1086 (भाग), 1087 (भाग), 1088

से 1120, 1121 (भाग), 1122 से 1186, 1187 (भाग), 1188 (भाग), 1189 से 1196, 1197 (भाग), 1198 (भाग), 1199 से 1209, 1210 (भाग), 1211 से 1217, 1218 (भाग), 1219 (भाग), 1220, 1222 (भाग), 1223 (भाग), 1224 (भाग), 1226 (भाग), 1228 (भाग), 1233 (भाग) और 1234 (भाग)।

कुरुकुटा ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाट सं. :—

43 (भाग), 45 (भाग), 46 (भाग), 47, 48 (भाग), 49 (भाग), 50 से 53, 54 (भाग), 55 से 68, 69 (भाग), 71 (भाग), 73 (भाग), 74 से 100, 101 (भाग), 106 (भाग), 107 (भाग), 108 (भाग), 109 (भाग), 110 (भाग), 111 (भाग), 112 से 566, 567 (भाग), 568, 569 (भाग), 570 (भाग), 571 (भाग), 573 (भाग), 576 (भाग), 577 से 595, 596 (भाग), 600 (भाग), 601, 602, 603 (भाग), 604, 605, 606 (भाग), 613 (भाग), 618 (भाग), 619, 622 (भाग), 630 (भाग), 631, 646 (भाग), 647 (भाग), 648 से 652, 653 (भाग), 654, 655 (भाग), 657 (भाग), 658 (भाग), 660 (भाग), 662 (भाग), 663 (भाग), 670 (भाग), 708 (भाग), 709 (भाग), 710 (भाग), 715 (भाग), 716 (भाग), 717 (भाग), 718 (भाग), 719 (भाग), 720 (भाग), 721, 722 (भाग), 728 (भाग), 729 (भाग), 730, 731 (भाग), 732 से 749, 753, 754, 755, 756 और 758।

गिरी ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाट सं. :—

1 से 11, 13 से 50, 51 (भाग), 52 से 59, 651 (भाग), 652 (भाग), 653, 654, 655, 656 (भाग), 637 (भाग), 666 (भाग), 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 823 और 824।

दारी ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाट सं. :—

145 (भाग), 956 (भाग), 962 (भाग), 963 (भाग), 964 से 979, 980 (भाग), 981 (भाग), 982 (भाग), 1000 (भाग), 1001 से 1010, 1011 (भाग), 1025, 1026, 1027 (भाग), 1028 से 1030 1031 (भाग), 1032, 1033 (भाग), 1034 से 1049, 1050 (भाग), 1051 से 1060, 1061 (भाग), 1062 (भाग), 1063 (भाग), 1100 (भाग), 1101 (भाग), 1102 (भाग), 1103 (भाग), 1104 (भाग), 1122 (भाग), 1123 (भाग), 1124, 1125, 1126, 1127 (भाग), 1129 (भाग), 1130 से 1186, 1187 (भाग), 1190 (भाग), 1191 से 1343, 1344 (भाग), 1345, 1346, 1347, 1348 (भाग), और 1350 (भाग)।

गरसूला ग्राम में प्रजित किए जाने वाले प्लाट सं. :—

195 (भाग), 229 (भाग), 1346 (भाग), 1347 (भाग), 1391, 1392 (भाग), 1393 (भाग), 1394 (भाग), 1396 से 1412, 1413 (भाग), 1415 (भाग), 1416 (भाग), 1417, 1418 (भाग), 1419 (भाग), 1422 (भाग), 1423 (भाग), 1466 (भाग), 1467 (भाग), 1468, 1469 (भाग), 1470 (भाग), 1475 (भाग), 1476 (भाग), 1527 (भाग), 1541, 1542 (भाग), 1543 से 1710, 1711 (भाग), 1712 (भाग), 1713 (भाग), 1714 से 1724, 1726 (भाग), 1727, 1728 (भाग), 1729 (भाग), 1733 (भाग), 1734 से 1740, 1741 (भाग), 1742 (भाग), 1791 (भाग), 1894 (भाग), 1897, 1898 (भाग), 1902 (भाग), 1903, 1904 (भाग), 1908 (भाग), 1909 (भाग), 1910 (भाग), 1911 (भाग), 1913 (भाग), 1914, 1915 (भाग), 1916 से 1968, 1970 (भाग), 1972 (भाग), 1973 (भाग), 1974 (भाग), 1975 (भाग), 1983 (भाग), 1984 (भाग), 1985 (भाग), 1986 (भाग), 1987 (भाग), 1988 से 2002, 2003 (भाग), 2004, 2005 (भाग), 2006 (भाग), 2007 (भाग), 2008 (भाग), 2010 (भाग), 2011 (भाग), 2013 (भाग), 2014, 2015, 2016 (भाग), 2017 से 2348, 2347 (भाग), 2348 (भाग), 2349 (भाग), 2350 (भाग), 2351 (भाग), 2352 (भाग), 2353 (भाग), 2727, 2730, और 2734।

सीमा बर्णन :—

क—ब रेखा, गरसूला ग्राम में प्लाट सं. 1348, 1347, 2351, 1394, 1393, 1392, 2351, 2352, 2353, 1894, 2350, 2349, 2348, और 2347 से होकर जाती है और बिन्दु "ब" पर मिलती है।

क—ग रेखा, कुरुकुटा ग्राम में प्लाट सं. 622, 618, 613, 596, 600, 603, 606, 578, 573, 571, 570, 569, 567, 709, 708, 670, 710, 716, 717, 715, 718, 663, 662, 660, 658, 657, 653, 655, 646, 647 और 646 से होकर जाती है और बिन्दु "ग" पर मिलती है।

ग—ध रेखा, कुरुकुटा ग्राम से दामोदर नदी के बाएं किनारे के भाग के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ध" पर मिलती है।

ध—इ रेखा, कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन प्रजित गिरी रेल साइंडिंग सीमा के साथ साथ कुरुकुटा ग्राम में प्लाट सं. 630, 719, 720, 722, 731, 729, और 728 से होकर जाती है फिर प्लाट सं. 658, 522, 523, 524 और 634 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर प्लाट सं. 51 से होकर जाती है जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन प्रजित गिरी "क" की सम्मिलित सीमा बनाती है फिर प्लाट सं. 673, 987, 619, 686, 684, 685 की उत्तरी सीमा से, फिर गिरी ग्राम में प्लाट सं. 52, 651, 652, 656, 657 और 666 से होकर जाती है (जो रेल साइंडिंग के लिए भूमि पर्यावरण अधिनियम के अधीन प्रजित भूमि के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "इ" पर मिलती है।

इ—य—छ रेखा, रेलीगारा ग्राम में प्लाट सं. 324, 329, 324, 419, 418, 432, 433, 434, 436, 442, 437, 438, 439, 440, 376, 467, 468, 471, 484, 479, 481, 482 और 490 से होकर जाती है, फिर दारी ग्राम में प्लाट सं. 1350, 1348, और 1350 से होकर जाती है (जो दारी "ग" के लिए और गिरी "ग" कोलियरी की पूर्ति के लिए प्रजित रेल साइंडिंग के लिए कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन प्रजित भूमि से मिलकर सम्मिलित सीमा बनाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है।

छ—य रेखा, दारी ग्राम में प्लाट सं. 1350, 1344 और 956 से होकर जाती है (जो कोयला अधिनियम की धारा 9(1) के अधीन प्रजित नडियाटोली अकाक की सम्मिलित सीमा बनाती है) और बिन्दु "य" पर मिलती है।

ज—झ रेखा, दारी ग्राम में प्लाट सं. 956, 963, 962, 980, 981, 982, 1000 से होकर, प्लाट सं. 1001, 1009, 1010 की पूर्वी सीमा से जाती है, फिर प्लाट सं. 1011, 1033, 1031, 1027, 1063, 1062, 1061 और 1050 से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ— रेखा, सङ्क की उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है, फिर दारी ग्राम में प्लाट सं. 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1129 से होकर, प्लाट सं. 128 की दक्षिणी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 1127, 1122, 1123, 1187, 1190 और 145 से होकर जाती है और बिन्दु "झ" पर मिलती है।

झ—ट रेखा, दारी और मिसरेनमोरहा ग्रामों की सम्मिलित सीमा के भाग के साथ-साथ और रेलीगारा और मिसरेनमोरहा की सीमा के भाग से जाती है और बिन्दु "ट" पर मिलती है।

८—८—८ रेखा, रेलीगारा ग्राम में प्लाट सं. 490, 375, 402, 400, 407, 408, 358, 356, 336, 338, 341, 332, 323, 327, 324, 325, 324, 325, 324, 321, 319, 347, 269, 348, 268, 264, 274, 259, 261, 218, 211, 198, 199, 198, 193, 188 और 185 से होकर जाती है, मिसरेनमोरहा ग्राम में प्लाट सं. 1187, 1188, 1198, 1222, 1223, 1210, 1223, 1229, 1233, 1234, 1210, 910, 915, 914, 918, 919, 920, 984, 983, 978, 977, 976 से होकर, प्लाट सं. 955, 1010, 1006 की पूर्वी सीमा के साथ जाती है और विष्यु "इ" पर मिलती है।

८—९ रेखा, मिसरेनमोरहा ग्राम में प्लाट सं. 954, 962, 960, 1033, 1057, से होकर प्लाट सं. 1040 की उत्तरी सीमा के साथ-साथ प्लाट सं. 1041 की विलिणी सीमा प्लाट सं. 1042 से होकर, प्लाट सं. 1050, 1051, 1052 की उत्तरी सीमा के साथ साथ प्लाट सं. 1066, 1069, 1121, 1078, 1075, 1082, 1081, 1086 1066 और 1087 से होकर जाती है, फिर चूरकुटा ग्राम में प्लाट सं. 73, 69, 71, 54, 49, 48, 46, 45, 43, 101, 111, 106, 107, 108, 109 और 110 से होकर, फिर गरमूला ग्राम में प्लाट सं. 229, 1913, 1911, 1910, 1909, 1908 1915, 240, 1904, 1902, 1898, 1894, 1970, 1972, 1975, 1974, 1973, 1987, 1986, 1985, 1984 1983, 1791, 2003, 2005, 2006, 2007, 2008, 2016, 2010, 2011, 2013, 1742, 1741, 1713, 1712, 1542, 1476, 1475, 1470, 1469, 1467, 1466, 1413, 1415, 1419, 1418, 1422, 1423, 1422 और 1347 से होकर जाती है और भारंपिक विष्यु "क" पर मिलती है।

सं. 43019 /31 /84 सी ए.]
ममता सिंह, भवर सचिव,

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O.2341.—Whereas by the notification of the Government of India in the late Ministry of Steel, Mines and Coal (Department of Coal) No. S.O. 1675 dated the 20th April, 1985, issued under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in 1650.00 acres (approximately) or 667.72 hectares (approximately) of the lands in the locality specified in the Schedule appended to that notification;

And whereas the Central Government is satisfied that coal is obtainable of the said lands;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby gives notice of its intention to acquire the lands measuring 1650.00 acres (approximately) or 667.72 hectares (approximately) described in the schedule appended hereto;

351GI/86—3

Note 1 :—The plan No. Rev/3/86 dated 7-1-86 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Deputy Commissioner, Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-1 or in the Office of the Central Coalfields Ltd. (Revenue Section), Darbhanga House, Ranchi (Bihar).

Note 2 :—Attention is hereby invited to the provisions of section 8 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), which provides as follows:

"8.(1) Any person interested in any land in respect of which a notification under section 7 has been issued may, within thirty days of the issue of the notification, object to the acquisition of the whole or any part of the land or of any rights in or over such land.

Explanation:—It shall not be an objection within the meaning of this section for any person to say that he himself desires to undertake mining operation in the land for the production of coal and that such operations should not be undertaken by the Central Government or by any other person.

(2) Every objection under sub-section (1) shall be made to the competent authority in writing, and the competent authority shall give the objector an opportunity of being heard either in person or by a legal practitioner and shall, after hearing all such objections and after making such further inquiry, if any, as he thinks necessary, either make a report in respect of the land which has been notified under sub-section (1) of section 7 or of rights in or over such land, or make different report in respect of different parcels of such land or of rights in or over such land, to the Central Government, containing his recommendations on the objections, together with the record of the proceedings held by him, for the decision of that Government.

(3) For the purposes of this section, a person shall be deemed to be interested in land who would be entitled to claim an interest in compensation if the land or any rights in or over such land were acquired under this Act".

Note 3 :—The Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta, has been appointed by the Central Government as the competent authority under the Act.

SCHEDULE E
GIDI 'A' NORTH EXTN. BLOCK
SOUTH KARANPURA COALFIELDS

Lands to be acquired**All Rights**

Serial number	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
1. Religara		Madhu	34	Hazaribagh	310.00	(Part)
2. Misrain Morha		"	33	"	244.00	(Part)
3. Kurkutta		"	35	"	690.00	(Part)
4. Gidi		"	36	"	50.00	(Part)
5. Dari		"	43	"	190.00	(Part)
6. Garsula		Barkagaon	157	"	166.00	(Part)

Total Area :—1650.00 acres (approx.)
or 667.72 hectares (.)

Plot numbers to be acquired in village Religara:—

1 to 154, 155 (Part), 156 to 184, 185 (Part), 186 (Part), 193 (Part), 194 to 197, 198 (Part), 199 (Part), 211 (Part), 212 to 217, 218 (Part), 219 (Part), 220 (Part) 232 (Part), 233 to 236, 237 (Part), 257 (Part), 258, 259 (Part), 260, 261 (Part), 264 (Part), 268 (Part), 269 (Part), 270 to 273, 274 (Part), 275 to 279, 280 (Part), 281 to 318, 319 (Part), 321 (Part), 323 (P), 324 (Part), 325 (Part), 326 (Part), 327 (Part), 328, 329 (Part), 330, 331, 332 (Part), 333, 334, 335, 336 (Part), 337, 338 (Part), 341 (Part), 347 (Part), 348 (Part), 356 (Part), 358 (Part), 376 (Part), 400 (Part), 401, 402 (Part), 403 to 406, 407 (Part), 408 (Part), 409 to 417, 418 (Part), 417 (Part), 432 (Part), 433 (Part), 434 (Part), 435, 436 (Part), 437 (Part), 438 (Part), 439 (Part), 440 (Part), 442 (Part), 467 (Part), 468 (Part), 469, 470, 471 (Part), 479 (Part), 481 (Part), 482 (Part), 483, 484 (Part), 485 to 489, 490 (Part), 516, 517, 519 and 520.

Plot numbers to be acquired in village Misrain Morha:—

44 (Part), 51 (Part), 52 (Part), 910 (Part), 914 (Part), 915 (P), 918 (Part), 919 (Part), 920 (Part) 954 (Part), 960 (Part), 961, 962 (Part), 963 to 975, 976 (Part), 977 (Part), 978 (Part), 979, 980, 981, 982, 983 (Part), 984 (Part), 985 to 1032, 1033 (Part), 1034 to 1038, 1040, 1042, 1043 to 1052, 1056 (Part), 1057 (P), 1058 to 1065, 1066 (Part), 1069 (Part), 1075 (Part), 1078 (Part), 1079, 1080, 1081 (Part), 1082 (Part), 1086 (Part), 1087 (Part), 1088 to 1120, 1121 (Part), 1122 to 1186, 1187 (Part), 1188 (P), 1189 to 1196, 1197 (Part), 1198 (Part), 1199 to 1209, 1210 (P), 1211 to 1217, 1218 (Part), 1219 (Part), 1220, 1222 (Part), 1223 (Part), 1224 (Part), 1226 (Part), 1229 (Part), 1233 (Part) and 1234 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Kurkutta :—

43 (Parts), 45 (Part), 46 (Part), 47, 48 (Part), 49 (Part), 50 to 53, 54 (Part), 55 to 68, 69 (Part), 71 (Part), 73 (Part), 74 to 100, 101 (Part), 106 (Part), 107 (Part), 108 (Part), 109 (Part), 110 (Part), 111 (Part), 112 to 566, 567 (Part), 568, 569 (Part), 570 (Part), 571 (Part), 573 (Part), 576 (Part), 577 to 595, 596 (Part), 600 (Part), 601, 602, 603 (Part), 604, 605, 606 (Part), 613 (Part), 618 (Part), 619, 622 (Part), 630 (Part), 631, 646 (P), 647 (Part), 648 to 652, 653 (Part), 654, 655 (Part), 657 (Part), 658 (Part), 661 (Part), 662 (Part), 663 (Part), 679 (Part), 708 (P), 709 (Part), 710 (Part), 715 (Part), 716 (Part), 717 (Part), 718 (P), 719 (Part), 720 (Part), 721, 722 (Part), 728 (Part), 729 (Part), 730, 731 (Part), 732 to 749, 753, 754, 755, 756 and 758.

Plot numbers to be acquired in village Gidi:—

1 to 11, 13 to 50, 51 (Part), 52 to 59, 651 (Part), 652 (Part), 653, 654, 655, 656, (Part), 657 (Part), 666 (Part), 705, 706, 707, 708, 709, 710, 711, 712, 713, 823 and 824.

Plot numbers to be acquired in village Dari :—

145 (Part), 956 (Part), 952 (Part), 953 (Part), 964 to 979, 980 (Part), 981 (Part), 982 (Part), 1000 (Part), 1001 to 1010, 1011 (Part), 1025, 1026, 1027 (Part), 1028 to 1030, 1031 (Part), 1032, 1033 (Part), 1034 to 1049, 1050 (Part), 1051 to 1060, 1061 (Part), 1062 (Part), 1063 (Part), 1100 (Part), 1101 (Part), 1102 (Part), 1103 (Part), 1104 (Part), 1122 (Part), 1123 (Part), 1124, 1125, 1126, 1127 (Part), 1129 (Part), 1130 to 1186, 1187 (Part), 1190 (Part), 1191 to 1343, 1344 (Part), 1345, 1346, 1347, 1348 (Part), and 1350 (Part).

Plot numbers to be acquired in village Garsula:—

195 (Part), 229 (Part), 1346 (Part), 1347 (Part)

1391, 1392 (Part), 1393 (Part), 1394 (Part), 1396 to 1412, 1413 (Part), 1415 (Part), 1416, 1417, 1418 (Part), 1419 (Part), 1422 (Part), 1423 (Part), 1466 (Part), 1467 (Part), 1468, 1469 (Part), 1470 (Part), 1475 (Part), 1476 (Part), 1527 (Part), 1541, 1542 (Part), 1543 to 1710, 1711 (Part), 1712 (Part), 1713 (Part), 1714 to 1724, 1726 (Part), 1727, 1728 (Part), 1729 (Part), 1733 (Part), 1734 to 1740, 1741 (Part), 1742 (Part), 1791 (Part), 1894 (Part), 1897, 1898 (Part), 1902 (Part), 1903, 1904 (Part), 1908 (Part), 1909 (Part), 1910 (Part), 1911 (Part), 1913 (Part), 1914, 1915 (P), 1916 to 1968, 1970 (Part), 1972 (Part), 1973 (Part), 1974 (Part), 1975 (Part), 1983 (Part), 1984 (Part), 1985 (Part), 1986 (Part), 1987 (Part), 1988 to 2002, 2003 (Part), 2004, 2005 (Part), 2006 (Part), 2007 (Part), 2008 (Part), 2010 (Part), 2011 (Part), 2013 (Part), 2014, 2015, 2016 (Part), 2017 to 2346, 2347 (Part), 2348 (Part), 2349 (Part), 2350 (Part), 2351 (Part), 2352 (Part), 2358 (Part), 2727, 2730 and 2734.

Boundary description :-

A-B line passes through plot numbers :—1346, 1347, 2351, 1394, 1393, 1392, 2351, 2352, 2353, 1894, 2350, 2349, 2348 and 2347 in village Garsula and meet at point 'B'.

B-B'C lines pass through plot numbers :— 622, 618, 613, 596, 600, 603, 606, 576, 573, 571, 570, 569, 567, 709, 708, 670, 710, 716, 717, 715, 718, 663, 662, 660, 658, 657, 653, 655, 646, 647 and 646 in village Kurkutta and meets at point 'C'.

C-D line passes along part left bank of River Damodar in village Kurkutta and meets at point 'D'.

D-E line passes through plot numbers :— 630, 719, 720, 727, 731, 729, and 728 in village Kurkutta along Gidi Railway Siding boundary acquired U/s 9(1) of Coal Act then passes along the Northern boundary of plot numbers 658, 522, 523, 524 and 634 then through plot numbers 51 which form common boundary of Gidi 'A' acquired U/s 9(1) of Coal Act then northern boundary of plot numbers 673, 987, 619, 686, 684, 685, through plot numbers 52, 651, 652, 656, 657 and 666 in village Gidi (which forms common boundary with the area acquired under L.A. Act for Rly. Siding) and meets at point 'E'.

E-F-G lines pass through plot numbers:— 324, 329, 324, 419, 418, 432, 433, 434, 436, 442, 437, 439, 440, 376, 467, 468, 471, 484, 479, 481, 482 and 490 in village Religara,

G-H then through plot numbers 1350, 1348 and 1350 in village Dari (which forms common boundary with the area acquired for Dari 'C' and for Railway siding to serve Gidi 'C' Colliery U/s 9(1) of the Coal Act) and meets at point 'G'.

H-I line passes through plot numbers:—1350, 1344 and 956 in village Dari (which forms common boundary of Nandiatoli Block acquired U/s 7(1) of the Coal Act) and meets at point 'H'.

I-J line passes through plot numbers:—956, 963, 962, 980, 981, 982, 1000, eastern boundary of plot numbers 1001, 1009, 1010, through plot numbers 1011, 1033, 1031, 1027, 1063, 1062, 1061, and 1050 in village Dari and meets at point 'I'.

J-K line passes along northern boundary of Road then through plot numbers 1100, 1101, 1102, 1103, 1104, 1129, along Southern boundary of plot number 1128, through plot numbers 1127, 1122, 1123, 1187, 1190 and 145 in village Dari and meets at point 'J'.

K-L-M line passes along part common boundary of villages Dari and Misrain Morha and part boundary of Religara and Misrain Morha and meets at point 'K'.

M-A lines pass through plot numbers:—490, 376, 402, 400, 407, 408, 358, 356, 338, 341, 332, 323, 327, 324, 326, 324, 325, 324, 321, 319, 347, 269, 348, 268, 264, 275, 259, 261, 257, 280, 237, 232, 155, 220, 219, 218, 211, 198, 199, 198, 193, 186 and 185 in village Religara, through plot numbers 1187, 1188, 1198, 1222, 1223, 1210, 1223, 1229, 1233, 1234, 1210, 910, 915, 914, 918, 919, 920, 984, 983, 978, 977, 976 along the eastern boundary of plot numbers 955, 1010, 1006, in village Misrain Morha and meets at point 'M'.

line passes through plot numbers 954, 962, 960, 1033, 1057, along northern boundary of plot number 1040, Southern boundary of plot number 1041, Northern plot number 1042, along northern boundary of plot numbers 1050, 1051, 1052, through plot numbers 1066, 1069, 1121, 1078, 1075, 1082, 1081, 1086, 1066 and 1087 in village Misrain Morha, then through plot numbers— 73, 69, 71, 54, 49, 48, 46, 45, 43, 101, 111, 106, 107, 108, 109 and 110 in village Kurkutta, then through plot numbers 229, 1913, 1911, 1910, 1909

1908, 1915, 240, 1904, 1902, 1898, 1894,
1970, 1972, 1975, 1974, 1973, 1987, 1986,
1985, 1984, 1983, 1791, 2003, 2005, 2006,
2007, 2008, 2016, 2010, 2011, 2013, 1742,
1741, 1733, 1729, 1728, 1726, 1527, 1711,
1713, 1712, 1542, 1476, 1475, 1470, 1469,

1467, 1466, 1413, 1415, 1419, 1418, 1422,
1413, 1422 and 1347 in village Garsula and
meets at starting point 'A'.

[No. 43019/31/84CA]
SAMAY SINGH, Under Secy.

साद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय
(नागरिक पूर्ति विभाग)
भारतीय मानक संस्था
नई विल्सन, 20 मई, 1986

का० घा० 2342.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) नियम एवं विभिन्न 1955 के नियम 14 के अधिनियम 4 के अन्तर्गत अधिसूचित किया गया है कि समय समय पर संशोधित नीचे अनुसूची में जो साईंसिस्टारी है उसके साईंसिस्ट रद्द हो गये हैं यथा कानून 6 के अनुसार उनका नियम संशोधित किया गया है।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाईसेंस संख्या	साईंसिस्टारी का नाम और पता	प्राई एस संख्या	राजपत्रित अधिसूचना को एस ओ, संक्षिप्त और	टिप्पणी
				तिथि, जिसमें साईंसिस्ट की मंजूरी छपी थी	

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

गतावधि लाईसेंस

1. सीएम/एल-0005010 1958-01-20	ईस्ट ईडिया प्लाईव्हुड कं लिमिटेड, कोयल विहार डाकघर एवं जिला कुच विहार (पं बंगाल)	IS:10(भाग2)-1976 एस ओ 13 दिनांक 1958-02-15	नवीकरण 1980-01-31 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
2. सीएम/एल-0010003 1958-09-18	व मेन्ट्रल ट्रेडिंग कं प्रा० लि० कलकत्ता-700028	IS:10(भाग2)-1976 एस ओ 2003 दिनांक 1958-10-04	1980-12-31 के बाद गतावधि है
3. सीएम/एल-0150019 1976-08-25	सेन्ट्रल इंसेप्टिसाइंस एण्ड कंटिलाइजरी पंदीर (म. प.)	IS:1303-1974 1976-09-23	एस ओ 3338 दिनांक 1981-08-31 के बाद गतावधि है
4. सीएम/एल-09190536 1969-01-29	कांसूल मशीनरी हावड़ा	IS:3565-1975 1969-02-22	नवीकरण 1980-08-31 के बाद गतावधि है और साईंसिस्ट उसी तिथि से गतावधि है।
5.] सोएम/एल-0199352 1969-06-24	जमूरी रोजिना एण्ड ट्रायेंटाइज फैक्टरी डाकघर मोरमसाहिब जमूरी (ज. और क.)	IS:553-1969 1969-07-26	नवीकरण 1979-04-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
6. सीएम/एल-0205321 1969-08-20	"	IS:533-1973 1969-09-27	नवीकरण 1978-04-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
7. सोएम/एल-0259849 1971-03-17	जड़ोसा प्लास्टिक्स, डाकघर बालासोर उडीसा)	IS:3076-1968 1971-06-19	एस ओ 2405 दिनांक 1981-07-31 को गतावधि
8. सोएम/एल-0262535 1971-03-29	जे एण्ड वी सा मिल्स कोट्टायाम- 686016 (केरल)	IS:10(भाग3)-1974 1971-06-19	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
9. सीएम/एल-0272740 1971-08-04	टेलोवर्ड्याल (सेल्स प्रा लिमिटेड) एम्बर 400010	IS:562-1978 1971-11-06	नवीकरण 1981-06-15 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
10. सोएम/एल-0276344 1971-09-13	जोसो स्टील इंडस्ट्रीजे प्रा. लि. पूना प्रा लि. पूना	IS:1977-1975 1972-09-02	एस ओ 2404 दिनांक नवोकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
11. सोएम/एल-0277548 1971-02-17	रोनाल्ड इंजीनियर्स कलकत्ता	IS:3564-1975 1972-09-02	एस ओ 2405 दिनांक नवोकरण 1980-09-30 के बाद स्थगित हो गया और लाईसेंस उसी तिथि से गतावधि है।

1	2	3	4	5	6
12.	सीएम/एल-0276954 1971-10-26	सेवपुर आयरन एण्ड स्टील बर्स, कलाकरता -700001	IS:10(भाग 4) 1976 एस श्रो 1625 दिनांक 1972-07-08	नवीकरण 1981-04-16 को स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
13.	सीएम/एल-0299356 1972-03-28	विकटरा मेटल बर्स कालीकट- 673004(केरल)	IS:10(भाग 4) 1976 एस श्रो 857 दिनांक 1973-03-24	नवोकरण 1981-03-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि गतावधि है।	
14.	सीएम/एस-0307026 1972-05-31	देवोदयाल (सल्स) प्रा.लि. बम्बई- 400010	IS:561-1978 एस श्रो 3308 दिनांक 1972-10-21	1981-06-15 के बाद गतावधि	
15.	सीएम/एल-0319740 1972-10-27	मदारीहाट बीनियर इंडस्ट्रीज, झाक्षर मदारीहाट, जिला जलपाईगढ़ी (ग्राम)	IS:10(भाग 2)-1976 एस श्रो 846 दिनांक 1974-03-30	नवोकरण 1979-11-30 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
16.	सीएम/एल-0331528 1973-03-31	एशो कैमिकल्स (इंडिया) पटियाला- 147001(पंजाब)	IS:2576-1978 एस श्रो 1798 दिनांक 1974-07-20	1981-07-15 के बाद गतावधि है।	
17.	सीएम/एस-0349951 1973-07-31	एम्सको जनरल्स्प्लारिटिक इंडस्ट्रीज प्रा. नि. कलाकरता-700002	IS:2548-1967 एस श्रो 1233 दिनांक 1981-07-31 के बाद गतावधि है		
18.	सीएम/एल-0352334 1973-08-23	इम्पीग्रियल स्टोर्स एवं एजेन्सी क. 24-परगना (पो. बी.)	IS:10(भाग 2)-1976 एस श्रो 1388 दिनांक 1975-05-03	नवोकरण 1980-08-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
19.	सीएम/एल-0352435 1973-08-23	ऐमीदयाल (सेल्स) प्रा. लि. बम्बई- 400010	IS:565-1975 एस श्रो 1388 दिनांक 1981-06-15 के बाद गतावधि		
20.	सीएम/एल-0368153 1974-02-15	कर्नाटक कैमिकल्स इंडस्ट्रीज कपों. बंगलोर-562140	IS:261-1966 एस श्रो 459 दिनांक 1981-07-15 के बाद गतावधि		
21.	सीएम/एल-0412629 1975-01-10	देवीदयाल (सेल्स) प्रा.लि. बम्बई-400010	IS:7121-1973 ए.श्रो 2465 दिनांक 1981-06-15 के बाद गतावधि		
22.	सीएम/एस-0422240 1975-02-21	इंडियन स्टील रोलिंग मिल्स विलनिकूर, चिंगलपुर जिला	IS:432 (भाग 2) 1966 एस श्रो 2473 दिनांक 1976-07-10	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
23.	सीएम/एल-0433233 1975-04-21	जैन सीप्पम एण्ड इंडस्ट्रीज प्रा.लि. कलाकरता-202010 (उ.प्र.)	IS:2596-1964 एस श्रो 3350 दिनांक 1978-09-01 के गतावधि।		
24.	सीएम/एल-0442436 1975-06-13	स्टील (इंडिया) प्रा. लि. शौरगांवपाट-431001	IS:1785 (भाग 2) 1967 एस श्रो 3073 दिनांक 1975-09-13	नवीकरण 1980-06-30 के बाद स्थगित हो गया और लाइसेंस अब उसी तिथि से गतावधि है।	
25.	सीएम/एल-0469052 1975-09-29	प्रासम दिन मैन्यु क. प्रा.लि. गोहाटी (आसम)	IS:10(भाग 4)- 1976 एस श्रो 832 दिनांक 1977-03-19	नवीकरण 1980-10-15 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
26.	सीएम/एल-0472849 1975-10-15	महाबीर स्टील रोलिंग मिल्स, विल्सी-110032	IS:7452-1974 एस श्रो 1148 दिनांक 1977-04-16	नवीकरण 1981-04-30 के बाद स्थगित हो गया और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।	
27.	सीएम/एस-0477556 1975-10-31	कोसन मेटल प्राइवेट प्रा.लि. बम्बई- 400074	IS:3224-1971 एस श्रो 1148 दिनांक 1977-04-16	1981-06-15 के बाद गतावधि	
28.	सीएम/एस-0482650 1975-11-14	महाग्राम सीनिटरी फिल्म्स (प्रा.) लि. जालंधर-144102	IS:2612 1978 एस श्रो 1147 दिनांक 1977-04-16	1981-06-30 के गतावधि	
29.	सीएम/एल-0519849 1976-05-10	दीराला शूगर बम्बई डिस्ट्रिलरी, दीराला जिला मेरठ (उ.प्र.) दीराला	IS:4449-1976 एस श्रो 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	
30.	सीएम/एस-0519950 1976-05-10	"	IS:4100-1967 एस श्रो 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	
31.	सीएम/एल-0520026 1976-05-10	"	IS:4450-1967 एस श्रो 954 दिनांक 1979-03-17	1981-07-15 के बाद गतावधि	

1	2	3	4	5	6
32.	सीएम/एल-0520127 1976-05-10	ठोरल स गृह बड़े बिरटीलरी दौराना जिला भेरण (उम्प्र०)। ठोराला	IS: 3811-1976	एसओ 954 दिनांक 1979-03-17	1980-07-13 को गतावधि
33.	सीएम/एल-0533438 1976-07-06	एथो प्लास्टिक इंडस्ट्रीज बम्बई— 400063	IS: 3906 (भाग 1)— 1974	एस ओ 1226 दिनांक नवीकरण 1980-07-13 को साइमेंस स्पगित हो गया और अब उसी तिथि से गतावधि है।	
34.	सीएम/एल-0540133 1976-08-03	थोरियंट स्टील एड हार्डस्ट्रील लिमिटेड, जिला—हुगोसी (प.व.)	IS: 1977-1975	एस ओ 3648 दिनांक 1979-10-20	1981-07-31 के बाद गतावधि है।
35.	सीएम/एल—0562557 1976-11-30	विल्सी स्टील रोलिंग मिल्स दिल्ली— 110032	IS: 226-1976	एस ओ 3761 दिनांक नवीकरण 1980-11-30 के बाद 1978-11-17 स्पगित हो गया और अब उसी तिथि से गतावधि है।	
36.	सीएम/एल-0567656 1976-11-30	"	IS: 1977-1975	एस ओ 3761 दिनांक 1979-11-17	नवीकरण 1980-11-30 के बाद स्पगित हो गया और अब साइमेंस उसी तिथि से गतावधि है।
37.	सीएम/एल-0577257 1977-01-07	हिंदू रमेश बवसं कलकत्ता—700015 (पश्चिम) बंगाल	IS: 2415-1969	एस ओ 420 दिनांक 1982-02-23	नवीकरण 1981-01-15 के बाद साइमेंस स्पगित हो गया और अब उसी तिथि से गतावधि है।
38.	सीएम/एल-0592960 1977-02-28	पाम एस पी प्राइवेट लिमिटेड बम्बई-400060	IS: 1307-1973	एस ओ 731 दिनांक 1980-03-22	1980-12-15 को गतावधि
39.	सीएम/एल-0598164 1977-03-22	कल्पकला एमिनेन्सी अंग्रेज-711308 (इ.पु. रेजिस्ट्रे) शाकधर चाकाली जिला हावड़ा (पश्चिमी बंगाल)	IS: 7406-1974	एस ओ 787 दिनांक 1980-03-29	नवीकरण 1980-04-15 के बाद स्पगित हो गया और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।
40.	सीएम/एल-0615643 1977-06-10	विल्सी बाल एज्ञ बेट्ल बवसं नई दिल्ली 110005	IS: 1660 (भाग 1) 1967	एस ओ 284 दिनांक 1981-02-24	नवीकरण 1980-12-31 के बाद स्पगित हो गया और साइमेंस उसी तिथि से गतावधि है।
41.	सीएम/एल-0617647 1977-06-16	इ. सार्टिफिकल इंसेनिटिवाइट्स कं. (बो. इ. सार्टिफिकल फार्टिवाइचर्स कं. पा. लि. रिफिलरपल्ली 620007	IS: 361-1978	एस ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-06-15 को गतावधि
42.	सीएम/एल-0631540 1977-07-30	गोपाल हाला इंडस्ट्रीज कोपम्बद्दू-641009	IS: 325-1978	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-15 से गतावधि है।
43.	सीएम/एल-0637148 1977-08-24	बेट्ल भोलिंग कं. बम्बई-400078	IS: 1660 (भाग 1) —1967 IS: 1660 (भाग 2) 1872	एस ओ 755 दिनांक 1981-03-07	नवीकरण 1979-08-15 के बाद स्पगित प्रौद्योगिकी लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
44.	सीएम/एल-0661852 1977-12-30	मूनिकर्सेंस बटो-केमिकल्स लिमिटेड, युनिट सं. 2, हावड़ा	IS: 1115-1973	एस ओ 1222 1981-04-08	नवीकरण 1978-12-31 के बाद स्पगित प्रौद्योगिकी लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
45.	सीएम/एल-0662147 1977-12-30	एशियन इंडस्ट्रियल कारपोरेशन कलकत्ता-700 068	IS: 507-1970	एस ओ 1222 दिनांक 1981-04-08	नवीकरण 1980-12-31 के बाद स्पगित अब साइमेंस उसी तिथि से गतावधि है।
46.	सीएम/एल-0663452 1978-01-05		IS: 1115-1975	एसओ 1615 दिनांक 1981-05-30	नवीकरण 1981-01-15 के बाद स्पगित हो गया और अब साइमेंस उसी तिथि से गतावधि है।
47.	सीएम/एल-0664484 1978-01-06	विजयसरी रिंग ट्रॉबेलर्स मैन्यु. क. प्रा. लिमिटेड कोपम्बद्दू-641081	IS: 3523-1974	ए.उओ 1615 दिनांक नवीकरण 1981-01-15 के बाद दिनांक 1981-05-30	स्पगित हो गया और प्रौद्योगिकी लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।
48.	सीएम/एल-0671552 1978-01-27	एस एस पी प्राइवेट लिमिटेड बम्बई-400 060	IS: 632-1978	एसओ 1615 दिनांक 1981-05-30	1980-12-15 को गतावधि
49.	सीएम/एल-0676360 1978-02-14	कन्ट्रिक्ट स्टेट को. प्रारंभिक मार्केटिंग फैब्रिकेशन लि. बंगलोर-560022 (कन्ट्रिक्ट)	IS: 2567-1978	एसओ 1681 दिनांक नवीकरण 1981-02-15 के बाद 1981-06-06	स्पगित हो गया और अब साइमेंस उसी तिथि से गतावधि है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
50. सीएम/एल-0687365 1978-03-20	इंडिया हंडीनियरिंग इंडस्ट्रीज कोटप्पाड्डर-641009 (ग.मा.)	IS : 325-1978	एम श्री 1864 1981-06-06	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वयंत द्वारा गया और लाइसेंस अव उसी तिथि से गतावधि है।	
51. सीएम/एल-0690152 1978-03-27	किला ब्राम, मध्याम-600057	IS : 1786-1979	एम श्री 1664 1981-06-06	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वयंत हो गया और लाइसेंस अव उसी तिथि से गतावधि है।	
52. सीएम/एल-0695970 1978-03-31	एस एम पी प्रा.लि. बम्बई-151001	IS : 6281-1969	एम श्री 1664 1981-06-06	नवीकरण 1981-03-31 के बाद स्वार्गित हो गया और प्रब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
53. सीएम/एल-0703438 1978-05-31	प्रणोक्ता टिन बनस्से [मटिडा-151001] IS: 916-1975		एम श्री 2003 1981-07-06	1981-06-15 को गतावधि है।	
54. ¹ सीएम/एल-0711740 1978-07-19	पिरामल घर्गंगिक कैमिकल (उर्बी इंडस्ट्रीज, का विसाग) बाना-400601 (महाराष्ट्र)	IS : 1488-1969	एम श्री 2176 1981-08-15	1981-07-31 को गतावधि	
55. सीएम/एल-0712641 1978-07-21	पाल पेंट मार्ट (रज.) नई दिल्ली	IS : 419-1967	एम श्री 2176 1981-08-15	1981-04-15 को गतावधि	
56. सीएम/एस-0721339 1978-09-13	ग्राहव इंडस्ट्रियल कार्पोरे. जमशुर-302001 (राज.)	IS : 220-1972	एम श्री 2215 दिनांक 1981-08-22	नवीकरण 1979-09-15 के बाद लाइसेंस स्वयंत हो गया और उसी तिथि से गतावधि है।	
57. सीएम/एल-0723343 1978-09-21	मुमीम मेटल बनस्स विल्सी-110006	IS 1660(भाग 1) 1967 IS : 1660(भाग 2) 1972 IS : 1660(भाग 3) 1972 IS : 1660(भाग 4) 1977	एम श्री 2215 दिनांक 1981-08-22	नवीकरण 1980-09-15 के बाद स्वयंत हो गया और उसी तिथि से गतावधि है।	
58. सीएम/एल-0747559 1978-01-12	ईस्टर्न कैमिकल इंडस्ट्रीज डी कॉर्प मध्यम याम-743275 जिला 24 परामा (प.ब.)	IS : 565-1975	एम श्री 2277 दिनांक 1981-09-29	नवीकरण 1990-01-15 के बाद लाइसेंस स्वयंत हो गया और उसी तिथि से गतावधि है।	
59. सीएम/एल-0753350 1979-02-09	साउदरन इंसेक्टीसाइट्रम एवं फिटिनाइजर्स, IS: 563-1975 मध्यम-800098		एम श्री 2310 दिनांक 1981-09-05	नवीकरण 1980-02-15 के बाद स्वयंत हो गया और अब लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
60. सीएम/एल-0754152 1979-02-16	गिलुराम गोरीश कर जिला भंडार पराना (विहार)	IS : 398 (भाग 1) 1976 IS : 398(भाग 2) 1976	एम श्री 2310 1981-09-06	नवीकरण 1980-02-15 को स्वयं वीर अव लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
61. सीएम/एल-0755558 1979-02-24	इंटर फार्मस्युटिलिटी (इंडिया) प्रा.वि. पट्टना (विहार)	IS : 1081-1975	एम श्री 2310 1981-09-05	नवीकरण 1981-02-23 को स्वयं श्री अव लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
62. सीएम/एल-0759364 1979-03-05	जय इंस्ट्रीज मंडी गोरिहन्दा जिला पटियाला)	IS : 1977-1975	एम श्री 2585 दिनांक 1981-10-03	नवीकरण 1981-06-15 को स्वयंत और अव लाइसेंस उसी तिथि से गतावधि है।	
63. सीएम/एल-0773358 1979-04-30	दंपल गारम फर्मीशन्स (हरियाणा)	IS : 3745-1975	एम श्री 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-30 को गतावधि है।	
64. सीएम/एल-0784262 1979-07-06	टोमाइ टील रोलिंग मिल मही गोरखनगर (पंजाब)	IS : 19877-1975	एम श्री 3443, रिट: 6 1981-12-26	1981-07-15 को गतावधि है।	
65. सीएम/एल-0790359 1979-08-03	एमेलग्यामेटेड कैमिकल्स (प्रा.) प्रि. मध्यम-600067	IS : 561-1978	एम श्री 3418, रिट: 6 1981-12-26	1981-03-15 को गतावधि	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
66. सीएम/एल-0792261 1979-08-10	बग्सॉर वापर रोड मिल (दामपोर्ट कार्पोरेशन अफ इंडिया) लि. की इकाई, अंगनोर-560048	IS : 8500-1977	एम श्री 3446, दिनांक 1981-08-15 के बाबू गतावधि 1981-12-26		
67. सीएम/एल-0792663 1979-08-16	कर्नाटक पारो कैमिकल बंगलोर- 562140	IS : 562-1978	एम श्री 3446, दिनांक 1981-08-15 को गतावधि 1981-12-26		
68. सीएम/एल-0794366 1979-08-22		IS : 632-1978	एम श्री 3447 दिनांक 1981-08-31 को गतावधि 1981-12-26		
69. सीएम/एल-0806145 1979-10-16	कोट्स ब्राफ इंडिया लि. कलकत्ता-700027 (प.व.)	IS : 2105-1975	एम श्री 1771 दिनांक नवीकरण 1980-10-31 को स्थगित 1982-05-15 और लाइसेंस अब उसी तिथि में गतावधि है।		
70. सीएम/एल-0807147 1979-10-17	गाह टिन कैस्टरी जामनगर (गुजरात)	IS : 916-1975	एम श्री 1771 दिनांक 1980-10-31 को गतावधि है। 1982-05-15		
71. सीएम/एल-0815045 1979-11-15	स्टंरियो कैमिकल मध्याम-600023 (न.ना.)	IS : 8401-1975	एमआई 1432 दिनांक नवीकरण 1980-11-30 को स्थगित 1982-05-22 अब उसी तिथि में लाइसेंस गतावधि है।		
72. सीएम/एल-0830647 1980-01-11	प्लाई फिल्मिंग कॉ. एनिपा (कर्ल) - 688001	IS : 10(भाग 3)- 1974	एम श्री 3104, दिनांक नवीकरण 1981-01-15 को स्थगित 1983-09-04 अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।		
73. सीएम/एल-0839766 1980-02-21	द शात्रु इंडिया स्टोर एण्ड स्टार्च इंस्ट्रोज मालेम-636002	IS : 1977-1975	एस श्री 3445, दिनांक नवीकरण 1981-02-28 को स्थगित 1982-10-02 और लाइसेंस अब उसी तिथि गतावधि है।		
74. सीएम/एल-084456 1980-02-29	मुखा होमरी मिल्स तिम्पुर-638602 (न.ना.)	IS : 4964(भाग 2)- 1975	एम श्री 3445 दिनांक नवीकरण 1981-03-15 को स्थगित 1982-10-02 अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।		
75. सीएम/एल-0853255 1980-03-31	कुण्डा स्टॉर्क इंसिटिउ थाना	IS : 6915-1978	एम श्री 4452 दिनांक 1981-04-15 के बाबू गतावधि 1983-12-10		
76. सीएम/एल-0857061 1980-03-31	अमर उद्योग कॉ. दिल्ली जल्म	IS : 1977-1975	एम श्री 4452 दिनांक नवीकरण 1981-04-15 को स्थगित 1983-12-10 अब उसी तिथि में लाइसेंस गतावधि है।		
77. सीएम/एल-0857465 1980-03-31	सिप्रयेटल वकर्स पो. औ. बड़ादुरपुर। भागलपुर (बिहार)	IS : 3211-1966	एम श्री 4452 दिनांक 1981-04-15 को गतावधि है। 1983-12-10		
78. सीएम/एल-0857566 1980-03-31		IS : 3411-1966	एम श्री 4552 दिनांक 1981-04-15 को गतावधि 1983-12-10		
79. सीएम/एल-0858770 1980-03-31	होस्टेल हॉस्टोज मध्याम-690047 (न.ना.)	IS : 8069-1976	एम श्री 4452 दिनांक नवीकरण 1981-04-15 को स्थगित 1983-12-10 और अब उसी तिथि को लाइसेंस गतावधि है।		
80. सीएम/एल-0858871 1980-03-31	द ट्रिकोरिट मिल्स लि. ट्रिकोरिट-628003 (न.ना.)	IS : 834-1975	एम श्री 4452 दिनांक नवीकरण 1981-04-14 को स्थगित 1983-12-10 और अब उसी तिथि से लाइसेंस गतावधि है।		
81. सीएम/एल-0870659 1980-06-04	मुरुद आयरन एण्ड स्टोल बनस्पति निमिटेक थाना जिला अस्सी	IS : 1786-1979	एम श्री 4459 दिनांक 1981-07-15 को गतावधि 1983-12-10		
82. सीएम/एल-0874970 1980-06-12	नारमिन निर्माण निम्पुर	IS : 4964 भाग 2) 3975	एस श्री 4459 दिनांक नवीकरण 1981-06-30 को स्थगित और अब उसी तिथि में लाइसेंस गतावधि है।		
83. सीएम/एल-0879778 1980-07-10	शोमला स्टील हॉस्टोज बनस्पति	IS : 1977-1975	एम श्री 4533, दिनांक 1981-07-15 को गतावधि 1983-12-17		
84. सीएम/एल-0883062 1980-07-21	विद्युत आयरन एण्ड स्टोल कार्पोरेशन लि. नागपुर	IS : 1786-1979	एम श्री 4453 दिनांक 1981-07-31 को गतावधि 1981-12-17		

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
संग्रहित वार्षिक सेवा					
85.	सीएम/एल-0034118 1981-09-20	मैसूर इमेक्टीसाइड्स कं (भारत) विजयवाडा-3 (भा.प्र.)	IS : 561-1979 1976	एस ओ 3447 दिनांक 1981-08-31 1961-10-14	
86.	सीएम/एल-0043723 1962-06-30	ब कलकत्ता कैमिकल कं. लि. कलकत्ता-700002	IS : 1675-1971 1973	एस ओ 1146 दिनांक 1981-08-31 1962-07-11	
87.	सीएम/एल-0050318 1963-10-21	बी डी ब्लैटान एंड कं कलकत्ता	IS : 10 (भाग 4) 1976	एस ओ 484 दिनांक 1981-08-31 1963-02-16	
88.	सीएम/एल-0063832 1964-02-26	विश्वेश्वरी आपरेट एवं स्टील सिमिटेक भवानी (मैसूर)	IS : 1977-1975 1973	एस ओ 943 दिनांक 1981-07-15 1964-03-21	1981-07-15
89.	सीएम/एल-0077439 1964-08-24	एंगलो इंडियन सिमिटेक कलकत्ता-700002	IS : 16 (भाग 1)- IS : (भाग 2)- 1973	एस ओ 3553 दिनांक 1981-09-15 1964-10-10	
90.	सीएम/एल-0229177 1966-06-51	श्रीमत स्पोर्ट्स इंडस्ट्रीज अंडर ग्रहण (पंजाब)	IS : 831-1979	एस ओ 2248 दिनांक 1981-06-15 1966-07-30	
91.	सीएम/एल-0151738 1967-09-15	जालेटरी फिटिंग्स एवं पर्सिप सोसायटी जिला (भा.प्र.)	IS : 561-1975	एस ओ 3733 दिनांक 1971-09-15 1967-10-21	
92.	सीएम/एल-0178415 1968-03-10	विलाद रोडिंग मिल्स प्रा. लि. कलकत्ता-7000040	IS : 15278-1978	एस ओ 3958 दिनांक 1981-09-15 1968-11-09	
93.	सीएम/एल-0201515 1969-07-09	बो के इंजीनियरिंग वर्क्स बम्बई	IS : 325-1978	एस ओ 3585 दिनांक 1981-07-15 1969-09-06	
94.	सीएम/एल-0201616 1969-07-09	इंडियनल इंड. बम्बई	IS : 4510-1978	एस ओ 3585 दिनांक 1981-0-30 1969-09-06	
95.	सीएम/एल-0206929 1969-09-09	ए. बी. जे. ब्रायसन प्रा. लि. सिमिटेक, कलकत्ता	IS : 280-1978	एस ओ 4310 दिनांक 1981-09-15 1969-10-25	
96.	सीएम/एल-0225933 1970-02-20	वैक्सवाल एंड क. कोचीन	IS : 10 (भाग 3) 1974	एस ओ 1235 दिनांक 1981-08-15 1970-04-04	
97.	सीएम/एल-0278752 1971-10-26	मरीहूर इंडस्ट्रीज शाहूनग दिल्ली	IS : 1596-1977	एस ओ 1605 दिनांक 1981-08-15 1972-07-08	
98.	सीएम/एल-0297352 1972-03-14	श्रीवाल स्टील इंड. बम्बई-400010	IS : 226-1975	एस ओ 887 दिनांक 1981-07-15 1973-03-24	
99.	सीएम/एल 0346036 1973-06-28	नरोत्तम उद्योग, देवमार्ग	IS : 10 (भाग 2) 1976	एस ओ 1037 दिनांक 1981-06-30 विनांक 1975-04-05	
100.	सीएम/एल 0363137 1973-12-13	देवविद्याल (मेट्स) प्रा. लि. बम्बई	IS : 2567-1978	एस ओ 1603 दिनांक 1981-06-15 विनांक 1975-05-24	
101.	सीएम/एल 0365545 1974-01-08	कोवाई पैस्ट्रीमाइक्स इकायर पोलाची-642003 कोयम्बटूर जிலा (स.ना.)	IS : 561-1978	एस ओ 2016 दिनांक 1981-08-15 विनांक 1975-06-28	
102.	सीएम/एल 0363645 1974-01-08	"	IS : 564-1978	एस ओ 2016 दिनांक 1981-08-15 विनांक 1975-06-28	
103.	सीएम/एल 03872552 1974-07-03	फिटेक्स (इंडिया) कलकत्ता	IS : 10 (भाग 4) 1976	एस ओ 459 दिनांक 1981-07-16 विनांक 1976-01-24	
104.	सीएम/एल 0390342 1974-07-26	एल्युमिनियम इंडस्ट्रीज सिमिटेक, कुंडार (केरल)	IS : 1785 (भाग 1) 1966 IS : 1785 (भाग 2) 1987	एस ओ 459 दिनांक 1981-07-31 विनांक 1976-01-24	
105.	सीएम/एल 0390948 1974-08-05	लेवकान इंस्ट्रुमेंट प्रांति० कलकत्ता-700039	IS : 2148-1968	एस ओ 686 दिनांक 1981-08-15 विनांक 1976-02-14	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
106.	सी एम/एल 0419744 1975-02-19	विश्वेश्वरैया भायरल एवं स्टील लि. मद्रावती	IS : 4398 1972	एम ओ 2473 दिनांक 1976-07-10	1981-08-15
107.	सी एम/एल 0420325 1975-02-10	भ्रमस वुड प्राइवेट प्रा. लि. तिनसुकिया भ्रमस	IS : 10 (भाग 2) 1976	एम ओ 2473 दिनांक 1976-07-10	1981-06-30
108.	सी एम/एल 0445543 1975-06-30	श्री रेनुका फाउंड्री कोंपनी बृद्धूर	IS : 325 1978	एम ओ 3073 दिनांक 1975-09-15	1981-06-30
109.	सी एम/एल 0454948 1975-08-11	हिन्दुसान फाउंड्री एंड इंजीनियरी कार्पोर. जयपुर-302006	IS : 774 1971	एम ओ 428 दिनांक 1977-02-05	1981-08-15
110.	सी एम/एल 0456346 1975-08-11	जैसिया लोहा शिल्प प्रतिष्ठान, कलकत्ता-70001	IS : 10 (भाग 4') 1976	एम ओ 428 दिनांक 1977-02-05	1981-08-15
111.	सी एम/एल 0464749 1975-09-17	इंडियास इंडस्ट्रीज, सेनीपति	IS : 3055 (भाग 1) 1977	एम ओ 832 दिनांक 1977-03-19	1981-04-15
112.	सी एम/एल 0482751 1975-11-27	गोपर्धन दास पी. एंड ब्रून विलिंग्स, जलधार-144004	IS : 1703 1977	एम ओ 1147 दिनांक 1977-04-16	1981-03-31
113.	सी एम/एल 0485959 1975-12-04	भ्रायर्टर पैकेजिंग प्रा. लिमिटेड हावड़ा	IS : 7406 1976	एम ओ 3083 दिनांक 1977-10-08	1981-06-15
114.	सी एम/एल 0535342 1976-07-14	ट्रेफन एंट्रप्राइज कलकत्ता	IS : (भाग 4) 1976	एम ओ 1226 दिनांक 1979-04-14	1981-07-15
115.	सी एम/एल 0536748 1976-07-14	एलाइंड कैमिकल इंडस्ट्रीज, गोहाटी-781031 (भ्रमस)	IS : 4323 1967	एम ओ 1226 दिनांक 1979-04-14	1981-07-15
116.	सी एम/एल 0539855 1976-08-02	इंडिया दवाय एंड मीटल बस्स (प्रा. पि.) कलकत्ता-700055 (प.ब.)	IS : 5852 1977	एम ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-07-31
117.	सी एम/एल 0544747 1976-08-25	एंट्रो इंस्ट्रीटीसाइक्स एंड एनाइज इंडस्ट्रीज गिला अनंतपुर (आ.प्र.)	IS : 561 1978	एम ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-08-31
118.	सी एम/एल 0545143 1976-08-30	बी डी बेतान एंड क 24-परगना (प.ब.)	IS : 2567 1978	एम ओ 3548 दिनांक 1979-10-20	1981-08-31
119.	सी एम/एल 0561444 1976-11-02	जय कैमिकल्स, फरीदाबाद	IS : 565 1975	एम ओ 3761 दिनांक 1979-11-17	1981-07-31
120.	सी एम/एल 0569662 1976-12-10	तायपुर कैमिकल्स एंड पेस्ट्रीसाइक्स, गायलर 401501 (भ्रायर्टर)	IS : 633 1975	एम ओ 3762 दिनांक 1979-11-17	1981-07-15
121.	सी एम/एल 0607543 1977-04-29	ग्रामकृष्णन प्रसाद पेरस्टीसाइक्स गुंटूर	IS : 562 1978	एम ओ 786 दिनांक 1980-03-29	1981-06-30
122.	सी एम/एल 0609951 1977-05-13	रेखा कैमिकल्स, गोरखपुर-273004	IS : 561 1978	एम ओ 283 दिनांक 1981-01-24	1981-04-30
123.	सी एम/एल 0623942 1977-05-31	एलमेक्स इंजीनियरी क आमन्द पर्स, नई बिल्ली	IS : 325 1978	एम ओ 283 दिनांक 1981-01-24	1981-08-15
124.	सी एम/एल 0614944 1977-06-08	मेक, नोज तिरुपुर	IS : 4964 (भाग 2) 1975	एम ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-07-15
125.	सी एम/एल 0618144 1977-06-17	रवीन्द्र इंडस्ट्रीज प्रा. लि. शापा	IS : 4934 1976	एम ओ 284 दिनांक 1981-01-25	1981-06-30
126.	सी एम/एल 0618750 1977-06-22	त्रिभुवनदास एंड क. पू.ना (महाराष्ट्र)	IS : 5346 1975	एम ओ 284 दिनांक 1981-01-24	1981-06-30
127.	सी एम/एल 0622034 1977-06-30	सागमाय (इंडिया) अकोला-444001 (महाराष्ट्र)	IS : 2567 1978	"	1981-07-31
128.	सी एम/एल 0622842 1977-07-08	ग्रारिजिनल मिटिंग क तिरुपुर	IS : 4964 (भाग 2) 1975	एम ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
129.	सी.एम./एल 0623036 1977-07-08	त्रिपुरा इंडस्ट्रीज, याना	IS : 1660(भाग 1) 1967 IS : 1660(भाग 2) 1972 IS : 1660(भाग 3) 1972 IS : 1660(भाग 4) 1977	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30
130.	सी.एम./एल 0623137 1977-07-08	देमार्ह एंड ल. बम्बई-400063	IS : 1660(भाग 1) 1967 IS : 1660(भाग 2) 1972 IS : 1660(भाग 3) 1972 IS : 1660(भाग 4) 1972	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-08-15
131.	सी.एम./एल 0623541 1977-07-08	नारायणपुर ग्रामीण स्ट्रील कार्पोरेशन गाडीपल्टी जिला गुदूर	IS : 564 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-15
132.	सी.एम./एल 0623642 1977-07-08	गमतुण्णन प्रसाद पेस्टासाइड्स कट्टूरवूल जिला गुदूर (महाराष्ट्र)	IS: 565 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30
133.	सी.एम./एल 0625545 1977-07-20		IS : 564 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-06-30
134.	सी.एम./एल 0625949 1977-07-20	रोगमेय (इंडिया) अपोला-444001 (महाराष्ट्र)	IS : 633 1975	एस ओ 754 दिनांक 1981-07-07	1981-07-31
135.	सी.एम./एल 0631035 1977-07-30	लिलूहा स्टील एंड बायर क.लि. लिलूहा, हावड़ा	IS : 1786 1979	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-31
136.	सी.एम./एल 0631338 1977-07-30	वित अर्पेयुविंग प्राइवेट लिमिटेड प्रा.लि. मद्रासा-600058	IS : 6750 1972	एस ओ 754 दिनांक 1981-03-07	1981-07-31
137.	सी.एम./एल-0634142 1977-08-12	खंके इंडस्ट्रीज प्रा.लि., बंगलौर	IS : 4174-1977	एस ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-08-15
138.	सी.एम./एल-0635144 1977-08-16	तारापुर केमिकल्स एंड पेस्टासाइड्स, बोधवर-401501, जिला याना	IS : 561-1978	एस ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-07-15
139.	सी.एम./एल-0636550 1977-08-24	लौहार स्टील इंडस्ट्रीज, प्रा.लि., बंगलौर-560049	IS : 1977-1975	एस ओ 755 दिनांक 1981-03-07	1981-08-31
140.	सी.एम./एल-0666559 1978-01-13	मुदर्दीन प्लाईवुड इंडस्ट्रीज, मार्टेंटिंग (महाराष्ट्र)	IS : 303-1975	एस ओ 1615 दिनांक 1981-05-30	1981-07-31
141.	सी.एम./एल-0691353 1978-02-28	गुज्जा वेकलार्ट फैक्टरी, विल्ली-110007	IS : 371-1966	एस ओ 1661 दिनांक 1981-06-06	1981-08-31
142.	सी.एम./एल-0699774 1978-04-28	कन्युलिटेक्ट एंड मेटिक ट्रूफ क. (इंडिया) लि. बम्बई (महाराष्ट्र)	IS : 2148-1968	एस ओ 1725 दिनांक 1981-08-13	1981-04-30
143.	सी.एम./एल-0705543 1978-06-19	कर्नाटक एंड केमिकल्स बंगलौर (कर्नाटक)	IS : 561-1978	एस ओ 2002 दिनांक 1981-07-25	1981-07-26
144.	सी.एम./एल-0708145 1978-06-28	मुन्दर टिन फैक्टरी रोहतक (हरियाणा)	IS : 916-1975	एस ओ 2002 दिनांक 1981-07-25	1981-08-31
145.	सी.एम./एल-0709854 1978-07-06	तारापुर केमिकल्स एंड पेस्टासाइड्स, जिला याना (महाराष्ट्र)	IS : 2567-1978	एस ओ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-15
146.	सी.एम./एल-0710435 1978-07-10	कृष्णा लेमिनेटिंग इंडस्ट्रीज हावड़ा-700006 (प.य.)	IS : 7406-1974	एस ओ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-09-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
147. सी एम/एल-0712439 1978-07-21	जार्जिन हैंडरमन लि., कलकत्ता-700035	IS : 7406-1974	एस औ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-31	
148. सी एम/एल-0712742 1978-07-21	हिन्दुस्तान जनरल इंडस्ट्रीज लि., नांगलोई, नई दिल्ली	IS : 3196-1974	एस औ 2176 दिनांक 1981-08-15	1981-07-31	
149. सी एम/एल-0714847 1978-08-08	राजगिरी इंडस्ट्रीज, कलकत्ता-700067	IS : 10 (भाग 4)	एस औ 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-15	
150. सी एम/एल-0717045 1978-08-17	एत शी वायर हैंड. (प्रा.) लि., 24 परखना (प०व०)	IS : 19 (भाग 4)- 1976	एस औ 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
151. सी एम/एल-0718047 1978-08-24	छलटेक्स इंजीनियरी कार्पोरे, प्रांति. कोयम्बटूर-641006 (तमिलनाडु)	IS : 7538-1975 और IS : 6595-1972	एस औ 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
152. सी एम/एल-0718653 1978-08-31	श्री राम मशीनरी कार्पोरे. प्रा. लि., मद्रास-300079	IS : 1977-1975	एस औ 2180 दिनांक 1981-08-15	1981-08-31	
153. सी एम/एल-0721743 1978-09-15	सीलांग मेटल कार्पोरेशन, मद्रास-600081 (तमिलनाडु)	IS : 1660 (भाग 1) 1987	एस औ 2215 दिनांक 1981-08-22	1981-09-15	
154. सी एम/एल-0769064 1979-04-02	बी एस इंडस्ट्रीज, जगपुर	IS : 1308-1974	एस औ 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-15	
155. सी एम/एल-0769165 1979-04-02	बी एस इंडस्ट्रीज, जगपुर	IS : 565-1975	एस औ 2974 दिनांक 1981-10-31	1981-04-15	
156. सी एम/एल-0778267 1979-05-29	सिल्केट स्टील रीरोलिंग मिल्स लि. हैदराबाद	IS : 226-1976	एस औ 3147 दिनांक 1981-11-21	1981-07-31	
157. सी एम/एल-0783866 1979-07-05	जी भार केमिकल, मद्रास	IS : 261-1966	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-28	1981-07-15	
158. सी एम/एल-0795062 1979-07-12	याउदान इंस्टीट्यूशन्स एवं फॉटोग्राफिक्स मद्रास	IS : 2567-1978	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-27	1981-07-15	
159. सी एम/एल-0785668 1979-07-12	द रियायन्स जूट एवं इंडस्ट्रीज लि. लि., जिला परखना (प. ब. .)	IS : 3984-1987	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-15	
160. सी एम/एल-0785769 1979-07-13	कृष्ण मेटल एंडो केमिकल कार्पोरे. जिला गुंटूर	IS : 1786-1966	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-15	
161. सी एम/एल-0786872 1979-07-19	मधु एलायड एंडो केमिकल्स कार्पोरे. जिला गुंटूर	IS : 633-1975	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
162. सी एम/एल-0787369 1979-07-20	कोवीन टिन फैक्टरी कोवीन-682005	IS : 10 (भाग 4)- 1976	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
163. सी एम/एल-0788270 1979-07-25	सिल्केट स्टील रीरोलिंग मिल्स लि. हैदराबाद	IS : 1786-1979	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
164. सी एम/एल-0788472 1979-07-25	नागपुर स्टील एवं एलायज प्रा. लि., नागपुर-440016	IS : 26-1975	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
165. सी एम/एल-0788775 1979-07-24	श्री वज्रंग इलेक्ट्रिक स्टील कं. प्रा. लि. घुमुरी, हावड़ा (प. ब. .)	IS : 226-1975	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
166. सी एम/एल-0788876 1979-07-25	"	IS : 1977-1975	एस औ 3443 दिनांक 1981-12-26	1981-07-31	
167. सी एम/एल-0791966 1979-08-09	श्री वैकेटेपवरा केमिकल हैंड., केमिकल हैंड, ग्राहोनी जिला कर्नल	IS : 562-1978	एस औ 3446 क दिनांक 1981-12-26	1981-08-15	
168. सी एम/एल-0792464 1979-08-10	राम का उपर्युक्ती कोयम्बटूर-641037 (तमिलनाडु)	IS : 6596-1972	एस औ 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-15	
169. सी एम/एल-0792968 1979-08-17	प्रयोग फॉम इंडस्ट्रीज प्रा. लि., मद्रास-600058	IS : 4089-1974	एस औ 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
170.	सी एम/एल-0793465 1979-08-20	प्रगणा स्टील इंडस्ट्रियल मिल्स जिला नद्दी	IS: 1977-1976	एस श्रो 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31
171.	सी एम/एल-0793768 1979-08-22	गार्ड अर्मोरिट इंडस्ट्रीज, नद्दी शिल्पी	IS: 3055 (भाग 1)– 1977	एस श्रो 3446 दिनांक 1981-12-26	1981-08-31
172.	सी एम/एल-0799376 1979-09-11	गीगान्त इंस्ट्रॅट्स, मधेश-600026	IS: 1051-1973	एस श्रो 1772 दिनांक 1982-05-15	1981-09-15
173.	सी एम/एल-0799477 1979-09-12	न्यू सार्टेंट सिन्स गियर्स एंड मिनिंग प्रा. लि. कोयंबटूर-641009 (ग.ना.)	IS: 1620-1972	एस श्रो 1772 दिनांक 1982-05-15	1981-09-15
174.	सी एम/एल-0813041 1979-11-12	भागसास पेन्ट्स इंडस्ट्रीज (इंडिया) हिल्ली-110012	IS: 2932-1974	एस श्रो 1832 दिनांक 1982-05-22	1981-08-31
175.	सी एम/एल-0813950 1979-11-12	"	IS: 2933-1975	एस श्रो 1832 दिनांक 1982-05-22	1981-08-31
176.	सी एम/एल-0831156 1980-03-31	फोर्मिलेट इंस्ट्रीम एण्ड एनाप्रज लि., जिला मुरैना (ग.प्र.)	IS: 6914-1978	एस श्रो 4152 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15
177.	सी एम/एल-0864257 1980-03-31	"	IS: 6915-1978	एस श्रो 4452 दिनांक 1983-12-10	1981-04-15
178.	सी एम/एल-0864260 1980-04-22	उपायी बेकेट फैक्टरी, अम्बई—	IS: 2552-1979	एस श्रो 4453 दिनांक 1983-12-10	1981-04-30
179.	सी एम/एल-0871156 1980-06-05	सत्यपुकर मिल्स प्रा. लि. म्हू अम्बई (महाराष्ट्र)	IS: 633-1975	एस श्रो 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-15
180.	सी एम/एल-0871257 1980-06-05	सेंट्रल इंस्ट्रीशियल एण्ड फर्टी- लाइजर्स, अम्बई	IS: 565-1975	एस श्रो 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-15
181.	सी एम/एल-0872159 1980-06-05	गोवावरी प्लाईवुड लिमिटेड, सेंट्रल गोवावरी जिला (ग.प्र.)	IS: 4990-1060	एस श्रो 4459 दिनांक 1982-13-10	1981-06-15
182.	सी एम/एल-0875386 1980-05-13	मेफैक्स फायर गर्डिंग, अम्बई	IS: 2171-1976	एस श्रो 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-30
183.	सी एम/एल-0876267 1980-06-16	न्यूलाइट इंडस्ट्रीज, मधेश-600098	IS: 261-1966	एस श्रो 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-06-30
184.	सी एम/एल-0877370 1980-06-30	शाह स्टील्स इंडस्ट्रीज प्रा. लि., जिला थाना	IS: 4224-1972	एस श्रो 4459 दिनांक 1983-12-10	1981-07-15
185.	सी एम/एल-0878877 1980-07-09	मराठाबाड़ा एलायर स्टील क. लि., ओरंगाबाद	IS: 6915-1978	एस श्रो 4533 दिनांक 1985-12-17	1981-07-15
186.	सी एम/एल-0879374 1980-07-10	भारतोय इम्पाल प्राथिकरण लि., दुर्गापुर (ग.व.)	IS: 4398-1972	एस श्रो 4533 दिनांक 1982-12-17	1981-07-15
187.	सी एम/एल-0880157 1980-07-14	इंद्रांगावायर क. लि., इंद्री-452006 (ग.प्र.)	IS: 1785 (भाग 1) 1966	एस श्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
188.	सी एम/एल-0880258 1980-07-14	इंद्रोर वायर क. लि., इंद्री-452006 (ग.प्र.)	IS: 6003-1970	एस श्रो 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
189.	सी एम/एल-0880460 1980-07-14	ब्राइट केबल्स, हिल्ली-110052	IS: 694-1977	एस श्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
190.	सी एम/एल-0880763 1980-07-16	वर्षीय बिल्डिंग बर्स मुद्दे-625001 (ग.ना.)	IS: 8401-1977	एस श्रो 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
191.	सी एम/एल-0882161 1980-07-23	वल्ला वायर प्लॉड (प्रा.) लि., नाशिक-422007 (महाराष्ट्र)	IS: 1011-1968	एस श्रो 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
192.	सी एम/एल-0882666 1980-07-23	कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज लि., थाना	IS: 1977-1975	एस श्रो 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31
193.	सी एम/एल-0884266 1980-07-29	हिन्दुस्तान पायराइजिंग मिल्स बम्बई-400098	IS: 2560-1978	एस श्रो 4553 दिनांक 1983-12-17	1981-07-15
194.	सी एम/एल-0884367 1980-07-29	"	IS: 633-1973	एस श्रो 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
195. सी.एम./एन-0884973 1980-07-30	केनग कैमिकल इंड., थ्यूमंगलोर-575010 (कर्नाटक)	IS : 261—1975	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
196. सी.एम./एन-0885066 1980-07-30	मोनार्क इंडोनियरी कॉ., बम्बई-400010	IS : 933—1976	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
197. सी.एम./एन-0885157 1980-07-30	"	IS : 933—1976	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
198. सी.एम./एन-0885874 1980-07-31	मार्ड न कैमिकल्स, मिशा शिमोगा (कर्नाटक)	IS : 2568—1978	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
199. सी.एम./एन-0886674 1980-07-31	"	IS : 7121—1973	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-08-15	
200. सी.एम./एन-0886775 1980-07-31	मेरठ एंग्री वैमिकल इंडस्ट्रीज मेरठ (उ. प्र.)	IS : 561—1978	एस ओ 4533 दिनांक 1983-12-17	1981-07-31	
201. सी.एम./एन-0890059 1980-08-19	अनिल रो-रोलिंग मिल्स (प्रा.) लिमिटेड, नंगलोर-560032	IS : 1786—1979	एस ओ 4531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	
202. सी.एम./एन-0892063 1980-08-22	जगदीश रोलिंग वर्क्स, कान्नुर (उ. प्र.)	IS : 1977—1975	एस ओ 4531 दिनांक 1971-12-17	1981-08-31	
203. सी.एम./एन-0892265 1980-08-22	कल्पिता आयरल स्टील री-रोलिंग मिल्स, कोयम्बटूर-641029	IS : 226—1975	एस ओ 1531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	
204. सी.एम./एन-0892366 1980-08-22	"	IS : 1977—1975	एस ओ 4531 दिनांक 1983-12-17	1981-08-31	

[सं. सी. एम. डी. 13 : 14]

MINISTRY OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Civil Supplies)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, th: 20th May, 1986

S. O. 2334.—In pursuance of sub-regulation (4) of Regulation 14 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Certification Marks Licences, details of which are mentioned in the following Schedule, have lapsed or their renewals deferred, effective from the dates shown in column 6:

THE SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Licence	IS : No.	S.O. No. and Date of the Gazette Notifying Grant of licence	Remarks
LICENCES LAPSED					
1. CM/L-0005010 1958-01-20	East India Plywood Co. Limited, Cooch Behar, P. O. & Distt. Cooch Behar (West Bengal)	IS : 10 (Part II)—1976	S. O. 13 dated 1958-02-15		Renewal was deferred after 1980-01-31; the licence now stands lapsed after that date.
2. CM/L-001003 1958-09-18	The Central Trading Co. Pvt. Limited, Calcutta-700028	IS : 10 (Part II)—1976	S. O. 2005 dated 1958-10-04		Lapsed after 1980-12-31
3. CM/L-0150019 1967-08-25	Central Industries & Fertilizers, Indore (MP)	IS : 1308—1974	S. O. 3338 dated 1967-09-23		Lapsed after 1981-08-31
4. CM/L-0190536 1969-01-9	Consul Machinery, Howrah	IS : 361—1975	S. O. 720 dated 1969-02-22		Renewal was deferred after 1980-08-31; the licence now stands lapsed after that date.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. CM/L-0199332 1969-06-24	Jammu Rosin & Turpentine Factory, P. O. Miransahib, Jammu Tawi (J & K)	IS : 553-1969	S. O. 3018 dated 1969-07-26	Renewal was deferred after 1978-04-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
6. CM/L-0205321 1969-08-20	-do-	IS : 533-1973	S. O. 3930 dated 1969-09-27	Renewal was deferred after 1978-04-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
7. CM/L-0259849 1971-03-17	Orissa Plastics, P. O. Balasore, (Orissa)	IS : 3076-1968	S. O. 2405 dated 1971-06-19	Lapsed after 1981-07-31	
8. CM/L-0262535 1971-03-29	J & V Saw Mills, Kottayam-686016 (Kerala)	IS : 10 (Part III)—1974	S. O. 2405 dated 1971-06-19	Renewal was deferred after 1981-03-31 ; the licence now stands lapsed after that date	
9. CM/L-0272740 1971-08-04	Devidayal (Sales) Pvt. Limited, Bombay-400010	IS : 562-1978	S. O. 5031 dated 1971-11-06	Lapsed after 1981-06-15	
10. CM/L-0276344 1971-09-13	Jolly Steel Industries Pvt. Limited, Poona	IS : 1977-1975	S. O. 2403 dated 1972-09-02	Renewal was deferred after 1980-06-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
11. CM/L-0277548 1971-09-17	Ronald Engineers, Calcutta-700046	IS : 3564-1975	S.O. 2403 dated 1972-09-02	Renewal was deferred after 1980-07-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
12. CM/L-0278954 1971-10-28	Sewpuri Iron & Steel Works, IS : 10 (Part Calcutta-700001 IV)—1976		S.O. 1625 dated 1972-07-08	Renewal was deferred after 1981-04-16 ; the licence now stands lapsed after that date	
13. CM/L-0297356 1972-03-28	Victory Metal Works, Calicut-673004 (Kerala)	IS : 10 (Part IV)—1976	S.O. 887 dated 1973-03-24	Renewal was deferred after 1981-03-31 ; the licence now stands lapsed after that date	
14. CM/L-0307026 1972-05-31	Devidayal (Sales) Pvt Limited, Bombay-400010	IS : 561-1978	S.O. 3308 dated 1972-10-21	Lapsed after 1981-06-15	
15. CM/L-0319740 1972-10-27	Madarihat Veenner Industries, P.O. Madarihat, Distt. Jalpaiguri Assam	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 846 dated 1974-03-30	Renewal was deferred after 1979-11-30 ; the licence now stands lapsed after that date	
16. CM/L-0331528 1973-01-31	Agro Chemicals (India) Patiala-147001 (Punjab)	IS : 2567-1978	S.O. 1798 dated 1974-07-20	Lapsed after 1981-07-15	
17. CM/L-0349951 1973-07-31	Emco General Plastic Industries Pvt. Ltd., Calcutta-700002	IS : 2548-1967	S.O. 1233 dated 1975-04-19	Lapsed after 1981-07-31	
18. CM/L-0352334 1973-08-23	Imperial Stores & Agency Co., 24 Parganas (W.B.)	IS : 10 (Part II)—1976	S.O. 1388 dated 1975-05-03	Renewal was deferred after 1980-08-3 ; the licence now stands lapsed after that date	
19. CM/L-0352435 1973-08-23	Devidayal (Sales) Pvt Limited, Bombay-400010	IS : 565-1975	S.O. 1388 dated 1975-05-03	Lapsed after 1981-06-15	
20. CM/L-0388153 1974-07-15	Karnataka Chemical Industries Corp., Bangalore-562140	IS : 261-1966	S.O. 459 dated 1976-01-24	Lapsed after 1981-07-15	
21. CM/L-041269 1975-01-10	Devidayal (Sales) Pvt. Limited, Bombay-400010	IS : 7121-1973	S.O. 2465 dated 1976-07-10	Lapsed after 1981-06-15	
22. CM/L-0422430 1975-02-21	Indian Steel Rolling Mills, Thirunivur, Chennaiput Distt.	IS : 432 (Part II)—1966	S.O. 2473 dated 1976-07-10	Renewal was deferred after 1981-03-31 ; the licence now stands lapsed after that date	
23. CM/L-0433233 1975-04-21	Jeep Lamps & Allied Industries Pvt. Limited, Kanpur-208010 (U.P.)	IS : 2596-1964	S.O. 3550 dated 1976-10-09	Lapsed after 1978-09-01	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24. CM/L-0442436 1975-06-12	Steel (India) Pvt Limited, Aurangabad-431001	IS : 1785 (Part II)—1967	S.O. 3073 dated 1975-09-13	Renewal was deferred after 1980-06-30; the licence now stands lapsed after that date	
25. CM/L-0469052 1975-09-29	Assam Tin Mfg. Co Pvt. Limited, Gauhati (Assam)	IS : 10 (Part IV)—1976	S.O. 832 dated 1977-03-17	Renewal was deferred after 1980-10-15; the licence now stands lapsed after that date	
26. CM/L-0472849 1975-10-15	Mahabir Steel Rolling Mills, Delhi-110032	IS : 7452—1974	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Renewal was deferred after 1981-04-30; the licence now stands lapsed after that date	
27. CM/L-0477556 1975-10-31	Kosan Metal Products Pvt. Limited, Bombay-400074	IS : 3224—1971	S.O. 1148 dated 1977-04-16	Lapsed after 1981-06-15	
28. CM/L-0482650 1975-11-24	Sohgal Sanitary Fittings (P) Ltd., Jullundur-144102	IS : 2692—1978	S.O. 1147 dated 1977-04-16	Lapsed after 1981-06-30	
29. CM/L-0519349 1976-05-10	Daurala Sugar Works Distillery, Daurala, Distt. Meerut (UP) Daurala	IS : 4449—1976	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
30. CM/L-0519950 1976-05-10	-do-	IS : 4100—1967	S.O. 754 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
31. CM/L-0520026 1976-05-10	-do-	IS : 4450—1967	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
32. CM/L-0520127 1976-05-10	-do-	IS : 3811—1976	S.O. 954 dated 1979-03-17	Lapsed after 1981-07-15	
33. CM/L-0533439 1976-07-06	Agro Plastic Inds. Bombay-400063	IS : 3906 (Part II)—1974	S.O. 1226 dated 1979-04-14	Renewal was deferred after 1980-07-15; the licence now stands lapsed after that date	
34. CM/L-0540133 1976-08-02	Orient Steel & Industries Limited, Distt. Hoogly (W.B.)	IS : 1977—1975	S.O. 3548 dated 1979-10-20	Lapsed after 1981-07-31	
35. CM/L-0567557 1976-11-30	Delhi Steel Rolling Mills, Delhi-110032	IS : 226—1975	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Renewal was deferred after 1980-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
36. CM/L-0567658 1976-11-30	-do-	IS : 1977—1975	S.O. 3761 dated 1979-11-17	Renewal was deferred after 1980-11-30; the licence now stands lapsed after that date	
37. CM/L-0577257 1977-01-07	Hind Rubber Works, Calcutta-700015 (West Bengal)	IS : 2415—1967	S.O. 420 dated 1980-02-23	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date	
38. CM/L-0592960 1977-02-28	SMP Private Limited, Bombay-400060	IS : 1307—1973	S.O. 731 dated 1980-03-22	Lapsed after 1980-12-15	
39. CM/L-0598164 1977-03-22	Calcutta Laminators, Changail-711308 (S.E. Rly) P.O. Chakasi, Distt. Howrah (West Bengal)	IS : 7406—1974	S.O. 787 dated 1980-03-29	Renewal was deferred after 1980-04-15; the licence now stands lapsed after that date	
40. CM/L-0615643 1977-06-10	Delhi Brass & Metal Works, IS : 16660 (Part New Delhi-110005 I to IV)—1967		S.O. 284 dated 1981-01-24	Renewal was deferred after 1980-12-31; the licence now stands lapsed after that date	
41. CM/L-0617647 1977-06-16	Th. Scientific Insecticides Co. (Prop Th. Scientific Fertilizer Co. Pvt. Ltd.) Tiruchirappalli-620007	IS : 561—1978	S.O. 284 dated 1981-01-24	Lapsed after 1981-06-15	
42. CM/L-0631540 1977-07-30	Gopalkrishna Industries, Coimbatore-641009	IS : 325—1978	S.O. 754 dated 1981-03-07	Lapsed after 1981-06-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
43. CM/L-0637148 1977-08-24	Mital Moulding Co., Bombay-400078	IS : 1660 (Part I)— 1967 IS : 1660 (Part II)— 1972	S.O. 755 dated 1981-03-07		Renewal was deferred after 1979-08-15; the licence now stands lapsed after that date.
44. CM/L-066485 1977-12-30	Universal Petro-chemicals Limit d, Unit No. 2 Howrah	IS : 1115—1973	S.O. 1222 dated 1981-04-08		Renewal was deferred after 1978-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
45. CM/L-0662147 1977-12-30	Asian Industrial Corporation Calcutta-700068	IS : 507—1970	S.O. 1222 dated 1981-04-08		Renewal was deferred after 1980-12-31; the licence now stands lapsed after that date.
46. CM/L-0663452 1978-01-05	Asian Industrial Corporation Calcutta-700068	IS : 1115—1973	S.O. 1615 dated 1981-05-30		Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.
47. CM/L-0664454 1978-01-06	Vijayeswari Ring Travellers Mfg. Co. Pvt. Limited, Coimbatore-641021	IS : 3523—1974	S.O. 1615 dated 1981-05-30		Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.
48. CM/L-0671552 1978-01-27	SMP Private Limited, Bombay-400060	IS : 632—1978	S.O. 1615 dated 1981-05-30		Lapsed after 1980-12-15.
49. CM/L-0676360 1978-02-14	Karnataka State Co-operative Marketing Federation Ltd., Bangalore-560022 (Karnataka)	IS : 2567—1978	S.O. 1661 dated 1981-06-06		Renewal was deferred after 1981-02-15; the licence now stands lapsed after that date.
50. CM/L-0687365 1978-03-20	Indira Engineering Enterprises, Coimbatore-641009 (TN)	IS : 325—1978	S.O. 1664 dated 1981-06-06		Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
51. CM/L-0690152 1978-03-27	Kila Bros., Madras-600057	IS : 1786—1979	S.O. 1664 dated 1981-06-06		Renewal was deferred after 1981-03-31; the licence now stands lapsed after that date.
52. CM/L-0695970 1978-03-31	SMP Pvt Limited., Bombay-400060	IS : 5281—1969	S.O. 1664 dated 1981-06-06		Lapsed after 1981-04-15.
53. CM/L-0703438 1978-05-31	Ashoka Tin Works, Bhatinda-151001	IS : 916—1975	S.O. 2003 dated 1981-07-25		Lapsed after 1981-06-15.
54. CM/L-0711740 1978-07-19	Piramal Organic Chemical, (Division of Urvi Investments Limited), Thane-400601 (Maharashtra)	IS : 1488—1969	S.O. 2176 dated 1981-08-15		Lapsed after 1981-07-31.
55. CM/L-0712641 1978-07-21	Thall Paint Mart (Regd)-, New Delhi	IS : 419—1967	S.O. 2176 dated 1981-08-15		Lapsed after 1981-04-15.
56. CM/L-0721339 1978-09-13	Shive Industrial Corporation, Jaipur-302001 (Rajasthan)	IS : 220—1972	S.O. 2215 dated 1981-08-22		Renewal was deferred after 1979-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
57. CM/L-0723343 1978-09-21	Supreme Metal Works, Delhi-110006	IS : 1660 (Part I)— 1967 IS : 1660 (Part II)— 1972 IS : 1660 (Part III)— 1972 IS : 1660 (Part IV)— 1977	S.O. 2215 dated 1981-08-22		Renewal was deferred after 1980-09-15; the licence now stands lapsed after that date.
58. CM/L-0747539 1979-01-12	Eastern Chemical Industries, PO Madhyam Gram- -743275- Distt. 24 Parganas (WB)	IS : 2567—1978	S.O. 2277 dated 1981-08-29		Renewal was deferred after 1980-01-15; the licence now stands lapsed after that date.

1)	2)	3)	4)	5)	6)
59. CM/L-0753350 1979-02-09	South rn Insecticides & Fertilizers, Madras-600098	IS : 565—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1981-02-15; the licence now stands lapsed after that date	
60. CM/L-0754152 1979-02-16	Gillooram Gauri, Shankar, Distt. Santhal Pargana (Bihar)	IS : 378 (Part D—1976 IS : 378 (Part II)—1976	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1980-02-15; the licence now stands lapsed after that date.	
61. CM/L-0755558 1979-02-24	Inter Pharmaceuticals (India) Pvt. Limited, Patna (Bihar)	IS : 1061—1975	S.O. 2310 dated 1981-09-05	Renewal was deferred after 1981-02-28; the licence now stands lapsed after that date	
62. CM/L-0759364 1979-03-05	Jai Industri s, Mandi Gobindgarh (Distt. Patiala)	IS : 1977—1975	S.O. 2585 dated 1981-010-03	Renewal was deferred after 1981-06-15; the licence now stands lapsed after that date	
63. CM/L-0773358 1979-01-30	Bansal Brothers, Faridabad (Haryana)	IS : 3745—1965	S.O. 2974 dated 1981-10-31	Lapsed after 1981-04-30.	
64. CM/L-0784262 1979-07-06	Doaba Steel Rolling Mills, Mandi Gobindgarh (Punjab)	IS : 1979—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-07-15	
65. CM/L-0790358 1979-08-03	Amalgamated Chemicals (P) Limited, Madras-600067	IS : 561—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-15	
66. CM/L-0792261 1979-08-10	Bangalore Wire Rod Mill 'A Unit of Transport Corporation of India Ltd), Bangalore-560048	IS : 8500—1977	S.O. 3446 dated 1981-012-26	Lapsed after 1981-08-15	
67. CM/L-0792665 1979-08-16	Karnataka Agro Chemicals, Bangalore-562140	IS : 562—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-15	
68. CM/L-0774366 1979-08-22	—do—	IS : 632—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	Lapsed after 1981-08-31	
69. CM/L-0806145 1979-10-16	Coates of India Ltd., Calcutta-700017 (WB)	IS : 2105—1975	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Renewal was deferred after 1980-10-31; the licence now stands lapsed after that date.	
70. CM/L-0807147 1979-10-17	Shah Tin Factory, Jamaagar-361002 (Gujarat)	IS : 916—1975	S.O. 1771 dated 1982-05-15	Lapsed after 1980-10-31	
71. CM/L-0815045 1979-11-15	Stereo Chems, Madras-600023 (Tamil Nadu)	IS : 8401—1977	S.O. 1832 dated 1982-05-22	Renewal was deferred after 1980-11-30; the licence now stands lapsed after that date.	
72. CM/L-0830647 1980-01-11	Palai Furnishing Co Alleppey (Kerala)-688001	IS : 10 (Part III)—1974	S.O. 3104 dated 1983-09-04	Renewal was deferred after 1981-01-15; the licence now stands lapsed after that date.	
73. CM/L-0839766 1980-02-21	The South India Steel Strach Industries, Salem-636002	IS : 1977—1975	S.O. 3445 dated 1982-10-02	Renewal was deferred after 1981-02-28; the licence now stands lapsed after that date.	
74. CM/L-0844456 1980-02-29	Suba Hosiery Mills, Tirupur-638602 (Tamil Nadu)	IS : 4964 (Part II)—1975	S.O. 3445 dated 1982-10-02	Renewal was deferred after 1981-03-15; the licence now stands lapsed after that date.	
75. CM/L-0853255 1980-03-31	Krishna Steel Industries Limited, Thane	IS : 6915—1978	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	
76. CM/L-0857061 1980-01-31	Assam Udyog Co., Dibrugarh, Assam	IS : 1977—1975	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15; the licence now stands lapsed after that date.	
77. C/L-0857465 1980-03-31	Bijay Metal Works, P.O. Bahadurpur, Bhagalpur (Bihar)	IS : 3258—1965	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	
78. CM/L-0857556 1980-03-31	—do—	IS : 3411—1966	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-04-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
79. CM/L-0858770 1980-03-31	Hosak Industries, Madras-670097 (Tamil Nadu)	IS : 8069-1976	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15; the licence now stands lapsed after that date.	
80. CM/L-0858871 1980-03-31	The tuticorin Mills Ltd. Tuticorin-628003 (Tamil Nadu)	IS : 834-1975	S.O. 4452 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-04-15- the licence now stands lapsed after that date.	
81. CM/L-0870659 1980-06-04	Mukand Iron & Steel Works Limited, Thana Distt. Bombay	IS : 1736-1979	S.O. 4459 dated 1983-12-10	Lapsed after 1981-06-15	
82. CM/L-0874970 1980-06-12	Nycil Knitters, Tirupur	IS : 4964 (Part II)— 1975	S.O. 4459 dated 1983-12-10	Renewal was deferred after 1981-06-30; the licence now stands lapsed after that date.	
83. CM/L-089778 1980-07-10	Khosla Steel Industries, Jameshpur	IS : 1977-1975	S.O. 4533 dated 1983-12-17	Lapsed after 1981-07-15	
84. CM/L-0883062 1980-07-24	Vidarbha Iron & Steel Corpn. Ltd Nagpur	IS : 1976-1979	S.O. 4453 dated 1983-12-17	Lapsed after 1981-07-31	
LICENCES DEFERRED					
85. CM/L-0034118 1961-09-20	Mysore Insecticide Co. (Andhra) Vijayawada-3 (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 2447 dated 1961-10-14	1981-08-31	DEFERRED AFTER
86. CM/L-0042723 1962-06-30	The Calcutta Chemical Ltd., Calcutta-700002	IS : 1675-1971	S.O. 2146 dated 1675-07-14	1981-08-31	
87. CM/L-0050318 1963-01-24	B.D. Khaitan & Co., Calcutta	IS : 10 (Part IV)— 1976	S.O. 484 dated 1963-02-16	1981-07-31	
88. CM/L-0063831 1964-02-26	Vishvesvaraya Iron & Steel Limited Bhadravati (Mysore)	IS : 1977-1975	S.O. 743 dated 1964-03-21	1981-07-15	
89. CM/L-0077439 1964-08-24	Anglo Brothers Limited, Calcutta-700002	IS : 16 (Part I)— 1973 & IS : 16 (Part II)— 1973	S.O. 3553 dated 1964-10-10	1981-09-15	
90. CM/L-0128127 1966-06-15	Amrit Sports Industries, Jullundur City (Punjab)	IS : 831-1979	S.O. 2148 dated 1966-07-30	1981-06-15	
91. CM/L-0151728 1967-09-15	Jayalakshmi Fertilizers, West Godavari Distt. (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 3733 dated 1967-10-21	1981-09-15	
92. CM/L-0178445 1968-09-10	Chaliha Rolling Mills Pvt Ltd., Calcutta-700040	IS : 278-1978	S.O. 3958 dated 1968-11-09	1981-09-15	
93. CM/L-0201515 1969-07-09	V.K. Engineering Works, Bombay	IS : 325-1978	S.O. 3585 dated 1969-09-06	1981-07-15	
94. CM/L-0201616 1969-09-09	International Inds., Bombay	IS : 4510-1978	S.O. 3585 dated 1969-09-06	1981-06-30	
95. CM/L-0206929 1969-09-09	A.V.J. Wires Pvt. Limited, Calcutta	IS : 280-1978	S.O. 4310 dated 1969-10-25	1981-09-15	
96. CM/L-0225933 1970-02-20	Waxwall & Co., Cochin	IS : 10 (Part III)— 1974	S.O. 1235 dated 1970-04-04	1981-08-15	
97. CM/L-0278752 1971-10-26	Meryfur Industries, Shahdara, Delhi	IS : 1959-1977	S.O. 1625 dated 1972-07-08	1981-08-15	
98. CM/L-0297352 1972-03-14	Agarwal Steel Inds., Bombay-400010	IS : 226-1975	S.O. 887 dated 1973-03-24	1981-07-15	
99. CM/L-0346036 1972-06-28	Nerottam Udyog, Deomali	IS : 10 (Part III)— 1976	S.O. 1037 dated 1975-04-05	1981-06-30	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
100. CM/L-0363137 1973-12-13	Devdayal (Ses) Pvt. Limited, Bombay	IS : 2567-1978	S.O. 1603 dated 1975-05-24	1981-06-15	
101. CM/L-0365545 1974-01-08	Kovai Pesticides, P.O. Pollachi-642003 Coimbatore Distt. (T.N.)	IS : 561-1978	S.O. 2016 dated 1975-06-28	1981-08-13	
102. CM/L-0365646 1974-01-08	-do-	IS : 561-1978	S.O. 2016 dated 1975-06-28	1981-08-15	
103. CM/L-0387252 1974-07-03	Fitex (India), Calcutta	IS : 10 (Part IV)— 1976	S.O. 459 dated 1976-01-24	1981-07-15	
104. CM/L-0390342 1974-07-26	Aluminium Industries Limited, Kudamur (Kerala State)	IS : 1785 (Part I)— 1966 IS : 1785 (Part II)— 1967	S.O. 459 dated 1976-01-24	1981-07-31	
105. CM/L-0370948 1974-08-05	Leveon Instrument Pvt. Limited, Calcutta -700037	IS : 2148-1968	S.O. 686 dated 1976-02-14	1981-08-15	
106. CM/L-0419744 1975-02-10	Visvesvaraya Iron & Steel Limited, Bhadravati	IS : 4398-1972	S.O. 2473 dated 1976-7-10	1981-08-15	
107. CM/L-0420325 1975-02-10	Assam Wood Products Pvt. Limited, Tinsukia, Assam	IS : 10 (Part III) — 1976	S.O. 2473 dated 1976-07-10	1981-06-30	
108. CM/L-0445543 1975-06-30	Sri Renuka Foundry, Coimbatore	IS : 325-1978	S.O. 3073 dated 1975-09-13	1981-06-30	
109. CM/L-0454948 1975-08-11	Hindustan Foundry & Engineering Corp. Jaipur-302006	IS : 774-1971	S.O. 428 dated 1977-02-05	1981-08-15	
110. CM/L-0456346 1975-08-11	Jatiya Louha Silpa Pratisthan, Calcutta 700011	IS : 10 (Part IV) — 1976	S.O. 428 dated 1977-02-05	1981-08-15	
111. CM/L-0461749 1975-09-17	Englass Industries Sonipat	IS : 3055 (Part I)— 1977	S.O. 832 dated 1977-03-19	1981-04-15	
112. CM/L-0482751 1975-11-27	Goverdhan Dass P.A. Tube Building, Jullundur-144004	IS : 1703-1977	S.O. 1147 dated 1977-04-16	1981-03-31	
113. CM/L-0485959 1975-12-04	Oyster Packages Pvt Limited, Howrah	IS : 7406-1976	S.O. 3083 dated 1977-10-68	1981-06-15	
114. CM/L-0535342 1976-07-14	Tichon Enterprise, Calcutta	IS : (Part IV) — 1976	S.O. 1226 dated 1979-04-14	1981-07-15	
115. CM/L-0536748 1976-07-14	Allied Chemical Industries Gauhati-781031 (Assam)	IS : 4323-1967	S.O. 1226 dated 1979-04-14	1981-07-15	
116. CM/L-0539855 1976-08-02	India Toy & Metal Works (P) Ltd., Calcutta-700055 (West Bengal)	IS : 5852-1977	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-07-31	
117. CM/L-0544747 1976-08-25	Agro Insecticides & Allied Industries, Distt. Anantapur (A.P.)	IS : 561-1978	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-08-31	
118. CM/L-0545143 1976-08-30	B.D. Khaitan & Co., 24 Parganas (W.B.)	IS : 2567-1978	S.O. 3548 dated 1979-10-20	1981-08-31	
119. CM/L-0561444 1976-11-02	Jai Chemicals, Faridabad	IS : 365-1973	S.O. 3761 dated 1979-11-17	1981-07-131	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
120.	CM/L-0569662 1976-12-10	Tarapur Chemicals & Pesticides Boisar-401501 (Maharashtra)	IS : 633-1975	S.O. 376 dated 1979-11-17	1981-07-15
121.	CM/L-0607543 1977-04-29	Ramakrishna Prasad Pesticides, Guntur	IS : 562-1978	S.O. 786 dated 1980-03-29	1981-06-30
122.	CM/L-0609951 1977-05-13	Suraka Chemicals, Gorakhpur-273004	IS : 561-1978	S.O. 283 dated 1981-01-24	1981-04-30
123.	CM/L-0613942 1977-05-31	Elmax Engineering Co. Anand Parbat, New Delhi	IS : 325-1978	S.O. 283 dated 1981-01-24	1981-08-15
124.	CM/L-0614944 1977-06-08	Mc. Nos., Tirupur	IS : 4964 (Part II) — 1975	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-07-15
125.	CM/L-0618144 1977-06-17	Ravi Industries Pvt. Limited, Thana	IS : 934-1976	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-06-30
126.	CM/L-0618750 1977-06-22	Tribhovandas & Co. Poona (Maharashtra)	IS : 5346-1975	S.O. 284 dated 1981-01-24	1981-06-30
127.	CM/L-0622034 1977-06-30	Sagmap (India), Akola-444001 (Maharashtra)	IS : 2567-1978	-do-	1981-07-31
128.	CM/L-062284 1977-07-08	Original Knitting Co., Tirupur	IS : 4964 (Part II) — 1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-15
129.	CM/L-0623036 1977-07-08	Trupati Industries, Thana	IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1977	S.O. 754 dated 1981-03-07 IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1972	1981-06-30
130.	CM/L-0623137 1977-07-08	D'sal & Co., Bombay-400062 (M.S.)	IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1972	S.O. 754 dated 1981-03-07 IS : 1660 (Part I) — 1967 IS : 1660 (Part II) — 1972 IS : 1660 (Part III) — 1972 IS : 1660 (Part IV) — 1972	1981-08-15
131.	CM/L-0623541 1977-07-08	Nagarjuna Agro & Steel Corporation, Tadepallil, Guntur Distt.	IS : 564-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-15
132.	CM/L-0623642 1977-07-08	Ramakrishna Prasad Pesticides, Kappuravuru Guntur Distt. (A.P.)	IS : 565-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-06-30
133.	CM/L-0625545 1977-07-20	-do-	IS : 564-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-06-30
134.	CM/L-0625949 1977-07-20	Sagmap (India), Akola-444001 (Maharashtra)	IS : 633-1975	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31
135.	CM/L-0631035 1977-07-30	Lilcoah Steel & Wire Co. Ltd., Lilcoah-Howrah	IS : 1786-1979	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31
136.	CM/L-0631338 1977-07-30	Vel Earthmoving Products Pvt. td., Madras-600058	IS : 6750-1972	S.O. 754 dated 1981-03-07	1981-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
137.	CM/L-0634142 1977-08-12	Khoday Industries Pvt. Limited, Bangalore	IS : 4174-1977	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-08-15
138.	CM/L-0635144 1977-08-16	Tarapur Chemicals & Pesticides, Boisar-401501 (Distt. Thana)	IS : 561-1978	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-07-15
139.	CM/L-0636550 1977-08-24	Loharu Steel Inds. Pvt. Limited, Bangalore-560049	IS : 1977-1975	S.O. 755 dated 1981-03-07	1981-08-31
140.	CM/L-0666559 1978-01-13	Sundershan Plywood Industries, Margherita (Assam)	IS : 303-1975	S.O. 1615 dated 1981-05-30	1981-07-31
141.	CM/L-0681353 1978-02-28	Gupta Bakelite Factory, Delhi- 110007	IS : 371-1966	S.O. 1661 dated 1981-06-06	1981-08-31
142.	CM/L-0698774 1978-04-28	Consolidated Pneumatic Tool Co. (India) Limited, Bombay (Maharashtra)	IS : 248-1962	S.O. 1725 dated 1981-06-13	1981-04-30
143.	CN/L-0705543 1978-06-19	Karnataka Agro Chemicals, Bangalore (Karnataka)	IS : 561-1978	S.O. 2002 dated 1981-07-25	1981-07-31
144.	CM/L-0708145 1978-06-28	Sunder Tin Factory, Rohtak (Haryana)	IS : 916-1975	S.O. 2002 dated 1981-07-25	1981-08-31
145.	CM/L-0709844 1978-07-06	Tarapur Chemicals & Pesticides, Distt. Thana (Maharashtra)	IS : 2567-1978	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-15
146.	CM/L-0710435 1978-07-10	Krishna Laminating Industries, Howrah-700006 (W.B.)	IS : 7406-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-09-15
147.	CM/L-0712439 1978-07-21	Jardin Henderson Ltd Calcutta-700035	IS : 7406-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-31
148.	CM/L-0712742 1978-07-21	Hindustan General Industries Ltd., Nangloi, Delhi	IS : 3196-1974	S.O. 2176 dated 1981-08-15	1981-07-31
149.	CM/L-0714847 1978-08-08	Rajgiri Industries, Calcutta-700067	IS (Part IV)— 1974	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-15
150.	CM/L-0717045 1978-08-17	Enpee Wire Inds. (P) Ltd., 24 Parganas (W.B.)	IS : 10 (Part IV) 1976	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-31
151.	CM/L-0718047 1978-08-24	Eltex Engineering Corps. Pvt. Ltd. Coimbatore-641006 (Tamil Nadu)	IS : 7538-1975 & IS : 6595-1972	S.O. 2180-dated 1981-08-15	1981-08-31
152.	CM/L-0718653 1978-08-31	Sri Rama Machinery Corpn. Pvt. Ltd., Madras-300019	IS : 1977-1975	S.O. 2180 dated 1981-08-15	1981-08-31
153.	CM/L-0721743 1978-07-15	Seelans Metal Corporation, Madras-600081 (T.N.)	IS : 1660 (Part I)— 1967	S.O. 2215 dated 1981-08-22	1981-09-15
154.	CM/L-0767064 1979-04-02	B.L. Industries, Jaipur	IS : 1308-1974	S.O. 2774 dated 1981-10-31	1981-04-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
155.	CM/L-0769165 1979-04-02	B.L. Industries, Jaipur	IS : 565—1975	S.O. 2974 dated 1981-10-31	1984-04-15
156.	CM/L-0778267 1979-05-29	Syndicate Steel Re-rolling Mills Ltd. Hyderabad	IS : 226—1975	S.O. 3147 dated 1981-11-21	1981-07-31
157.	CM/L-0783866 1979-07-05	G.R. Chemicals, Madras	IS : 261—1966	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15
158.	CM/L-0785062 1979-07-12	Southern Insecticides & Fertilizers, Madras	IS : 2567—1978	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15
159.	CM/L-0785668 1979-07-12	The Reliance jute & Industries Ltd., Distt. 24 Parganas (West Bengal)	IS : 3994—1967	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15
160.	CM/L-07858769 1979-07-13	Krishna Metal Inds. Hyderabad	IS : 1786—1966	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-15
161.	CM/L-0786872 1979-07-19	Madhu Allied Agro Chemical Corp., Guntur Distt.	IS : 633—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31
162.	CM/L-0787369 1979-07-20	Cochin Tin Factory, Cochin-682005	IS : 10 Part (IV)— 1976	S.O. 3443 dated 1981-12-16	1981-07-31
163.	CM/L-0788270 1979-07-25	Syndicate Steel re-rolling Mills Ltd. Hyderabad	IS : 1786—1979	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31
164.	CM/L-0788472 1979-07-25	Nagpur Steel & Alloys Pvt. Ltd. Nagpur-440016	IS : 226—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31
165.	CM/L-0788775 1979-07-25	Shri Bajrang Electric Steel Co. Pvt. Limited, Ghusuri, Howrah (W.B.)	IS : 226—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31
166.	CM/L-0788876 1979-07-25	-do-	IS : 1977—1975	S.O. 3443 dated 1981-12-26	1981-07-31
167.	CM/L-0791966 1979-08-09	Shri Venkateswara Chemical Inds., Adoni (Kurnool Distt.)	IS : 562—1978	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-15
168.	CM/L-0792463 1979-08-10	Ramu Foundry, Coimbatore-641037 (Tamil Nadu)	IS : 6595. 1972	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-15
169.	CM/L-0792968 1979-08-17	Air Foam Industries Pvt. Ltd. Madras-600058	IS : 4989—1974	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31
170.	CM/L-0793465 1979-08-20	Aruna Steel Rolling Mills, Madurai Distt.	IS : 1977—1975	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31
171.	CM/L-0793768 1979-08-22	Sharp Thermometer Industries, New Delhi	IS : 3055 (a Part I) — 1977	S.O. 3446 dated 1981-12-26	1981-08-31
172.	CM/L-0799376 1979-09-11	Shelat Brothers, Madras-600020	IS : 1051—1973	S.O. 1772 dated 1981-05-15	1981-09-15
173.	CM/L-0799477 1979-09-12	Bluemount Switchgears Associates P. Limited, Coimbatore-641009 (Tamil Nadu)	IS : 1520—1972 IS : 325—1978	S.O. 1772 dated 1981-05-15	1981-09-15
174.	CM/L-0813041 1979-11-12	Bhagsons Paints Industries (India), Delhi-110042	IS : 2932—1974	S.O. 1832 dated 1982-05-22	1981-08-31
175.	CM/L-0813950 1979-11-12	-do-	IS : 2933—1975	S.O. 1832 dated 1982-05-22	1981-08-31
176.	CM/L-0854156 1980-03-31	Consolidated Steels & Alloys Ltd., Distt. Morena (M.P.)	IS : 6914—1978	S.O. 3352 dated 1983-12-10	1981-04-15

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
177. CM/L-0854257 1980-03-31	Consolidated Steels & Alloys Ltd. Distt. Morena (M.P.)	IS : 6915—1978	S.O. 4452 dated 1983-12-10	1981-04-15	
178. CM/L-0864260 1980-04-22	Tayabi Bucket Factory Bombay	IS : 2552—1979	S.O. 4453 dated 1983-12-10	1981-04-30	
179. CM/L-0871156 1980-06-05	Sulphur Millt Pvt. Ltd., New Bombay (Maharashtra)	IS : 633—1975	S.O. 4459 dat,d 1983-12-10	1981-06-15	
180. CM/L-0871257 1980-06-05	Central Insecticides & Fertilizers, Bombay	IS : 565—1975	S.O. 4459 dat,d 1983-12-10	1981-06-15	
181. CM/L-0872158 1980-06-05	Godavari Plywood Limited, East Godavari Distt. (A.P.)	IS : 4990—1969	S.O. 4459 dat,d 1983-12-10	1981-06-15	
182. CM/L-0875366 1980-06-13	Safex Fire Services Bombay	IS : 2171—1976	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-06-30	
183. CM/L-0876267 1980-06-18	Nulife Industries, Madras-600098	IS : 261—1966	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-06-30	
184. CM/L-0877370 1980-06-30	Shah Steels Industries Pvt. Ltd., Distt. Thana	IS : 4224—1972	S.O. 4459 dated 1983-12-10	1981-07-15	
185. CM/L-0878377 1980-07-09	Marathwada Alloy Steel Co. Ltd., Aurangabad	IS : 6915—1978	S.O. 3453 dat,d 1983-12-17	1981-07-15	
186. CM/L-0879374 1980-07-10	Steel Authority of India Ltd., Durgapur (W.B.)	IS : 4398—1972	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-15	
187. CM/L-0881057 1980-07-14	Indore Wire Co. Ltd. Indore-452000 (M.P.)	IS : 1785 (Part I)— 1966	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-07-31	
188. CM/L-0880258 1980-07-14	Indore Wire Co. Limited, Indore 452000 (M.P.)	IS : 003—1970	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-31	
189. CM/L-0880460 1980-07-14	Bright Cables, D. I. I. I-110052	IS : 694—1977	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-31	
190. CM/L-0880763 1980-07-16	Varuni Cleaners Works Madurai-62500 (T.N.)	IS : 8401—1977	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-31	
191. CM/L-088161 1980-07-23	Varuna-Vayu Food (P) Limited, Nasik-422007 (Maharashtra)	IS : 1011—1968	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-31	
192. CM/L-0881666 1980-07-23	Krishna Steel Industries Limited, Thane	IS : 1977—1975	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-31	
193. CM/L-0884266 1980-07-29	Hindustan Pulv.rising Mills, Bombay-400093	IS : 2567—1978	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-15	
194. CM/L-0884367 1980-07-29	-do-	IS : 633—1975	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-07-15	
195. CM/L-0884973 1980-07-30	Canara Chemical Inds New Mangalore-575010 (Karnataka)	IS : 261—1965	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-08-15	
196. CM/L-0885066 1980-07-30	Monark Engineering Co. Bombay-400010	IS : 933—1976	S.O. 4533 dated 1983-12-14	1981-08-15	
197. CM/L-0885167 1980-07-30	-do-	IS : 933—1976	S.O. 4533 dat,d 1983-12-17	1981-08-15	
198. CM/L-0885874 1980-07-31	Modern Chemicals, Distt. Shimoga (Karnataka)	IS : 2568—1978	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-08-15	
199. CM/L-0886674 1980-07-31	-do-	IS : 7121—1973	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-08-15	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
200. CM/L-0836775 1980-07-31	M. M. Agroch mical Industrial s. M. M. Agroch (U.P.)	IS : 561—1978	S.O. 4533 dated 1983-12-17	1981-07-31	
201. CM/L-0890059 1980-08-19	Anil R. -rolling Mills (P) Limited, Bengaluru-560058	IS : 1786—1979	S. O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
202. CM/L-0891063 1980-08-22	Jagdish Rolling Works, Kanpur (U.P.)	IS : 1977—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
203. CM/L-0892265 1980-08-22	Kannapiran Iron Steel R. -rolling Mills, Coimbatore-641029	IS : 226—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	
204. CM/L-0391366 1980-08-22	Kannapiran iron steel R. -rolling Mills. Coimbatore-641029	IS : 1977—1975	S.O. 4531 dated 1983-12-17	1981-08-31	

[N.C.C.M.D./13 : 14]

का. धा. 2343.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम, 1955 के विनियम 4 के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि नीचे अनुसूची में जिन भारतीय मानकों के संशोधन वर्णन किये गये हैं उक्त विनियमों के विनियम 3 के उपविनियम (1) के मध्ये निम्न प्रदत्त विवरणों के अनुसार जारी किये गये हैं:—

अनुसूची

क्रम संशोधित भारतीय मानक संस्था से की संख्या और पदनाम	गणठना विधिसूचना की संख्या एवं तिथि जिसमें भारतीय मानक का नियांरण प्रधिसूचित हुआ था	संशोधन की संख्या एवं तिथि	संशोधन का संक्षिप्त विवरण	संशोधन लागू होने की तिथि
--	--	---------------------------	---------------------------	-----------------------------

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 10(भाग 1) 1976 एस ओ 97 प्लाईवुड की चाप की टेटियों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य (चौथा पुनरीक्षण)	गणठना विधिसूचना की संख्या एवं दिनांक 12 जनवरी, 1980	नं 3 अगस्त 1983	[पृष्ठ 5, सारणी 1, स्टम्प 2, क्रम संख्या (II) मद (4), संशोधन में 1 एवं 2 देखें] मद 3 के बाद नियांरण नया मद जोड़ें: “4 [20 से 30 ग्रा/मी ² कागज वाली 0.009 मीमी की परतदार एलुमि- नियम पर्सी, IS : 8970—1978 भौषणीय एवं खाद्य पदार्थों की बोनाई हेतु एलुमिनियम कागज की परतदार पर्सी की विशिष्टि के समानुरूप		1983-08-31
2. IS : 1977-1977 सूती एस ओ 2118 द्रिल की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 9 अगस्त 1980	नं 4 जूलाई 1980	सारणी 1 की संशोधित किया गया है।		1983-07-31
3. IS : 179-1977 सूती गही दोसूती की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)		नं 2 जूलाई 1983	(पृष्ठ 5, सारणी 1 स्टम्प धीर्घक “परिमाण”) “परिमाण” के स्थान पर “परिमाण” जी/एम ² कर दें।		1983-07-31
4. IS : 205-1979 अलोह एस ओ 2863 घातु के प्रकार कड़ों की विशिष्टि	दिनांक 17 अक्टूबर 1981	नं 1 अगस्त 1983	1. सारणी 1, 2 तथा 6 की संशोधित किया गया है। 2. “+” चिन्ह वाली पाद टिप्पणी के बाव (पृष्ठ 9) पर “+” चिन्ह वाली भई पाद टिप्पणी जोड़ी गई है।		1983-08-31
5. IS : 208-1979 द्वार हथ्यों की विशिष्टि (सीसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 3 सितम्बर 1983	नं 2 जूलाई 1983	सारणी 2 का संशोधन किया गया है।		1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. IS : 210-1978 धूमर	एम ओ 1550 नोहे की डलाई की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	दिनांक 23 मई 1981	नं 1 प्रगत्य 1981	1. (पृष्ठ 4, "+" विन्ह बाली पाद टिप्पणी) वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : "+" धातृ कमीय सामग्री की सापृति हेतु सामान्य प्रयोगार्थ ।" 2. (पृष्ठ 13, परिविष्ट सी, स्तम्भ शीर्षक "एकक") —इस स्तम्भ में जहाँ कही भी यह मात्रा हो वह "जी एन/एम एम ³ " के स्थान पर "अधिक" कर दें ।	1983-08-31
7. IS : 269-1976 सामान्य एवं धूल्य नाप पोर्टलैंड सीमेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)			नं 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, पारणी 1, कम संख्या (III), स्तम्भ 3) —वर्तमान सामग्री के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : "4 प्रतिशत से अधिक नहीं" 2. (पृष्ठ 6, खण्ड 9, 2, सारा वाक्य) हटा दें । 3. खण्ड 0, 4, 1 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ा गया है ।	1983-07-31
8. IS : 302-1970 धूम्र एवं गैसे ही विज्ञानी के उप- करणों की सामान्य एवं सुख्खा अवैधार्य (पांचवा पुनरीक्षण)	एस ओ 3611 दिनांक 24 मित्तम्बर 1983		नं 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 19, खण्ड 7, 1 (ही) वर्तमान मध्य के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : "ही" बादस में निर्गत गति प्रवया एम्पियरसा में कारब्ट गति । 2. खण्ड 0, 7 के बाद खण्ड 0, 8 जोड़ा गया है और अनुवर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संख्या की गई है । 3. बाद टिप्पणी सहित खण्ड 33, 1, 33, 2 का संक्षेपन किया गया है । 4. "ही" विन्ह बाली बाद टिप्पणी के बाद "+" विन्ह बाली एक नई बाद टिप्पणी (पृष्ठ 110) पर जोड़ी गई है । सारणी 2 एवं 4 को संशोधित किया गया है ।	1983-07-31
9. IS : 363-1976 कुण्डों एवं स्टेपलों की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 417 दिनांक 23 फरवरी 1980		नं 1 जुलाई 1983		1983-07-31
10. IS : 455-1976 पोर्टलैंड स्लैग सीमेंट की विशिष्टि (तीसरा पुनरीक्षण)	एस ओ 3822 दिनांक 24 नवम्बर 1979		नं 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 4, 2, प्रत्यौपचारिक सारणी, दूसरा स्तम्भ, प्रत्यक्षित परिक्षित) "2, 5" के स्थान पर "4" कर दें । 2. (पृष्ठ 9, खण्ड 8, 2, दूसरा वाक्य) हटा दें । 3. खण्ड 0, 6 के बाद एक नया खण्ड जोड़ा गया है तथा अनुवर्ती खण्डों को तदनुसार फिर से संख्याक्रित किया गया है ।	1983-07-31
11. IS : 565-1975 ईडीटी एस ओ 1598 जल विसर्जनीय धूर्ण साम्र की विनांक 18 मई 1979 विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)			*नं. ३ प्रगत्य 1983	खण्ड 2, 1, 1 के बाद एक नया खण्ड 2, 1, 2 जोड़ा गया है ।	1983-08-31
12. IS : 633-1975 ईडीटी एस ओ 1597 पायसनीय साम्र की विशिष्टि विनांक 19 मई 1979			*नं. ३ प्रगत्य 1983	खण्ड 2, 1, 1 के बाद एक नया खण्ड 2, 1, 2 जोड़ा गया है ।	1983-08-31
13. IS : 1113-1965 धमो- नियम बलोराइट, तापनीकी एवं शूद्र की विशिष्टि (पनरीक्षण)	एस ओ 2820 दिनांक 11 मित्तम्बर 1965		नं 2 जुलाई 1983	खण्ड बी-4 से बी-4, 2, 1 के स्थान पर नये खण्ड दिये गये हैं ।	1983-07-31

*प्रत्यक्षित साम्रक संख्या का प्रसारण विन्ह इतु यह मंजूरी दी गयी ।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
14. IS: 1184-1977 सूती वस्त्र उद्योग के लिए मर्कर्ट की जारी की विधियि (इमरा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2118 विनाक 9 अगस्त 1980	नं. 2 प्रगत 1983	(पह तशीघन मुख्यतः विस्का- सिता के मूल्यों की जो कि मानक में असाधारी आवधार पर विए गए थे। देने हेतु जारी किया गया है। प्रोटीन तत्त्व की आवश्यकता को हटाया आ रहा है क्योंकि इसे अकार्यात्मक आवश्यकता समझा जाता है जबकि वस्त्र उद्योग में मर्ही का प्रयोग होता है।	1983-08-31	
15. IS: 1239 (भाग 1)- 1965 भृंत इसात की ट्यूबों, नलाकार एवं ग्राम पिटाया इसात की फिटिंगों विधियि भाग 1 भृंत इसात द्यूब (जीधा पुनरीक्षण)	एस. ओ. 1341 विनाक 3 अप्रैल 1982	नं. 3 जूलाई 1983	1. खण्ड 6.1 एवं 6.1.1 के स्थान पर मर्ही खण्ड विए गए हैं। 2. (पृष्ठ 6, “*” एवं “+” चिह्नों वाली पाद टिप्पणियां) वर्तमान पाद टिप्पणियों के स्थान पर निम्नलिखित कर दें: “इसात के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ”	1983-07-31	
16. IS: 1264-1981 पीली की जनन डाई डसाई (बातु पिण्ड एवं डसाई) की विधियि (इमरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जूलाई 1983	(पृष्ठ 4, सारणी 2, स्तम्भ येड डी सी बी 2 के अन्तर्भूत इसरों प्रविधि) — “20” के स्थान पर “15” कर दें।	1983-07-31	
17. IS: 1283-1968 साइकिल के फोल्डर तथा चेन को विधियि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 4 सितम्बर 1981	1. पृष्ठ 3 पर वर्तमान आकृति 1 के स्थान पर नई आकृति दो गई है। 2. खण्ड 11.1 के स्थान पर नया खण्ड किया गया है। 3. (पृष्ठ 8) पर “-” चिह्न वाली वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1981-09-30	
18. IS: 1283-1968 साइ-किल की फोल्डर एवं चेन की विधियि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 5 अक्टूबर 1983	खण्ड 10.1 तथा 10.2 के स्थान पर नए खण्ड विए गए हैं।	1983-10-31	
19. IS: 1342-1978 तेल एस. ओ. 3450 याव स्टोबों को विधियि विनाक 2 अक्टूबर 1982 (इमरा पुनरोक्षण)	—	नं. 2 जूलाई 1983	1. खण्ड 9.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 6, खण्ड 6.1.3)–खण्ड 6.1.3 के अन्त में निम्नलिखित नया वायर जोड़ दें: “टार्म जब स्टोब के मुख्य भाग से जोड़ा जाए तो स्पर्श के स्थान पर बराबर होता है।	1983-07-31	
20. IS: 1371-1978 शीथो- ग्रिहकियों की विधियि (पहला पुनरीक्षण)	एस. ओ. 2862	नं. 1 जूलाई 1983	1. खण्ड 5.2, 6.4, 8.1 तथा 9.9 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. वर्तमान आकृति 3 (पृष्ठ 10) एवं आकृति 5 (पृष्ठ 13) के स्थान पर नई आकृतियाँ दी गई हैं। 3. (पृष्ठ 11, खण्ड 9.3, पहली पंक्ति)–“Standardized के स्थान पर “Sherardized” कर दें।	1983-07-31	

*भारतीय मानक संस्था की प्रमाणन वित्त योजना हेतु यह संशोधन 1984-02-16 से सार्ग होगा।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
21. IS: 1417-1981 मोना — एवं सोना मिश्र धातु के घेड (हसरा पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983	4. (पृष्ठ 17, खण्ड 10.1, सौसारा पंक्ति) — “20 मीमी” के स्थान पर “25 मीमी” कर दें। 5. खण्ड 11.1 का संशोधन किया गया है। 6. (पृष्ठ 16, खण्ड 9.7) — खण्ड 9.7 के अंत में निम्नलिखित नई सामग्री जोड़ दें : “पकड़ 3.15 एम एम पतली मृदु इस्पात की चाशर से बनाई जाएगी।		
22. IS: 1489-1976 पोर्ट-एस. नो. 3822 लैड पोजोलाना सीमेंट की दिनांक 24 नवम्बर 1979 विशिष्टि (हसरा पुनरीक्षण)		नं. 2 जुलाई 1983	7. खण्ड 9.9 एवं 11.1 के बावजूद कमानुसार खण्ड 9.10 एवं 11.1.1 जोड़े गए हैं। खण्ड 3.1 की अनोपचारिक सारणी को संशोधित किया गया है।	1983-07-31	
23. IS: 1540 (भाग 2) — एम. नो. 1728 दिनांक 1978 रासायनिक उत्थोन 15 अक्टूबर 1981 हेतु प्राकृतिक चूने एवं जल- योजित चूने की विशिष्टि भाग 2 जलयोजित चूना (हसरा पुनरीक्षण)		नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 3.1.2 (वा), पंक्ति 4) — “50 के जो/सी एम” के स्थान पर “40 किलो/मीटर” कर दें। 2. (पृष्ठ 7, खण्ड 5.2) — छुटा दें। 3. सारणी 1 का संशोधन किया गया है। 4. खण्ड 0.6 के बाद जपलखण्ड 0.6.1 जोड़ा गया है। 5. खण्ड 0.6.2 के बाद खण्ड 0.7 जोड़ा गया है और प्राकृ- तिक खण्डों की सबनुसार फिर संरचनाकृति किया गया है। 1. खण्ड 5.2.1 एवं 5.3.1 को संशोधित किया गया है। 2. खण्ड 5.3.1 एवं 5.3.2 के स्थान पर उन खण्ड दिए गए हैं।	1983-07-31	
24. IS: 1543-1964 एक एस. नो. 1501 भित्तिहार वाले इवन इंजेक्शन दिनांक 8 मई 1983 गान पम्पों की विशिष्टि (पुनरीक्षण)		नं. 1 ¹ मित्रम्बर 1983	1. खण्ड 6.2 के स्थान पर भया खण्ड दिया गया है। 2. ग्राफ्टिंग 4 के अन्तर्गत एक नया नोट जोड़ा गया है। 3. खण्ड 6.3 को संशोधित किया गया है। 4. सारणी 1 का संशोधन किया गया है।	1983-09-30	
25. IS: 1606-1977 सूतो एस. नो. 2118 बस्त्र उत्थोग के टैपियोका दिनांक 9 अगस्त 1980 स्टार्च की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		नं. 2 ¹ जुलाई 1983	खण्ड 2.1 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31	
26. IS: 1624-1974 भयन एस. नो. 988 निर्माण की चूने के खेत दिनांक 6 मार्च 1980 परीक्षण के विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)		नं. 2 ¹ जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2.3, घोषी पंक्ति) — “बेंगो थी” के स्थान पर “ब्रेंगी ए” कर दें।	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
27. IS : 1848-1991 लेखन एवं लेखाई के कागज की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जूलाई 1983	2. (पृष्ठ 5, खण्ड 5, 2, अन्तिम परिवर्तन)—"श्रेणी शी" के स्थान पर "श्रेणी ए" कर दें। 1. खण्ड 4, 2 (सो) की वर्तमान सामग्री के स्थान पर नई सामग्री दी गई है।	1983-07-31	
28. IS : 1856-1977 लेखाई एस. औ. 1606 कार्यों के इस्पात के तारंके दिनांक 14 जून 1980 रसों की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 मार्गस्त 1983	2. खण्ड 0, 3 के बाद नए खंड 0, 3, 1 एवं 0, 3, 2 जोड़े गए हैं। 3. खण्ड 3, 2 के बाद एक नई टिप्पणी जोड़ी गई है। 4. खण्ड 5, 3, 2 के बाद एक नया परिशिष्ट ए जोड़ा गया है। 1. सारणी 3 एवं 4 को संशोधित किया गया है।	1983-08-31	
29. IS : 1979-1971 उच्च एस. औ. 3255 परीक्षण लाइस लाइस की दिनांक 24 नवम्बर 1973 विशिष्टि	—	नं. 1 जूलाई 1983	2. सारणी 1 में नई प्रक्रियाओं की गई है। 3. (पृष्ठ 2, सारणी 1, टिप्पणी 2) — टिप्पणी 2 के बाद निम्नलिखित नई टिप्पणी जोड़ी गई है: "टिप्पणी 3" कोष्ठ क बाला सांकेतिक ब्याप्त भवरीय है।	1983-07-31	
30. IS : 2033-1977 सूती एस. औ. 21 18 बस्त उद्घोग के ईपियोका दिनांक 9 मार्गस्त 1980 आटे की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जूलाई 1983	1. खण्ड 6, 1 के स्थान पर नया खण्ड किया गया है। 2. (पृष्ठ 5) पर "एस" लिहन बाली बाद टिप्पणी के स्थान पर नई पारं टिप्पणी दी गई है। यह संबोधन मुख्यतः लसीकापन के मूल्यों को देने हेतु जारी किया गया है जो कि इस मानक में लेखाई आवार से विषय गए थे।	1983-07-31	
31. IS : 2039-1981 साइ- क्लिं एवं सम्बद्ध प्रयोग हेतु इस्पात की ट्रॉफी की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जूलाई 1983	1. खण्ड 7, 2 के स्थान पर नया खण्ड किया गया है। 2. (पृष्ठ 6) पर "एस" लिहन (बाली बर्टमान टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	
32. IS : 2200-1973 शैलिक एस. औ. 7776 सूती बाली परिवर्ती ऊंचाई दिनांक 21 फरवरी 1976 की देखत बाली पेषण मसीनों के परीक्षण लाई (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 4 मार्गस्त 1983	(पृष्ठ 8, 1 ज्यामितीय परीक्षण (संशोधन नं. 2 भी देखें) क्रम संख्या 15, सम्म 5, स्थानापन ii)—"a" तथा "b" के स्थान पर क्रमानुसार "a" और "b" कर दें।	1983-08-31	
33. IS : 2257-1981 कागज के लेपवार तरल गोद तथा कार्पोलाय पेस्ट लाइस, की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 मार्गस्त 1983	1. खंड बी-2, 4 एवं बी-3, 1 को संशोधित किया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खंड बी-2, 1, परिवर्तन 2) — "सामग्री के" के बाद "उसी प्रकार के और" जोड़ दें।	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
34. IS: 2325-1981	मोटरों के लिए बैटरी का चल प्रज्वलन तंत्र की प्र अवलम्बन कार्यताओं की विधिविटि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 9, छंड 7. 0. 4 टिप्पणी) — हटा दें। 2. छंड 7. 0. 4 के बाद नया छंड 7. 0. 4, 1 जोड़ा गया है। 3. बी-1, 7(४) के बाद नयी परि- शिष्ट सी जोड़ी गई है। 1. सारणी 2 को संशोधित किया गया है। 2. वर्तमान भारूति-1 (पृष्ठ 7) के स्थान पर नई भारूति दी गई है। छंड 2. 1 के स्थान पर नया छण्ड दिया गया है।	1983-07-31
35. IS: 2552-1979	इस्यात एस.ओ. 3449 के द्वारा (कलार्डियर एवं बिना विनांक 2 अक्टूबर, 1982 कलार्डियर) की विधिविटि (इसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 1 मार्च 1984	1. सारणी 2 को संशोधित किया गया है। 2. वर्तमान भारूति-1 (पृष्ठ 7) के स्थान पर नई भारूति दी गई है। छंड 2. 1 के स्थान पर नया छण्ड दिया गया है।	1984-03-31
36. IS: 2512-1965	विद्युत एस.ओ. 2042 घटकों के हेतु टाइप भ्रम्म- विनांक 26 जून, 1965 मोटर एवं नमूना प्रक्रिया की सिफारिश	—	नं. 1 जुलाई 1983	छंड 2. 1 के स्थान पर नया छण्ड दिया गया है।	1983-07-31
37. IS: 2716-1972	हरे एस.ओ. 770 झर्क की विधिविटि (पहला विनांक 8 मार्च, 1975 पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जुलाई 1983	छंड 7. 2, 7. 2. 1 एवं 7. 2. 2 के स्थान पर नए छंड दिए गए हैं।	1983-07-31
38. IS: 2720 (भाग II)-	एस.ओ. 398 1971 मिट्टी के परीक्षण की विनांक 5 फरवरी 1972 विधियों भाग 11 छिक्क पार्सी को माप के बिना भ्रासमेकिल अनपचाह द्राइग्राकिसपल संपीडन में जोड़े नमूने के प्रति- चल भ्रमता प्रावधान की मिशनरी	—	नं. 3 अगस्त 1983	1. छंड 2. 2. 10 एवं 4. 3 को संशो- धित किया गया है। 2. “*” चिन्हों वाली वर्तमान पार टिप्पणियों (पृष्ठ 5 एवं 9) के स्थान पर नई पार टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31
39. IS: 2720 (भाग 19)-	एस.ओ. 3866 1954 मिट्टी परीक्षण की विनांक 14 अक्टूबर, 1984 विधियों भाग 19 भ्रासमी नमी सम बात करना	—	नं. 1 अगस्त 1983	छंड 3(४) तथा 4. 1 को संशोधित किया गया है।	1983-08-31
40. IS: 2720 (भाग 22)-	एस.ओ. 1265 1972 मिट्टी परीक्षण की विनांक 25 मई, 1974 विधियों भाग 22 कार्बनिक सामग्री बात करना (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 अगस्त 1983	1. छंड 3. 1. 3 एवं 5. 1 को संशो- धित किया गया है। 2. “*” चिन्ह एवं “+” चिन्हों वाली वर्तमान पार टिप्पणियों (पृष्ठ 5) के स्थान पर नई पार टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31
41. IS: 2720 (भाग 34)-	एस.ओ. 510 1972 मिट्टी परीक्षण विधियाँ विनांक 23 फरवरी, 1974 भाग 34 स्वातं पर खड़- गुम्बारा विधि द्वारा मिट्टी का घ्रनत्व बात करना	—	नं. 1 अगस्त 1983	1. छंड 2. 3 एवं 4. 4 को संशोधित किया गया है। 2. “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4), और “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 6) और “*” चिन्ह वाली (पृष्ठ 8 एवं 9) की वर्तमान पार टिप्पणियों के स्थान पर नई पार टिप्पणियाँ दी गई हैं। 3. छंड 3. 1 और 4. 3 की टिप्पणियों का संशोधन किया गया है।	1983-08-31
42. IS: 3040-1980 भारतीय	सेमख की रई की विधिविटि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 अगस्त 1983	भराई सामग्री के रूप में प्रयुक्त सेमख की रई के विभिन्न बालस्तिक नामों को स्पष्ट करने हेतु यह संशोधन जारी किया गया है।	1983-08-31
43. IS: 3224-1979	इविय पेट्रोलियम गैस (एस.वी.जी.) मिलिडरों के भ्रासाना संपीडन गैस सिसिडरों के पाल्यक्रिटियों की विधिविटि (इसरा पुनरीक्षण)	—	नं. 2 विसंवत्त 1983	(पृष्ठ 25, सारणी 10 टिप्पणी) — हटा दें।	1985-12-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
44. IS: 3236-1980 सामान्य प्रयोग हेतु प्रबलस्त्रीय सिरिज की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 4, खंड 0, 3, 1, प्रभिति वाक्य) —हटा दें। 2. (पृष्ठ 8, खंड 5, 1) —खंड 5, 1 के बाद निम्नलिखित नए संख्याओं को जोड़े जाया अनुबर्ती संख्याओं की तबनुसार फिर से संख्याक्रित करें। “5, 1, 1 टाइप 1 के सिरिजों पर “विनमय योग्य” शब्द भी अंकित होना चाहिए।”	1983-07-31	
45. IS: 3400 (भाग 11) — एस.ओ. 1236 1960 बनकीकूह रखड़ की विनाक 4 अप्रैल 1970 परीक्षण विधियां, भाग 11 प्रतिप्रति नोंद	—	नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 5, खंड 4, 1, 1, 1 प्रभिति 4) — “400.00 + 0.04” के स्थान पर “4.00 + 0.04” कर दें।	1983-07-31	
46. IS: 3464-1980 प्लास्टिक का कार्बन धावरक एवं दीवार की टाइलों की परीक्षण विधियां (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 अगस्त 1983	(पृष्ठ 16, खंड 14, 3 प्रभिति 1) — “150 मी मी” के स्थान पर “150 मी मी” कर दें।	1983-08-31	
47. IS: 3466-1967 चिनाई एस.ओ. 287 सीरेंट की विशिष्टि (पहला विनाक 20 जनवरी 1968 पुनरीक्षण)	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. खंड 2, 1 के स्थान पर नया खंड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खंड 10, 2 दूसरा वाक्य) —हटा दें। 3. खंड 0, 3, 1 के बाद नया खंड 0, 4 जोड़ा गया है और अनुबर्ती संख्याओं को तबनुसार फिर से संख्याक्रित किया गया है। 1. (पृष्ठ 3, खंड 0, 2, प्रभिति 3) — “IS: 2285-1963*” के स्थान पर “IS: 2285-1974*” कर दें। 2. (पृष्ठ 3, “*” चिन्ह वाली पाद टिप्पणी) —अर्थात् पाद टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : “*” दसवां सोहे की तस प्लेटों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) 3. “*” एवं “+” चिन्ह वाली पाद टिप्पणियां (पृष्ठ 4) के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं।	1983-07-31	
48. IS: 3510-1966 औजार एस.ओ. 2602 विमान के फ्लैट एवं उच्च विनाक 27 अगस्त 1968 परिष्कृत तस प्लेटों की विशिष्टि	—	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 14, खंड 10, 1, 3 प्रभिति 3) — “पर” के स्थान पर “अचाना” कर दें। 2. खंड 7, 1, 1 को संशोधित किया गया है।	1983-07-31	
49. IS: 3829-1978 दाव एस.ओ. 2863 दाव घासे औतिज बेलनाकार विनाक 17 अक्टूबर, 1981 एवं औतिज भायताकार बाल निजमकों द्वायताल एवं औतिज प्रयोग हेतु की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	—	नं. 2 जुलाई 1983	खंड 5, 2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-07-31	
50. IS: 3918-1966 जल एस.ओ. 1972 प्रवाह के माप हेतु (कप विनाक 10 जनवरी 1967 दाव) धारा मापी के प्रयोग की रीति संहिता	—	नं. 1 जुलाई 1983	खंड 5, 2 के स्थान पर नया खंड दिया गया है।	1983-07-31	
51. IS: 3961 (भाग 3) — एस.ओ. 368 1968 के बलों की सिफारिश विनाक 25 जनवरी 1969 कर्टन रेटिंग, भाग 3 रखड़ रोधित के बले	—	नं. 1 सितम्बर 1983	(पृष्ठ 3, खंड 3, 1, प्रभिति (बी), दूसरे स्तरप्ति के बीच) — “किसपदार सीधी एवं असंलग्न” के स्थान पर किसपदार सीधी एवं असंलग्न कर दें।	1983-09-30	

*भारतीय मानक संस्था की प्रभागन विनायक परियोजना हेतु यह संसोधन 84-01-01 से लागू होगी।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
52. IS : 4246-1978	इविस एस औ 2584 येटोलियम गैस के साथ प्रयोग दिनांक 3 अक्टूबर 1981 के बारेमूलीस स्टोरों की विधियाँ	नं. 2 जुलाई 1983	बर्तमान खंड 28. 1 (एफ) के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।		1983-03-31.
53. IS : 4301-1967	उलाई- एस.ओ. 520 भर की अपटी तूशों की विधि दिनांक 10 फरवरी, 1968 विधियाँ	मं. 2 जुलाई 1983	(पृष्ठ 6, खण्ड 16. 1, टिप्पणी)- बर्तमान टिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें : “टिप्पणी—एसटीपी पर 1 लीटर गैस का समूह—2. 46 ओ.”		1983-07-31
54. IS : 4308-1982	धाग बूझाने के शुष्क चूर्ण की विधि विधियाँ (पहला तुरंत्रीकरण)	—	2. खण्ड 17. 3 को संशोधित किया गया है। 3. खण्ड 0. 2 के बाद नया खण्ड 0. 2. 1 जोड़ा गया है।		
55. IS : 4332 (भाग 1)- 1967	स्थिरीकृत निट्रो की परीक्षण विधियाँ, धाग 1 नमूने सेने एवं परीक्षण हेतु स्थिरीकृत निट्रो तैयार करने की विधियाँ	एस.ओ. 683 दिनांक 24 फरवरी 1988	मं. 1 अगस्त 1983	(पृष्ठ 5, आकृति 1, ऊपर की आकृति)—“170” के स्थान पर “190” कर दें।	1983-07-31
56. IS : 4332 (भाग 3)- 1976	स्थिरीकृत निट्रो की परीक्षण विधियाँ, धाग 3 स्थिरीकृत निट्रो मिश्र- णों के जलाशय शुल्क घटात सम्बन्ध ज्ञात करने के लिए परीक्षण	एस.ओ. 1719 दिनांक 18 मई 1968	मं. 1 अगस्त 1983	(पृष्ठ 5, खण्ड 3. 2, पंक्ति 3)—“10 से और अधिक” के स्थान पर “और 10 से अधिक नहीं” कर दें। 1. खण्ड 3. 2. 1 एवं 3. 3 का संशोधन किया गया है। 2. “—” चिह्न वाली बर्तमान पाद- टिप्पणियाँ (पृष्ठ 5 एवं 6) के स्थान पर नई पाद टिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31
57. IS : 4332 (भाग 4)	एस.ओ. 3152	नं० 1	1. खण्ड 2. 1, 3. 6, 7. 1, 3. 1 एवं 7. 2. 3 का संशोधन किया गया है। 2. खण्ड 3. 1 से 3. 2. 1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 3. “*” चिह्न वाली पादटिप्पणियाँ (पृष्ठ 4. 7, 10 एवं 11) के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं। 4. (पृष्ठ 5 एवं 6, आकृति 1. 2 एवं 3)—हटा दें। 1. खण्ड 2. 1 एवं 3. 2 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. (पृष्ठ 5, खण्ड 3. 1. 3, पंक्ति 2)— “IS : 269-1967† यथा IS : 455-1967” के स्थान पर IS : 269-2976† यथा IS : 455- 1976” कर दें। 3. “†” एवं “‡” चिह्नों वाली बर्तमान पादटिप्पणियाँ (पृष्ठ 5) के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं।	1983-08-31	
58. IS : 4332 (भाग 8)-1969	एस.ओ. 4848 स्थिरीकृत निट्रो की परीक्षण विधियाँ, धाग 8 चूने वाली स्थिरीकृत मिट्टी में चूने का प्रशंस ज्ञात करना	दिनांक 6 दिसम्बर 1969	मं. 1 अगस्त 1983	1. (पृष्ठ 4, खण्ड 3. 5, पंक्ति 2)— “IS : 460-1962*” के स्थान पर “IS : 460 (भाग 1)-1976*” कर दें। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4, 5, 8 एवं 13) पर बर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणीयाँ दी गई हैं।	1983-08-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
59. IS : 4332 (भाग 9) —	एस.ओ. 1635 1970 स्थिरीकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 9 बिटूमन एवं डामर स्थिरीकृत मिट्टी में बिटूमनी स्थिरीकारक अंग भात करमा	दिनांक जुलाई 1972	नं. 1 ग्रामस्त 1983	1. खण्ड 2, 1, 3, 8, 1 एवं 13, 4 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4, 5, 8 एवं 13) पर बर्तमान पादटिप्पणियों के स्थान पर नई पादटिप्पणियाँ दी गई हैं। 3. (पृष्ठ 8, खण्ड 6, 5, टिप्पणी) — “IS : 1215-1958*” के स्थान पर “IS : 1215-1978*” कर दें।	
60. IS : 4332 (भाग 10) —	एस.ओ. 3544 1969 स्थिरीकृत मिट्टी की परीक्षण विधियाँ, भाग 10 मिट्टी बिटूमनी मिश्रणों की परीक्षण	दिनांक 25 सितम्बर 1971	नं. 1 ग्रामस्त 1983	1. (पृष्ठ 8, खण्ड 2, 10, पंक्ति 2) — “IS : 460-1962*” के स्थान पर “IS : 460 (भाग 1)-1978*” कर दें। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 8) पर बर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-08-31
61. IS : 4503-1976 शेल एवं द्यूब टाइप भाले ताप वि- नियमों की विशिष्टि	एस.ओ. 4599 दिनांक 28 अक्टूबर 1968		नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 22, खण्ड 10, 3, 2, पंक्ति 2) — “चार गुण” के स्थान पर “11/2” कर दें।	1983-07-31
62. IS : 4518-1968 थीर्थवृत्तकार एस.ओ. 2578 मधु इस्पात द्यूबों की विशिष्टि	मधु इस्पात द्यूबों की विशिष्टि	दिनांक 20 जुलाई 1958	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 4, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 3, “+” चिह्न वाली पाद-टिप्पणी) — बर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर निम्नलिखित कर दें :— “इस्पातों के रासायनिक विषमेतण की विधियाँ”	1983-07-31
63. IS : 4723-1978 ग्राण्डा एस.ओ. 2272 कुर्ण की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विनांक 29 अगस्त 1981		नं. 1 जुलाई 1983	(पृष्ठ 6, सारणी 1, स्तम्भ 3 अम संख्या 12 के सामने) — “100” के स्थान पर “50” कर दें।	1983-07-31
64. IS : 4922-1968 मायुरान एस.ओ. 1455 प्रयोगों की जलाई धोय नीबमरहित इस्पात द्यूबों की विशिष्टि	प्रयोगों की जलाई धोय नीबमरहित इस्पात द्यूबों की विशिष्टि	दिनांक 19 अप्रैल 1969	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 4, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “+” चिह्न वाली (पृष्ठ 4) पर बर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-07-31
65. IS : 4923-1968 संरक्षना एस.ओ. 2330 प्रयोग के लिए खोखले इस्पात सेफ्शनों की विशिष्टि		दिनांक 14 जून 1969	नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 5, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 4, “*” चिह्न वाली पाद-टिप्पणी) — हटा दें।	1983-07-31
66. IS : 5433-1968 तेल के कुब्रों के लिए इस्पात के क्षेत्र पाइपों एवं योजकों की विशिष्टि	एस.ओ. 5032	दिनांक 6 सितम्बर 1971	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 5, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 4) की पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
67. IS : 5489-1975 वियरिंग	एस.ओ. 3530	नं. 1	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड विया गया है।	1983-07-31	
उद्योग के प्रयोग के लिए कार्बू- रीकर इस्पात की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विनांक 19 नवम्बर 1977 जुलाई 1983		2. (पृष्ठ 4, “*” से “**” चिह्न वाली पादटिप्पणियाँ) — वर्तमान सभी पाद टिप्पणियों के स्थान पर निम्नलिखित पादटिप्पणी कर दें :— “**” इस्पातों के रासायनिक विश्लेषण की विधियाँ।		
68. IS : 5504-1969.समिल वेलिंग्टनपाईपों की विशिष्टि	एस.ओ. 3015	मं. 1	1. खण्ड 5.2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “**” चिह्न वाली (पृष्ठ 5) पर वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-07-31	
69. IS : 5621-1980 विशुल उपकरण में प्रयोग हेतु औखले रोधकों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. —	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 1, खण्ड 4, 4, 1, 4. 1. 1, 4. 2, 4. 2, 1 एवं 4. 2. 2) — यह दें। 2. वर्तमान आकृतियाँ 2 (पृष्ठ 13) 6 (पृष्ठ 16) एवं 10 बी (पृष्ठ. 22) के स्थान पर नई आकृतियाँ दी गई हैं। खण्ड 8.2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31	
70. IS : 5718 1980 बीज रोशिक्रों की परीक्षण संविहा (पहला पुनरीक्षण)	एस.ओ. 219	नं. 1 जुलाई 1983	खण्ड 8.2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31	
71. IS : 5912 1980 पवन- मापी सहगणक भी विशिष्टि	एस.ओ. 1555	नं. 2 सितम्बर 1983	1. खण्ड 3.2, 3.5, 3.6, 5.1, 2 एवं 5.2.1 से 5.2.3 के स्थान पर नये खण्ड देये गये हैं। 2. (पृष्ठ 4, आकृति 1) “प्रतिबन्ध वियरिंग” के स्थान पर “बाल वियरिंग” कर दें।	1983-09-30	
72. IS : 5924-1970 भौमी— एस.ओ. 1635 विज्ञान संस्थानी उपकरणों हेतु कालांक व्यवस्था एवं इमों की विशिष्टि	विनांक 8 जुलाई 1972	नं. 1 सितम्बर 1983	(पृष्ठ 3, खण्ड 2.5, पक्षित 2 “1. 6 मिमी/इंच” के स्थान पर “1. 64 मिमी/इंच” कर दें।	1983-09-30	
73. IS : 5973-1970 कड़ाही एस.ओ. 3318 वाष्पन मापी की विशिष्टि	विनांक 21 अक्टूबर 1972	मं. 2 सितम्बर 1983	1. खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. आकृति 1 का संशोधन किया गया है।	1983-09-30	
74. IS : 6011-1970 बाल सेवाओं के लिये बालू जहाजों में प्रयोग हेतु कार्बन इस्पात की दृश्यबोर्डों की विशिष्टि	एस.ओ. 3305	नं. 1 अगस्त 1983	1. खण्ड 6.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. “*” चिह्न वाली (पृष्ठ 5) की वर्तमान पादटिप्पणी के स्थान पर नई पादटिप्पणी दी गई है।	1983-08-31	
75. IS : 6271-1971 धातु पालिश (विशेष) की विशिष्टि	एस.ओ. 2975	नं. 1 अगस्त 1983	1. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2(बी) — “शुद्ध भार के स्थान पर “शुद्ध तत्वा” कर दें। 2. (पृष्ठ 4, खण्ड 4.2(भी) — 4.2(भी) के बावजूद निम्नलिखित नई सामग्री जोड़ दें :— “e” वैकिंग वस्तु अधिनियम के अन्य प्रावधान।	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. IS : 6286-1971 अधो-	एस.ओ. 231	नं. 1	1.	खण्ड 5, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-08-31
शून्य ताप सेवा के लिये दिनांक 26 जनवरी 1974	अगस्त 1983		2.	“**” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4) की वर्तमान पावटिप्पणी के स्थान पर नहीं पाद टिप्पणी दी गई है।	
सीबनरहित एवं ईस्टिवल			1.	(पृष्ठ 7, खण्ड 8, 2 बूसरा वाक्य) — हटा दें।	1983-07-31
इस्पात की पाइपों की विशिष्टि			2.	खण्ड 0, 4 के बाद नया खण्ड 0, 5 जोड़ा गया है और अनुबर्ती खण्डों को तदनुसार फिर से संख्याक्रित किया गया है।	
77. IS : 6452-1972 संरचना एस.ओ. 510	प्रयोग की उच्च एलुमिनी दिनांक 23 फरवरी 1974	नं. 2	1.	खण्ड 3, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-07-31
सीमेंट की विशिष्टि		जुलाई 1983	2.	“**” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4) की वर्तमान पावटिप्पणी के स्थान पर नहीं पाद टिप्पणी दी गई है।	
78. IS : 6631-1972 जन्म कार्यों के लिये इस्पात ट्यूबों की विशिष्टि	एस.ओ. 115	नं. 1	1.	खण्ड 5, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-07-31
अपवा प्राहृति गैस के कुओं में प्रयोगों के बेखन पाइपों की विशिष्टि	दिनांक 11 मई 1975	जुलाई 1983	2.	“**” चिन्ह वाली (पृष्ठ 4) की वर्तमान पावटिप्पणी के स्थान पर नहीं पाद टिप्पणी दी गई है।	
79. IS : 6647-1972 तेल अपवा प्राहृति गैस के कुओं में प्रयोगों के बेखन पाइपों की विशिष्टि	एस.ओ. 2015	नं. 1	1.	खण्ड 5, 1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-07-31
फर्म की पालिश, पेस्ट की विशिष्टि	दिनांक 8 मार्च 1975	जुलाई 1983	2.	(पृष्ठ 4, “**” चिन्ह वाली पाद-टिप्पणी) — हटा दें।	
80. IS : 6704-1972 रंजित एस.ओ. 770		नं. 1	1.	खण्ड 2, 2 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-07-31
फर्म की पालिश, पेस्ट की विशिष्टि		जुलाई 1983	2.	(पृष्ठ 5, खण्ड 3.2.2 (ई) — 3.2.2 (ई) के बाद निम्नलिखित जोड़ दें :— (एफ) पैकिंग बस्तु प्रतिनियम के अस्थ प्रावधान”।	
81. IS : 6766-1972 निकेल एस.ओ. 1604	एवं लेपित सतहों के लिये प्रयुक्त पाइप मिशन की विशिष्टि	दिनांक 24 मई 1975	नं. 1	(पृष्ठ 5, खण्ड 3.2.2 (डी) 3.2.2 (डी) के बाद निम्नलिखित जोड़ दें :— “(ई) पैकिंग बस्तु प्रतिनियम के अस्थ प्रावधान”।	1983-07-31
स फेटेड सीमेंट की विशिष्टि			1.	(पृष्ठ 7, खण्ड 7, 2, सरा वाक्य) हटा दें।	1983-07-31
82. IS : 6909-1973 सुरेपर एस.ओ. 2015		नं. 1	2.	खण्ड 0, 2 के बाद नया खण्ड 0, 5 जोड़ा गया है और अनुबर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संख्याक्रित किया गया है।	
स फेटेड सीमेंट की विशिष्टि	दिनांक 28 जून 1975	जुलाई 1983	1.	(पृष्ठ 1, खण्ड 3, 1, पंक्ति 3 एवं 4) — इन शब्दों को हटा दें : “प्रणवा ठोस खिचीं पीतल की दम्पत : 407- 1966 सामान्य कार्यों की पीतल की विशिष्टि (दूसरा पुनरीक्षण के अनुरूप)।	1983-08-31
83. IS : 7080 (भाग 1) -	एस.ओ.	नं. 1	2.	खण्ड 3.3.1 तथा 4.2.1 के स्थान पर नये खण्ड दिए गए हैं।	
1981 एम टी पी चूर्चण उपस्कर की विशिष्टि भाग 1 हस्त चालित एवं विद्युत चालित एम टी पी चूर्चण उपस्कर (पहला पुनरीक्षण)		अगस्त 1983	3.	(पृष्ठ 1, खण्ड 4, 1, 4, पंक्ति 1) — “ग्राहति 3” के स्थान पर “ग्राहति 2” कर दें।	
			4.	(पृष्ठ 1, खण्ड 4, 1, 6) हटा दें।	
			5.	(पृष्ठ 4, खण्ड 5, 3, पंक्ति 1) — “700 मिमी” के स्थान पर “650 मिमी” कर दें।	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
84. IS : 7138-1973 कर्मचार एस.ओ. 182 प्रयोग की इस्पात द्वयों की विशिष्टि	प्रयोग की इस्पात द्वयों की विशिष्टि	दिनांक 10 जनवरी 1976	नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 3.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 3, "५" पर "६" चिन्ह बाली पादटिप्पणियों) हटा दें।	1983-07-31
85. IS : 7174-1974 ०.७ एस.ओ. 173 से १.७ एन मिसी ^२ के कार्यकारी वाद की कार्यरत जहाजों पर प्रयोग हेतु कार्डन इस्पात की द्वयों की विशिष्टि	विशिष्टि	दिनांक 3 जनवरी 1976	नं. 1 जुलाई 1983	1. खण्ड 6.1.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. (पृष्ठ 5, खण्ड 6.1.1.1) — "6.1.1.1 के स्थान पर "6.1.2.1" कर दें। 3. "*" चिन्ह बाली (पृष्ठ 5) की वर्तमान पाद टिप्पणी के स्थान पर नई पाद टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31
86. IS : 7347-1974 लघु एस.ओ. 1597 आकार के स्फूर्तिग्र व्रजवलन इजातों के फायकारिता की विशिष्टि	विशिष्टि	दिनांक 8 मई 1976	नं. 1 जुलाई 1983	1. पृष्ठ 1 पर वर्तमान शीर्षक के स्थान पर नया शीर्षक दिया गया है। 2. खण्ड 1.1.1 तथा 8.2.1 के स्थान पर नए खण्ड दिए गए हैं।	1983-07-31
87. IS : 8036-1976 मद् एस.ओ. 1599 इस्पात की ट्रांसफार्मर कूलिंग द्वयों की विशिष्टि	विशिष्टि	दिनांक 10 मई 1979	नं. 2 जुलाई 1983	1. खण्ड 4.1 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है। 2. "*" एवं "+" चिन्हों बाली (पृष्ठ 4) वर्तमान पाद टिप्पणियों के स्थान पर नई पाद टिप्पणियां दी गई हैं।	1983-07-31
88. IS : 8041-1978 शीघ्र- एस.ओ. 2272 दृष्टि पोटसैंड सीमेंट की विशिष्टि विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विशिष्टि	दिनांक 22 मगस्त 1981	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) हटा दें। 2. खण्ड 0.4 के बाद नया खण्ड 0.5 जोड़ी गई है और अनुबर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संरचाकित किया गया है।	1983-07-31
89. IS : 8042-1978 शब्द- एस.ओ. 2274 पोटसैंड सीमेंट की विशिष्टि विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विशिष्टि	दिनांक 29 मगस्त 1981	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) —हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाद नया खण्ड 0.4 जोड़ा गया है और अनुबर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संरचाकित किया गया है।	1983-07-31
90. IS : 8043-1978 जल- एस.ओ. 2272 विशिष्टि पोटसैंड सीमेंट की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण)	विशिष्टि	दिनांक 29 मगस्त 1981	नं. 1 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 6, खण्ड 8.2 दूसरा वाक्य) —हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाद नया खण्ड 0.4 जोड़ा गया है और अनुबर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संरचाकित किया गया है।	1983-07-31
91. IS : 8112-1976 उच्च एस.ओ. 3820 अमता बाली साधारण विशिष्टि पोटसैंड सीमेंट की विशिष्टि	विशिष्टि	दिनांक 24 नवम्बर 1979	नं. 2 जुलाई 1983	1. (पृष्ठ 7, खण्ड 8.2, दूसरा वाक्य) —हटा दें। 2. खण्ड 0.2.3 के बाद नया खण्ड 0.3 जोड़ा गया है तथा अनुबर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संरचाकित किया गया है।	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
92. IS : 82295-1976 नेत्र एस. ओ. 99 दृष्टि के सीमेंट की विशिष्टि दिनांक 12 जनवरी 1980		नं. 1 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 9, खण्ड 9.2, तृतीय वाक्य) —हटा दें। 2. खण्ड 0.3 के बाय नया खण्ड 0.4 जोड़ दिया है तथा अनु-वर्ती खण्डों को फिर से तदनुसार संबद्धाकृत किया गया है।	1983-07-31
93. IS : 8440-1977 धान एस. ओ. 619 शोधितों की परीक्षण संहिता दिनांक 15 मार्च 1980		नं. 1 जुलाई 1983		खण्ड 8.1.4 एवं 8.2 का संशोधन किया गया है।	1983-07-31
94. IS : 8710-1978 विद्युत एस. ओ. 3480 सुम्बकीय चक्रों की विशिष्टि दिनांक 15 मार्च 1980		नं. 1 सितम्बर 1983		खण्ड 4.3 के स्थान पर नया खण्ड दिया गया है।	1983-09-30
95. IS : 9049-1979 धान एस. ओ. 2862 का छिपका उत्तारसे के दिनांक 17 अक्टूबर 1981 रखड़ रोल टाइप के यंत्र की परीक्षण संहिता		नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 9.1.2 एवं 9.2 का संशोधन किया गया है। 2. (पृष्ठ 8, खण्ड 9.1.2.3) —हटा दें और अनुवर्ती खण्डों को बदलनुपार पिछे से संबद्धाकृत करें। 3. (पृष्ठ 15, परिशिष्ट ई के अस्तरेत खण्ड मन्दिर) —“9.1.2.4” के स्थान पर “9.1.2.3” कर दें।	1983-07-31
96. IS : 9675-1980 हड्डी, एस. ओ. — सम्बद्ध और भारी किस्म के बुने हुए सूती टेपों की विशिष्टि		नं. 1 जुलाई 1983		(पृष्ठ 5, सारणी 2, सम्मेलन 5, श्रम यंत्रणा (1) (ए) एवं (बी) के सामने) —“3 अधिक अच्छा” के स्थान पर “4 अच्छा अधिक अच्छा” कर दें।	1983-07-31
97. IS : 9810-1981 मुर्गों के — खण्डों की किस्म के मध्या- करन की विधियां		नं. 1 जुलाई 1983		खण्ड 3.6 के बर्तमान समीकरण के स्थान पर नया समीकरण दिया गया है।	1983-07-31
98. IS : 10014 (भाग 2) — 1981 हड्डियां स्टैपल रेशों की परीक्षण विविधां, भाग 2 रेखीय अनत्यं ज्ञात करना।		नं. 1 जुलाई 1983		1. खण्ड 5.1 का संशोधन किया गया है। 2. खण्ड 6.3.3 को टिप्पणी संहित बदला दिया गया है।	1983-07-31
99. IS : 10238-1982 इस्पात एस. ओ. — संरक्षणात्मक के स्टैप बोल्टों की विशिष्टि		नं. 1 जुलाई 1983		1. (पृष्ठ 1, खण्ड 4, परिषिष्ट 3) —“स्टैप” के स्थान पर “टिप्पणी” कर दें। 2. पृष्ठ 2 पर बर्तमान अप्रकाशक टिप्पणी के स्थान पर नई टिप्पणी दी गई है।	1983-07-31

इन संशोधनों की प्रतियां भारतीय मानक संस्था, मानक भवन, 9 बहादुरगाह, जफरमार्ग, मई विल्सो-110002 और अम्बई-400093, कलकत्ता-700054, भद्रास-600113 एवं मोहाली-160051 स्थित इसके थोक्सीय कार्यालयों तथा अहमदाबाद-380001, बंगलोर-560002, भोपाल-462003, भुवनेश्वर-751014, हैदराबाद-500001, जयपुर-302003, काशीपुर-208005, पटना-800013 एवं विवेकम स्थित शाक्ता कार्यालयों से उपलब्ध हैं।

S.O. 2343—In pursuance of regulation 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution, hereby, notifies that amendment(s) to the Indian Standard(s) given in the schedule hereto annexed/have been issued under the powers conferred by the sub-regulation(1) of Regulation 3 of the said Regulations.

SCHEDULE

Sl. No. and title of the Indian Standard amended	No. and Date of Gazette Notification in which the establishment of the Indian Standard was notified	No. and Date of the amendment	Brief Particulars of the Amendment	Date from which the amendment shall have effect	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS: 10 (Part I)-1976 Specification for plywood tea-chests; Part I General (Fourth Revision)	S.O. 97 dt 12 Jan 1980	No. 3 Aug 1983	[Page 5, Table 1, Col 2, Sl No. (ii) (Item 4), see Amendments 1 and 2]—Add the following new item after Item 3: '4 Aluminium foil 0.009 mm laminated with 20 to 30 g/m ² paper, conforming to IS: '8970-1978 Specification for paper-aluminium foil laminates for packaging of food and pharmaceuticals.'	1983-08-31	
2. IS: 177-1977 Specification for cotton drills (Third Revision)	S.O. 2118 dt 9 Aug 1980	No. 4 Jul 1983	Table 1 has been amended	1983-07-31	
3. IS: 179-1977 Specification for cotton dosuti (Second Revision)	—do—	No. 2 Jul 1983	(Page 5, Table 1, Col heading 'Mass')—Substitute 'Mass, g/m ² ' for 'Mass'.	1983-07-31	
4. IS: 205-1978 Specification for non-ferrous metal butt hinges (Third Revision)	S.O. 2863 dt 17 Oct 1981	No. 1 Aug 1983	(i) Tables 1, 2 and 6 have been amended (ii) A new Foot-note with '+' mark (page 9) has been added after the foot-note with '-' mark	1983-08-31	
5. IS: 208-1979 Specification for door handles (Third Revision)	S.O. 3428 dt 3 Sep 1983	No. 2 Jul 1983	Table 2 has been amended	1983-07-31	
6. IS: 210-1978 Specification for grey iron castings (Third Revision)	S.O. 1550 dt 23 May 1981	No. 1 Aug 1983	(i) (Page 4, Foot-note with '+' mark)—Substitute the following for the existing foot-note: '+General requirements for the supply of metallurgical materials.' (ii) (Page 13, Appendix C, Column heading 'Unit')—Substitute 'GPa' for 'GN/mm ² ' wherever appears in this column.	1983-08-31	
7. IS: 269-1976 Specification for ordinary and low heat portland cement (Third Revision)	—	No. 2 Jul 1983	(i) [Page 6, Table 1, Sl No. (iii), Col 3]—Substitute the following for the existing matter: 'Not more than 4 percent'. (ii) (Page 9, Clause 9.2, Second sentence)—Delete. (iii) New clause 0.5 has been added after clause 0.401	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
8.	IS: 302-1979 General and safety requirements for household and similar electrical appliances (Fifth Revision)	S.O. 3611 dt 24 Sep 1983	No. 1 Jul 1983	(i) [Page 19, clause 7.1 (d)] Substitute the following for the existing item: 'd' Rated output in watts or rated current in amperes. (ii) New clause 0.8 has been added after clause 0.7 and renumbered the subsequent clauses accordingly. (iii) Clauses 33.1, 33.2 along with its note have been amended. (iv) A new foot-note with '+' mark (Page 110) has been added after the foot-note with '*' mark.	1983-07-31
9.	IS: 363-1976 Specification for hasps and staples (Third Revision)	S.O. 417 dt 23 Feb 1980	No. 1 Jul 1983	Tables 2 and 4 have been amended.	1983-07-31
10.	IS: 455-1976 Specification for portland slag cement (Third Revision)	S.O. 3822 dt 24 Nov 1979	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 4.2, informal table, second column, last line)—Substitute '4' for '2.5'. (ii) (Page 9, clause 8.2 second sentence)—Delete. (iii) A new clause 0.7 has been added after clause 0.6 and renumbered the subsequent clauses accordingly.	1983-07-31
11.	IS: 565-1975 Specification for DDT water dispersible powder concentrates (Second Revision)	S.O. 1598 dt 19 May 1979	*No. 4 Aug 1983	A new clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1.	1983-08-31
12.	IS: 633-1975 Specification for DDT emulsifiable concentrates (First Revision)	S.O. 1597 dt 19 May 1979	**No. 3 Aug 1983	A new clause 2.1.2 has been added after clause 2.1.1.	1983-08-31
13.	IS: 1113-1965 Specification for ammonium chloride, technical and pure (Revised)	S.O. 2820 dt 11 Sep 1965	No. 2 Jul 1983	Clauses B-4 to B-4.2.1 have been substituted by new ones.	1983-07-31
14.	IS: 1184-1977 Specification for maize starch, cotton textile industry (Second Revision)	S.O. 2118 dt 9 Aug 1980	†No. 2 Aug 1983	[This amendment is, mainly issued to give values of viscosity which were given in the standard on tentative basis. The requirement of protein content is being deleted because it is considered as non-functional requirement when the starch is used in textile industry.]	1983-08-31
15.	IS: 1239 (Part I)-1979 Specification for mild steel tubes, tubulars and other wrought steel fittings Part I Mild steel tubes (Fourth Revision)	S.O. 1341 dt 3 Apr 1982	No. 3 Jul 1983	(i) Clauses 6.1 and 6.1.1 have been substituted by new ones. (ii) (Page 6, foot-notes with '*' and '+' marks)—Substitute the following for the existing foot-notes: 'Methods for chemical analysis of steels.'	1983-07-31

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; this amendment shall come into force with effect from 1984.05.01

**For purposes of ISI Certification Marks Scheme ; this amendment shall come into force with effect from 1984.05.01

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme this amendment shall come into force with effect from 1984.02.16

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
16.	IS: 1264-1981 Specification for brass gravity die castings — (ingots and castings) (Second Revision)	—	No. 1 Jul 1983	(Page 4, Table 2, under col. Grade DCB 2, second entry)- Substitute '15' for '20'	1983-07-31
17.	IS : 1283-1968 Specification for bicycle free-wheels and chains (First Revision)	—	No. 4 Sep. 1981	(i) Existing Fig. 1 at page 5 has been substituted by new one (ii) Clause 11.1 has been substituted by a new one (iii) Existing foot-note with '+' mark (Page 8) has been substituted by a new one	1981-09-30
18.	IS : 1283-1968 Specification for bicycle free-wheels and chains (First Revision)	—	No. 5 Oct. 1983	Clauses 10.1 and 10.2 have been substituted by new ones	1983-10-31
19.	IS : 1342-1978 Specification for oil pressure stoves (Third Revision)	S.O. 3450 dt. 2 Oct. 1982	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 9.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 6, clause 6.1.3)—Add the following new sentence at the end of 6.1.3 : 'The legs when soldered to the body of the stove shall be flattened at the place of contact.'	1983-07-31
20.	IS : 1361-1978 Specification for steel windows for industrial buildings (First Revision)	S.O. 2862 dt. 17 Oct. 1981	No. 1 Jul. 1983	(i) Clauses 5.2, 6.4, 8.1 and 9.9 have been substituted by new ones. (ii) Existing Fig. 3 (Page 10) and Fig. 5 (Page 13) have been substituted by new ones. (iii) (Page 11, Clause 9.5, first line)—Substitute 'standardized' for 'standardized'. (iv) Page 17, clause 10.1, third line)—Substitute '25 mm' for '20 mm'. (v) Clause 11.1 has been amended. (vi) (Page 16, clause 9.7)—Add the following new matter at the end of 9.7 : 'Lugs shall be manufactured from 3.15 mm thick mild steel sheet.'	1983-07-31
21.	IS : 1417-1981 Grades of gold and gold alloys (Second Revision)	—	No. 1 Jul 1983	Informal table of clause 3.1 has been amended.	1983-07-31
22.	IS : 1489-1976 Specification for portland-pozzolana cement (Second Revision)	S.O. 3872 dt. 24 Nov. 1979	No. 2 Jul 1983	(i) [Page 6, clause 3.1.2(b) one 4]—substitute '40 kg/cm ² ' for '50 kg/cm ² '. (ii) (Page 7, clause 5.2)—Delete. (iii) Table 1 has been amended. (iv) New sub-clause 0.3.1 has been added after clause 0.3. (v) New clause 0.7 has been added after clause 0.6.2 and the subsequent clauses re-numbered accordingly.	1983-07-31
23.	IS : 1540 (Part II)—1978 Specification for quick lime and hydrated lime for chemical industries ; Part II Hydrated lime (Second Revision).	S.O. 1728 dt. 13 Jan. 1981	No. 1 Jul 1983	(i) Clauses 5.2.1 and 5.3.1 have been amended. (ii) Clauses 5.3.1.1 and 5.3.2 have been substituted by new ones.	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
24.	IS : 1513-1964 Specification for single cylinder fuel injection pumps dt. 8 May 1965 (Revised).	S.O. 1501	No. 1 Sep. 1983	(i) Clause 6.2 has been substituted by a new one. (ii) A new note has been added under Fig. 4. (iii) Clause 6.3 has amended. (iv) Table 1 has amended.	
25.	IS : 1605—1977 Specification for tapioca starch cotton textile industry (First Revision).	S.O. 2118	No. 2 July 1983	Clause 2.1 has been amended.	1983-07-31
26.	IS : 1624—1974 Method of field testing of building lime (First Revision)	S.O. 988	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 4, clause 4.2.3, fourth line)—Substitute 'Class A' for 'Class B' (ii) (Page 5, clause 5.2, lastline)—Substitute 'Class A' for 'Class B'.	1983-07-31
27.	IS : 1848-1981 Specification for writing and printing papers (Second Revision).	—	No. 1 Jul. 1983	(i) Existing matter of clause 4.2 (c) has been (ii) New clauses 0.3.1 and, 0.3.2 have been added after 0.3 (iii) A new note has been added after clause 3.2. (iv) A new Appendix A has been added after clause 5.3.2.	1983-07-31
28.	IS : 1856-1967 Specification for steel wire ropes for haulage purposes (Second Revision).	S.O. 1606	No. 1 Aug. 1983	(i) Tables 3 and 4 have been amended. (ii) New entries have been added in Table 1. (iii) (Page 2, Table 1, Note 2)—Add the following new Note after Note 2 : 'Note 3—The bracketed nominal diameter is non-preferred.'	1983-08-31
29.	IS : 1979-1971 Specification for high-test line pipe (First Revision).	S.O. 3255	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 6.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 5) has been substituted by a new one.	1983-07-31
30.	IS : 2033-1977 Specification for tapioca flour, cotton textile industry (First Revision).	S.O. 2118	No. 2 Jul. 1983	This amendment is mainly issued to give values of viscosity which were given in the standard on tentative basis.	1983-07-31
31.	IS : 2039-1981 Specification for steel tubes for bicycle and allied purposes (First Revision).	—	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 7.2 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 6) has been substituted by a new one.	1983-07-31
32.	IS : 2200-1973 Test chart for milling machines with table of variable height, with horizontal spindle (First Revision).	S.O. 776	No. 4 Aug. 1983	(Page 8, 1 Geometrical tests (see also Amendment No. 2) Sl No. 15, col 5, Alternate II)—Substitute 'A)' and 'B)' for 'a)' and 'b)' respectively.	1983-08-31
33.	IS : 2257-1981 Specification for paper adhesives, liquid gum and office paste type (Second Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses B-2.4 and B-3.1 have been amended. (ii) (Page 8, clause B-2.1, line 2)—Add 'of the same type and' after 'of the material'.	1983-08-31
34.	IS : 2325-1981 Specification for ignition coils for battery-coil ignition systems for automobiles (First Revision)	—	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 9, clause 7.0.4, Note)--- Delete. (ii) New clause 7.0.4.1 has been added after clause 7.0.4. (iii) New Appendix C has been added after B-1.7 (c).	1983-07-31

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
35. IS : 2552-1979 Specification for steel drums (galvanized and un-galvanized) Second Revision.	S.O. 3449 2 Oct. 1982	No. 1 Mar. 1984	(i) Table 2 has been amended. (ii) Existing Fig-1 (Page 7) has been substituted by a new one.	1984-03-31	
36. IS : 2612—1965 Recommendation for type approval and sampling procedures for electronic components.	S.O. 2042 dt. 26 Jun. 1965	No. 1 Jul 1983.	Clause 2.1 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
37. IS : 2716-1972 Specification for myrobalan extract (First Revision).	S.O. 770 dt. 8 Mar. 1975	No. 2 Jul. 1983	Clauses 7.2, 7.2.1 and 7.2.2 have been substituted by a new one.	1983-07-31	
38. IS : 2720 (Part XI)-1971 Methods of test for soils; mPart XI Determination of the shear strength parameters of a specimen tested in unconsolidated undrained tri-axial compression without the measurement of pore water pressure.	S.O. 398 dt. 5 Feb. 1972	No. 3 Aug. 1983	(i) Clauses 2.2.10 and 4.3 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” marks (Pages 5 and 9) have been substituted by a new one.	1983-08-31	
39. IS : 2720 (Part XIX)-1964 Methods of test for soils; Part XIX Determination of centrifuge moisture equivalent.	S.O. 3865 dt. 14 Nov. 1964	No. 1 Aug. 1983	Clauses 3(c) and 4.1 have been amended.	1983-08-31	
40. IS : 2720 (Part XXII)-1972 Methods of test for soils; Part XXII Determination of organic matter (First Revision).	S.O. 1265 25 May 1974	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 3.1.3 and 5.1 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” and ‘+’ mark (Page 5) have been substituted by new ones.	1983-08-31	
41. IS : 2720 (Part 34)-1972 Methods of test for soils; Part 34 Determination of density of soil in place by rubber-ballon method	S.O. 510 dt. 23 Feb. 1974	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.3 and 4.4 have been amended. (ii) Existing foot-notes with “*” mark (Page 4), with “*” and ‘+’ mark (Page 6) and with “*” (Page 8 and 9) have been substituted by new ones. (iii) Notes of clauses 3.1 and 4.3 have been amended.	1983-08-31	
42. IS : 3040-1980 Specification for Indian kapok (First Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	This amendment is carried out to specify the various botanical names of kapok used as stuffing material.	1983-08-31	
43. IS : 3224-1979 Specification for valve fittings for compressed gas cylinders excluding liquified petroleum gas (LPG) cylinders (Second Revision).	—	No. 2 Dec. 1983	(Page 25, Table 10, Note)—Delete.	1983-12-31	
44. IS : 3226-1980 Specification for hypodermic syringes for general purposes (First Revision).	—	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 4, Clause 0.3.1, last sentence)—Delete. (ii) (Page 9, clause 5.1)—Add the following new clause after 5.1 and renumber the subsequent clause accordingly : “5.1.1 Type 1 syringes may also be marked with the word ‘interchangeable’.”	1983-07-31	
45. IS : 3400 (Part XI)-1969 Methods of test for vulcanized rubbers; Part XI Determination of rebound resilience	S.O. 1236 dt. 4 Apr. 1970	No. 1 Jul. 1983	(Page 5, clause 4.1.1.1, line 4)—Substitute ‘4.00+0.04’ for ‘400.00+0.04’.	1983-07-31	
46. IS : 3464-1980 Methods of tests for plastic poor covering and wall tiles (First Revision).	—	No. 2 Aug. 1983	(Page 16, clause 14.3, line 1)—Substitute ‘150 mm square’ for 150mm ² .	1983-08-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
47.	IS : 3466-1967 Specification for masonry cement (First Revision) dt 20 Jan 1968	S.O. 287	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 2.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 8, clause 10.2, second sentence)—Delete. (iii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3.1 and the subsequent clauses re-numbered accordingly.	1983-07-31
48.	IS: 3510-1966 Specification for tool makers' flats and high precision surface plates.	S.O. 2602 dt. 27 Aug. 1966	No. 1 Jul. 1983	(i) (Page 3, clause 0.2, line 3)—Substitute 'IS : 2285-1974*' for 'IS : 2285-1963*'. (ii) (Page 3, foot-note with '*' mark)—Substitute the following for the existing foot-note : *Specification for cast iron surface plates first revision). (iii) Existing foot-notes with '*' and '—' marks (Page 4) have been substituted by new ones.	1983-07-31
49.	IS : 3829-1978 Specification for horizontal cylindrical and horizontal rectangular steam sterilizers, pressure type (for hospital and pharmaceutical use) (First Revision).	S.O. 2863 dt. 17 Oct. 1981	*No. 2 Jul. 1983	(i) (Page 14, clause 10.1.3, line 3)—Substitute 'or' for 'on'. (ii) Clause 7.1.1 has been amended.	1983-07-31
50.	IS : 3918-1966 Code of practice for use of current meter (cup type) for water flow measurements.	S.O. 1972 dt. 10 Jun 1967	No. 1 Jul. 1983	Clause 5.2 has been substituted by a new one.	1983-07-31
51.	IS : 3961 (Part 3)-1968 Recommended current ratings for cables; Part 3 Rubber insulated cables.	S.O. 368	No. 1 Sept. 1983	(Page 5, clause 3.1, entry (b), under second col.) Substitute 'Clipped direct and unenclosed' for 'Clipped direct and enclosed'.	1983-09-30
52.	IS : 4246-1978 Specification for domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases (Second Revision).	S.O. 2584 dt. 3 Oct. 1981	No. 2 Mar. 1983	Existing clause 28.1(f) has been substituted by a new one.	1983-03-31
			No. 3 Jul. 1983	(Page 6, clause 16.1, Note)—Substitute the following for existing Note : 'Note—Mass of 1 litre of gas at STP—2.46 g.'. (ii) Clause 17.3 has been amended. (iii) New clause 0.2.1 has been added after clause 0.2.	1983-07-31
53.	IS : 4301-1967 Specification for brushes, foundry, flat.	S.O. 520 dt. 10 Feb. 1968	No. 4 Jul. 1983	(Page 5, Fig. 1, top figure)—Substitute '190' for '170'.	1983-07-31
54.	IS : 4308-1982 Specification for dry powder for fire fighting (First Revision).	—	No. 1 Aug. 1983	(Page 5, clause 3.2, line 3)—Substitute 'and not more than 10' for 'and more than 10'.	1983-08-31
55.	IS : 4332 (Part I)-1967 Methods of test for stabilized soils; Part 1 Method of sampling and preparation of stabilized soils for testing.	S.O. 683 dt. 24 Feb. 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 3.2.1 and 3.3 have been amended. (ii) Existing foot-notes with '*' marks (Pages 5 and 6) have been substituted by new ones.	1983-08-31

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme, this amendment shall come into force with effect from 84.01.01.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
56. IS : 4337 (Part 3)—1967 Methods of test for stabilized soils; Part 3 Test for determination of moisture content dry density relation for stabilized soil mixtures.	S.O. 1719 dt. 18 May 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1, 3.6, 7.1.3.1 and 7.2.3 have been amended. (ii) Clauses 3.1 to 3.2.1 have been substituted by new ones. (iii) Foot-notes with '*' mark (Pages 4, 7, 10 and 11) have been substituted by new ones. (iv) (Pages 5 and 6, Fig. 1, 2 and 3)—Delete.	1983-08-31	
57. IS : 4337 (Part 4)-1968 Methods of test for stabilized soils; Part 4 Wetting and drying, and freezing and thawing test for compacted soil-cement mixtures.	S.O. 3152 dt. 14 Sep. 1968	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1 and 2.2 have been substituted by new ones. (ii) (Page 5, clause 3.1.3, line 2)—Substitute 'IS : 269-1976' or IS : 455-1976 for 'IS : 269-1967' or IS : 455-1967. (iii) Existing foot-notes with 't' and 'g' Marks (Page 5) have been substituted by new ones.	1983-08-31	
58. IS : 4332 (Part VIII)-1969 Methods of test for stabilized soils; Part VIII Determination of lime content of lime stabilized soils.	S.O. 4848 dt. 6 Dec. 1969	No. 1 Aug. 1983	(i) (Page 4, clause 3.5, line 2)—Substitute 'IS : 460 (Part I)—1978*' for 'IS : 460-1962*'. (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-08-31	
59. IS : 4332 (Part IX)-1970 Methods of test for stabilized soils; Part IX Determination of the bituminous stabilizer content of bitumen and tar stabilized soils.	S.O. 1635 dt. 8 July 1972.	No. 1 Aug. 1983	(i) Clauses 2.1, 3.8.1 and 13.4 have been substituted by new ones. (ii) Existing foot-notes with '*' mark (Pages 4, 5, 8 and 13) have been substituted by new ones. (iii) (Page 8, clause 6.5, Note)—Substitute the 'IS : 1215-1978' for 'IS : 1215-1958'.	1983-08-31	
60. IS : 4332 (Part X)-1969 Methods of test for stabilized soils; Part X Test for soil-bituminous mixtures.	S.O. 3544 dt. 25 Sept. 1971	No. 1 Aug. 1983	(i) (Page 8, clause 2.10, line 2)—Substitute 'IS : 460 (Part I)—1978 **' for IS : 460-1962*'. (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 8) has been substituted by a new one.	1983-08-31	
61. IS : 4503-1967 Specification for shell and tube type heat exchangers.	S.O. 4599 dt. 28 Dec. 1968	No. 3 Jul 1983	(Page 22, clause 10.3.2, line 2)—Substitute 'one and a half times' for 'four times'.	1983-07-31	
62. IS : 4516-1968 Specification for elliptical mild steel tubes.	S.O. 2578 dt. 20 Jul. 1968	No. 1 Jul. 1983.	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 3, footnote with 't' mark)—Substitute the following for the existing footnote : 'Methods for chemical analysis of steels'.	1983-07-31	
63. IS : 4723-1978 Specification for egg powder (First Revision).	S.O. 2272 dt. 29 Aug. 1981	No. 1 Jul. 1983	[Page 6, Table 1, Col. 3 against Sl. No. (xii)]—Substitute '50' for '100'.	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
64. IS : 4922-1968 Specification for seamless steel tubes (suitable for welding) for aircraft purposes.	S.O. 1455 dt. 19 Apr. 1969.	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '+' mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-07-31	
65. IS : 4923—1968 Specification for hollow steel sections for structural use.	S.O. 2330 dt. 14 Jun. 1969	No. 2 Jul. 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 4, foot-note with '*' mark)—Delete.	1983-07-31	
66. IS : 5433-1969 Specification for oil well steel casing pipes and couplings.	S.O. 5032 dt. 6 Nov. 1971	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-07-31	
67. IS : 5489-1975 Specification for carburizing steels for use in bearing industry (First Revision).	S.O. 3530 dt. 19 Nov. 1977	No. 1 Jul. 1983	(i) Clause 4.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 4, foot-notes with mark '*' to '§§')—Substitute the following foot-note for all the existing foot-notes: 'Methods of chemical analysis of steels'.	1983-07-31	
68. IS 5504—1969 Specification for spiral welded pipes	S.O. 3015 dt 14 Aug 1971	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.2 has been substituted by a new one (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 5) has been substituted by a new one	1983-07-31	
69. IS 5611—1980 Specification for hollow insulators for use in electrical equipment (First Revision)	—	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 10, clause 4, 4.1, 4.1.1, 4.2, 4.2.1 and 4.2.2)—Delete. (ii) Existing figures 2 (Page 13) 6 (Page 16) and 10B (Page 22) have been substituted by new ones	1983-07-31	
70. IS 5718—1980 Test code for seed cleaners (First Revision)	S.O. 219 dt 21 Jan 1984	No. 1 Jul 1983	Clause 8.2 has been amended	1983-07-31	
71. IS 5912—1970 Specification for anemometer, cum counter	S.O. 1555 dt 24 Jun 1972	No. 2 Sep 1983	(i) Clauses 3.2, 3.5, 3.6, and 5.2.1 to 5.2.3 have been substituted by new ones. (ii) (Page 4 Fig. 1)—Substitute 'BALL BEARING' for 'THRUST BEARING'.	1983-09-30	
72. IS 5924—1970 Specification for clock mechanisms and drums for meteorological instruments	S.O. 1635 8 Jul 1972	No. 1 Sep 1983	(Page 3, clause 2, 5, line 2)—Substitute '1.64 mm/h' for '1.6 mm/h'.	1983-09-30	
73. IS 5973—1970 Specification for pan evaporimeter	S.O. 3318 dt 21 Oct 1972	No. 2 Sep 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one	1983-09-30	
74. IS : 6011—1970 Specification for carbon steel tubes for use on board ships for pressure services	S.O. 3305 dt 21 Oct 1972	No. 1 Aug 1983	(ii) Fig. 1 has been amended (i) Clause 6.1 has been substituted by a new one (iii) Existing foot-note with '*' mark (Page 5) has been substituted by a new one	1983-08-31	
75. IS 6271—1971 Specification for metal polishes (special)	S.O. 2975 dt 13 Oct 1973	No. 1 Aug 1983	(i) [Page 4, clause 4.2 (b)] Substituted the words 'net content' for 'net weight'. (ii) [Page 3, clause 4.2(d)]—Add the following new matter after 4.2 (d): (c) Other provisions of packaging Commodity Act.	1983-08-13	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
76. IS 6286—1971 Specification for s.s. and welded steel pipe for sub-zero temperature service	S.O. 231	No. 1 Aug 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one (ii) Existing foot-note with '*' mark (Page 4) has been substituted by a new one.	1983-08-31	
77. IS 6452—1972 Specification for high alumina cement for structural use	S.O. 510 dt 23 Feb 1974	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 7, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and the subsequent clause renumbered accordingly.	1983-07-31	
78. IS 6631—1972 Specification for steel pipes for hydraulic purposes	S.O. 115 dt 11 May 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one (ii) Existing foot-notes with '*' mark (Page 4) has been substituted by a new one	1983-07-31	
79. IS 6647—1972 Specification for drill pipes for use in oil or natural gas wells	S.O. 2015 dt 28 Jun 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 4, foot-note with '*' mark)—Delete.	1983-07-31	
80. IS 6704—1972 Specification for pigmented floor polish, paste	S.O. 770 dt 8 Mar 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 2.2 has been substituted by a new one. (ii) [Page 5, clause 3.2.2(c)]—Add the following after 3.2.2(c). (iii) Other provisions of Packaging Commodity Act.	1983-07-31	
81. IS 6766—1972 Specification for buffing compounds used for nickel and plated surfaces	S.O. 1604 dt 24 May 1975	No. 1 Jul 1983	[Page 5, clause 3.2.2 (d)]— Add the following after 3.2.2(d) (c) Other provisions of packaging Commodity Act.	1982-07-31	
82. IS 6909—1973 Specification for supersulphated cement	S.O. 2015 dt 28 Jun 1975	No. 1 Jul 1983	(i) Page 7, clause 7.2, second sentence)—Delete. (iii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and subsequent clauses re-numbered accordingly.	1983-07-31	
83. IS 7080 (Part I)—1981 Specification for MTP suction apparatus; Part I Manual and electric MTP suction apparatus (First Revision)		*No. 1 Aug 1983	(i) (Page 1, clause 3.1, lines 3 and 4)—Delete the words 'or' solid drawn brass tubes conforming to IS : 407—1966 'Specification for brass tubes for general purposes (Second Revision).' (ii) Clauses 3.3.1 and 4.2.1 have been substituted by new ones (iii) (Page 1, clause 4.1.4, line 1)—Substituted 'Fig. 2' for 'Fig. 3'. (iv) (Page, clause 4.1.6)—Delete. (v) (Page 4, clause 5.3, line 1)—Substitute '650' for '700' mm.	1983-08-31	
84. IS 7138—1973 Specification for steel tubes for furniture purposes	S.O. 182 dt 10 Jan 1976	No. 2 Jul 1983	(i) Clause 3.1 has been substituted by a new one. (ii) (Page 3, foot-notes with '‡' and '§' marks)—Delete.	1983-07-31	
85. IS 7174—1974 Specification for carbon steel tubes for use on board ships for working pressures 0.7 to 1.7 N/mm ²	S.O. 173 dt 3 Jan 1976	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 6.1.1 has been substituted by a new one (ii) (Page 5, clause 6.1.1.1)—substitute '6.1.2.1.' for 6.1.1.1. (iii) Existing foot-note with '*' mark (Page 5) has been substituted by a new one	1983-07-31	

*For purposes of ISI Certification Marks Scheme; this amendment shall come into force with effect from 1984-02-16.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
86. IS 7347—1974 Specification for performance of small size spark ignition engines	S.O. 1597 dt 8 May 1976	No. 1 Jul 1983	(i) Existing title at page 1 has been substituted (ii) Clauses 1, 1.1 and 8.2.1 have been substituted by new ones.	1983-07-31	
87. IS 8036—1976 Specification for mild steel transformer cooling tubes	S.O. 1599 dt 19 May 1979	No. 2 Jul 1983	(i) Clause 4.7 has been substituted by a new one. (ii) Existing foot-notes with ** and *** marks (Page 4) have been substituted by a new one	1983-07-31	
88. IS 8011—1978 Specification for rapid hardening portland cement (first Revision)	S.O. 2272 dt 22 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.5 has been added after clause 0.4 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
89. IS 8042—1978 Specification for white portland cement (First Revision)	S.O. 2274 dt 29 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly	1983-07-31	
90. IS: 8043—1978 Specification for hydrophobic portland cement (First Revision)	S.O. 2272 dt 29 Aug 1981	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 6, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
91. IS: 8112—1976 Specification for high strength ordinary portland cement	S.O. 3820 dt 24 Nov 1979	No. 2 Jul 1983	(i) (Page 7, clause 8.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.3 has been added after clause 0.2.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly.	1983-07-31	
92. IS: 8229E—1976 Specification for oil-well cement	S.O. 99 dt 12 Jan 1980	No. 1 Jul 1983	(i) (Page 9, clause 9.2, second sentence)—Delete. (ii) New clause 0.4 has been added after clause 0.3 and the subsequent clauses renumbered accordingly	1983-07-31	
93. IS: 8440—1977 Test code for paddy cleaners	S.O. 619 dt 15 Mar 1980	No. 1 Jul 1983	Clauses 8.1.4 and 8.2 have been amended	1983-07-31	
94. IS: 8710—1978 Specification for electromagnetic chucks	S.O. 3408 dt 15 Mar 1980	No. 1 Jul 1983	Clause 4.3 has been substituted by a new one	1983-09-30	
95. IS 9049 —1979 Test code for Paddy dehusker, rubber roll type	S.O. 2862 dt 17 Oct 1981	No. 1 Sep 1983	(i) Clauses 9.1.2 and 9.2 have been amended (ii) (Page 8, clause 9.1.2.3) Delete and renumber the subsequent clause accordingly. (iii) (Page 15, clause reference under Appendix E)—Substitute '9.1.2.3' for '9.1.2.4'.	1983-07-31	
96. IS :9675—1980 Specification for woven cotton tapes, light, medium and heavy qualities	—	No. 1 Jul 1983	[Page 5, Table 2, col 5, against S1 No. (i) (a) and (b)] /—Substitute '4 or better' for '3 or better'.	1983-07-31	
97. IS: 9810—1981 Methods for evaluation of quality of chicken eggs	—	No. 1 Jul 1983	Existing equation of clause 3.6 has been substituted by a new one.	1983-07-31	
98. IS: 10014 (Part II)—1981 Methods of tests for man-made staple fibres; Part II Determination of linear density	—	No. 1 Jul 1983	(i) Clause 5.1 has been amended. (ii) Clause 6.3.3 alongwith its note has been substituted by a new one.	1983-07-31	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
99. IS: 10238—1982 Specification for step bolts for steel structures	—	No. 1 Jul 1983		(i) (Page 1, clause 4, line 3)— Substitute 'Studs' for 'nuts'. (ii) Existing explanatory note at page 2 has been substituted by a new one.	1983-07-31

Copies of these amendments are available with the Indian Standards Institution, Manak Bhavan, 9 Bahadur Shah Zafar Marg, New Delhi-110002 and also from its Regional Offices:—Bombay-400093, Calcutta-700054, Madras-60013 and Mohali-160051 and from Branch Offices at Ahmedabad-380001, Bangalore-560002, Bhopal-462003, Bhubaneshwar-751014, Hyderabad-500001, Jaipur-302005, Kanpur-208005, Patna-800013 and Trivandrum-695001.

[No. CMD/13:5]
B. N. SINGH, Addl. Director General

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली 4 जून, 1986

का. घा. 2344—भारतीय स्वास्थ्य विभाग परिषद् प्रधिनियम, 1890 (1956 का 102) की धारा 13 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय स्वास्थ्य विभाग परिषद् से परामर्श करते के बाद उक्त प्रधिनियम की तीसरी अनुसूची के भाग-2 में एतद्वारा द्वारा और निम्नलिखित संशोधित करती है, प्रथम:—

उक्त प्रधिनियम की तीसरी अनुसूची के भाग 2 में निम्नलिखित प्रविधि प्रदत्त में जोड़ी जाए, अधिक:—

"एम. बी. (पूर्वी किलोपार्स्स विभागिता)"

[संख्या ए. बी. 11015/13/86 एम. बी. पी]
प्रेस सागर टैग, द्वारा संचित

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2344.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 13 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendment in Part II of the Third Schedule to the said Act, namely :—

In Part II of the Third Schedule to the said Act, the following entry shall be added at the end, namely :—

"M.D. (University of East Phillipines)".

[No. V. 11015/13/86-ME (P)]
P. S. TANDON, Under Secy.

परिवहन मंत्रालय

रेल विभाग (रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 जून, 1986

का. घा. 2345—भारतीय रेलवे प्रधिनियम, 1890 (1890 का प्रधिनियम IX) की धारा 82 की धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरार, श्री गण पति शर्मा, अधिकारी विभाग ने महाराष्ट्र सरकार को 22-11-1985 को दिल्ली मण्डल पर अम्बाला-न्युधियाना खण्ड के सम्मुखेश्वर पर 6 यु. एम एन ऐसेंजर गाड़ी में हुए बम्ब विस्फोट के कारण उत्पन्न सभी दार्थों के निपटान के लिए तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में, एतद्वारा नियुक्त करती है।

[सं. 86/ई. (ओ.) II/1/2]

MINISTRY OF TRANSPORT

(Department of Railways)
(Railway Board)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O. 2345.—In pursuance of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890) the Central Government hereby appoints Shri Ganapati

Sharma, Addl. District and Sessions Judge, Amritsar as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the claims arising out of the bomb explosion in 6 USN passenger train at Sambhu station on Ambala-Ludhiana Section on Delhi Division on 22-11-1985. His Headquarters will be at Ludhiana.

[No. 86/E(O) II/1/2]

का. घा. 2346—भारतीय रेल प्रधिनियम, 1890 (1890 का प्रधिनियम 9) की धारा 82 की धारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार एतद्वारा 28-1-86 को पूर्व रेलवे के बामगांडी हवाड़ा के निकट हुई दुर्घटना के कारण उत्पन्न दार्थों का निपटान करने के लिए श्री ए. एन. बासु, सेवानिवृत्त जिला एवं सेशन जज को तदर्थ दावा आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[सं. 86/ई. (ओ.) II/1/1]
ए. एन. बासु, सेवानिवृत्त रेलवे बोर्ड
एवं पर्यावरण सचिव।

S.O. 2346.—In exercise of the powers conferred by Section 82-B of the Indian Railways Act, 1890 (Act IX of 1890), the Central Government hereby appoints Shri A. N. Basu, retired District and Sessions Judge as Ad-hoc Claims Commissioner to deal with all the Claims arising out of accident near Ramangachi, Howrah of Eastern Railways on 28-1-1986.

[No. 86/E(O) II/1/1]
A. N. WANCHOO, Secy. Railway Board
and ex officio Addl. Secy.

संचार मंत्रालय

(इरसंचार विभाग)

नई दिल्ली, 3 जून, 1986

का. घा. 2347—स्वायी भारतीय संस्था 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के संह. III के पैरा (क) के अनुसार सहानिवेशक, दूरसंचार विभाग ने महाराष्ट्र टेलीफोन केन्द्र थीहार में दिनांक 24-06-1986 से प्रमाणित वर प्रमाणी लागू करने का निश्चय किया है।

[संख्या 5-29/86 वी एच बी]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Department of Communications)

New Delhi, the 3rd June, 1986

S.O. 2347.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Department of Telecommunications, hereby specifies 24-6-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Saharsa Telephone Exchange, Bihar Telecom. Circle.

[No. 5-29/86-PHB]

नई दिल्ली, 4 जून, 1986

का. आ. 2348:—स्थायी आदेश नंदवा 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड III के पैरा (क) के अनुसार भारतीय दूरसंचार विभाग ने कमता केंगोरी तथा किन्स्टर टेलीफोन केन्द्रों कॉन्ट्रॉक्स में दिनांक 25-06-1986 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्पत्र किया है।

[संख्या 5-22/86 पी.एच.बी]

के. पी. शर्मा, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

New Delhi, the 4th June, 1986

S.O. 2348.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General Department of Telecommunications, hereby specifies 25-6-1986 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Kumta, Kengeri and Kittoor Telephone Exchange, Karnataka Circle.

[No. 5-22/86-PHB]

K. P. SHARMA, Asstt. Director General (PHB)

(पोस्ट मास्टर जनरल, मध्य प्रदेश परिमंडल का कार्यालय)

भोपाल, 26 मई, 1986

का. आ. 2349.—केन्द्रीय सरकार का यह मत है कि श्री भार. के. पाठक डाक सहायक, पिपलिया भंडी (जिला मन्दसौर प्राप्त मध्यप्रदेश के विहङ्ग विभागीय जाव एक्स्ट्रा गवाहों के रूप में निम्नलिखित अधिकारियों को बुलाना आवश्यक है:—

(1) श्री अशोक कुमार शर्मा, हाईकोर्ट नं. 3, रोड नं. 3 नई आबादी मन्दसौर।

(2) श्रीमति कला शर्मा पति श्री अशोक कुमार शर्मा, 2/3 नई आबादी मन्दसौर।

अतः विभागीय जाव (गवाहों की उपरिति के बाब्यकरण एवं दस्तावेज प्रस्तुतिकरण अधिनियम 1972 (1972 का 18) की धारा 4 की उपधारा (1) के तहत किये गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री जी. भार. के. पाठक, डाक सहायक पिपलिया भंडी (मन्दसौर) के विषय सी. सी. एस. (सी. सी. ए. रुल्स 1965) के नियम 14 के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के लिये उपरोक्त अधिनियम की धारा 5 में विनियिष्ट अधिकारों का प्रयोग करें।

[डिस्ट्रीक्शन /10 /मन्दसौर /85]

जी. एस. राज, पोस्टमास्टर, जनरल,

(Office of the Post Master General, MP Circle)

Bhopal, the 26th May, 1986

S.O. 2349.—Whereas the Central Government is of the opinion that for the purpose of Departmental enquiry relating to Shri R. K. Pathak, Postal Assistant Piplia Mandi (Mandsaur State M.P.), it is necessary to summon as witnesses the following persons:—

- Shri Ashok Kumar Sharma,
Scheme No. 2, Road No. 3,
Nai Abadi, Mandsaur.
- Smt. Kala Sharma W/o
Ashok Kumar Sharma,
2/3 Nai Abadi, Mandsaur.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section (4) of Departmental Enquiries (Enforcement of Attendance of witnesses and Production of Documents) Act 1972 (18 of 1972) the Central Government hereby authorise Shri G. R. Parashar, Asstt. Suptd. of Post Offices (Tour) Mandsaur as Inquiring Authority to exercise the powers specified in Section (5) of the said Act

35IGI/86-9

in relation to the disciplinary action under Rule 14 of C.C.S. (CCA) Rules 1965 against Shri R. K. Pathak Postal Assistant, Piplia Mandi (Mandsaur).

[No. Disc./10/Mandsaur/85]
G.V.S. RAO, Postmaster General

धर्म मंत्रालय-

नई दिल्ली, 2 जून, 1986

का. आ. 2330:—मैसर्स डॉल्टन फैब्रिल्स हॉटस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, डॉल्टन हाउस, भरत राम रोड, 24 दररामगंज, नई दिल्ली, (शा. एल. 179) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य नियम अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक अधिदाय या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के स्पष्ट में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी नियम प्रबन्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त स्कीम बहुत गया है) के अधीन अनुज्ञेय हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अत्म मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का. आ. 4085 तारीख 13-11-82 के अनुसार में और इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियिष्ट शारीरों के अधीन रहने हुए उक्त स्थापन को, 4-12-1985 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 3-12-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रबन्ध से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य नियम आयुक्त देहली को ऐसी विवरणिया भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर नियिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर नियिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सन्दाय लेखाओं का अस्तरण, निरीक्षण प्रभारों का सन्दाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंड्य की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुक्राद, स्थापन के सूचना पद्धति पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य नियम का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य नियम का पहले ही सबस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के संपर्क के रूप में उसका नाम तुरत दर्ज करेगा और उसकी आवश्यक आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सन्वत्त करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ावे जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बढ़ावा दी जाने की आवश्यक करेगा जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध

कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सम्बेद्य रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बगवर रकम का सम्बाध करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन प्रावेशिक अधिक्य निधि आयुक्त देहनी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहाँ प्रावेशिक अधिक्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तिगृहीत रवासर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा नियम द्वारा मिथक तारीख के भालर प्रीमियम का सम्बाध करने में असफल रहता है, और पालिसी को अवगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सम्बाध में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशितीयों या विधिक वारिस को जो यदि वह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते बीमा कायदों के सम्बाध का उत्तरदायिक नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आवेदन किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा नियम, बीमाकूल राशि के हकदार नामनिर्देशिती विधिक वारिसों को उस राशि का सम्बाध तभ्यरता से और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014 / 254 / 82 पी एफ 2 एस एस-2]

MINISTRY OF LABOUR
New Delhi, the 2nd June, 1986

S.O. 2350.—Whereas Messrs Delton Cables Industries Private Limited, Delton House, Bharat Ram Road, 24 Daryaganj, New Delhi (DL/179) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4085 dated the 13-11-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium, the responsibility or payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or

the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. 3. 35014/254/82-PF.II(SS.II)]

का.आ. 2351.—मैसेस आन्ध्रा प्रभा प्राइवेट लिमिटेड, एक्सप्रैस टेलर, लोबर टेक वन्ड रोड, डोमगुडा, हैदराबाद (ए.पी./5156) और मैसेस आन्ध्रा प्रभा प्राइवेट लिमिटेड, हैरस्ट्रियल पार्टेट, बी.टी. अग्रराहाराम विजियनागाराम, (ए.पी./5156-ए).—(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध प्रविनियम, 1952 का 17 (जिसे इसके पश्चात् उक्त प्रविनियम कहा गया है) की धारा 17 की उपधारा 2(ब) के अधीन छूट दिये जाने के लिए आवेदन किया है।

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी, किसी पृथक अधिकार या प्रीमियम के संदाय किये बिना ही भारतीय जीवन नीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में कायदे उठा रहे हैं और ऐसे कर्मचारियों के लिए ये कायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो कर्मचारी निकेप संबद्ध बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन उन्हें अनुज्ञेय हैं।

अतः केन्द्रीय सरकार उक्त प्रविनियम की धारा 17 की उपधारा-2ब्रह्मा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियोजित शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त स्थापन के नियमित कर्मचारियों की सीन अपं की प्रविधि के लिए उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रवर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रादेशिक भविष्य निधि आन्ध्र, आन्ध्र प्रदेश को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखें तथा निरीक्षण के लिए ऐसी मुद्रितायें प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार, समय-समय पर नियोजित करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक भास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रविनियम की धारा-17 की उपधारा 3-क के छट-क के अधीन समय-समय पर नियोजित करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अस्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अवलोग, निरीक्षण प्रभारों मेंदाय आदि भी है, होने वाले सभी घटों का वहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजन, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंजुषा भी भावा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना पट्ट पर प्रविशित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रविनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उनके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो, तो नियोजन सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उस का नाम दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संबल करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बहुत जाते हैं तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से भूदि किये जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन प्रादेशिक भविष्य निधि आन्ध्र, आन्ध्र प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां निसी संशोधन से कर्मचारियों के द्वितीय प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां प्रादेशिक भविष्य निधि आन्ध्र अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणावश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणावश स्थापन के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम को उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है और पालिसी को अवश्यत हो जाने दिया जाता है तो, छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी अतिक्रम की वजा में उस मृत सदस्यों के नाम निर्देशितियों या विधिक बारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो, उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते। बीमा फायदों के संदाय का उत्तराधिक्रिया नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हक्कार नाम निर्देशितियों/विधिक बारिसों को बीमाकृत रकम का संदाय तत्पत्रता से भीतर प्रत्येक वजा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत रकम प्राप्त होने के एक भास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[सं. एम-35014/185/86-एसएस-2]

S.O. 2351.—Whereas Messrs Andhra Prabha Private Limited, Express Centre, Lower Tank Bund Road, Domalguda, Hyderabad, (AP/5156) and M/s. Andhra Prabha Private Limited Industrial Estate, V. T. Agsharam Vizianagaram (AP/5156) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2B) of Section 17 of the Employees' Provident Fund & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And whereas, the Central Government is satisfied that the regular employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2B) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto, the Central Government hereby exempts the regular employees of the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a period of three years.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Com-

missioner Andhra Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees Provident Fund or the Provident Fund of an establishment, exempted under the said Act, is employed in the establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced, so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee that amount payable under this Scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Andhra Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the numbers covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominees/ legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[S. 35014/185/86-SS-II]

का.प्रा. 2352—मैमर्स भारत एन्यमीनियम कम्पनी निमिटेड पंजाब हाउस, 18 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, (डी-एल/3864) (जिसे हमें हमके पश्चात उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रक्रीण उपलब्ध

प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे हमें हमके पश्चात उक्त नियम कहा गया है को धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी प्रथक अधिनियम या प्रीमियम का सन्दर्भ किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा नियम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो कायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन कायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी नियम सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे हमें हमके पश्चात उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुरोध हैं;

अन: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रवेत शक्तिवर्ती का प्रयोग करते हुए श्रीर भारतीय सरकार के अम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का, आ. 3946 तारीख 8-11-1982 के अनुसरण में और उपायद्वारा अनुसूची में विनिश्चित शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 29-11-1985 से लीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 28-11-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रश्नान से छूट देती है।

अनुमोदी

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त वैद्युती को ऐसी विवरणियां देंगे जो उक्त स्थापन के केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्विट करे।

2. नियोजन, ऐसे विरीक्षण प्रभारों का प्रथेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दर्भ करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्विट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिनके अन्तर्भृत लेखांगों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, वर्षा प्रधिनियम का सन्दर्भ, लेखांगों का अस्तरण, नियोजन प्रभारों का सन्दर्भ आदि भी है, हमें वाने सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी सुधार बातों का अनुवाद, स्थापन के सूचना-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही गवर्स है, उसके स्थापन में नियोजन किया जाता है तो नियोजक सामूहिक वर्षा स्कीम के सदर्शक के रूप में उसका नाम तुरंत दर्ज करेगा। और उसका बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सन्दर्भ करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों द्वारा उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बढ़ायी जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन कायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरोध हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संवेद्य रकम उस रकम से कम है तो कर्मचारी को उस दणा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बराबर रकम का सन्दर्भ करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भवित्व निधि आयुक्त द्वारा के पूर्व अनुमोदन के लिए नहीं किया जाएगा और जहां नियंत्रित संशोधन में कर्मचारियों के लिए पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो तब, प्रावेशिक भवित्व निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृच्छिकोण स्पष्ट करने का यक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबज़ा स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम भी उस सामूहिक दीवाने कीमत के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी नीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबज़ा, नियोजक भारतीय जीवन बीमा नियम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रसिद्धि का सन्दर्भ करने में असफल रहता है, और पालिमी को ध्वनित हो जाने दिया जाता है तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम से गन्धार्य से किए गए किसी अनियम की दशा में, उन मृत वदयों के नामनिर्देशियों या विधिक वारियों को जो यदि यह, छूट से दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कार्यालयों के सन्दर्भ का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी संस्था की मुश्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा नियम, बीमारुप राशि के दृश्यारात्रामिति विधिक वारियों की इस राशि का सन्दर्भ तत्परता से और प्रत्येक वर्ष में दूर प्रकार में पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक माम के भीतर मुनिष्वित करेगा।

[संदर्भ एम-35014/232/82-गी.एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2352.—Whereas Messrs Bharat Aluminium Company Limited, Punjab House, 18 Nehru Place, New Delhi-110019. (DL/3864) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3946 dated the 8-11-1982 and subject to the conditions specified in the SCHEDULE annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 29-11-1985 upto and inclusive of the 28-11-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. Within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S. 35014/232/82-PF. II(SS.II)]

का.आ. 2353—मैमसं मोर्चन बेत्रोज (इन्डिया) लिमिटेड, नीमरी मैजिल, पालिका भवन, रिंग रोड, द्यार.के.पूराम, मैक्टर-8, नई दिल्ली-110066 (डी.एल./2810) (जिसे इसमें इसके पश्चात उस स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भवित्व निधि और प्रक्रीण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952

का 19) जिसे इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

श्रीर केन्द्रीय सरकार का समादान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी प्रकार अभिनाव या ग्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निश्चेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1970 (जिसे इसमें हमके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुशेष हैं।

प्रतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त अनियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के अभ मंत्रालय का अधिकूचना संबंधित का, आ. 3348 तारीख 30-8-1982 के अनुसरण में और इससे उपर्युक्त अनुसूची में वित्तिश्वेष गतों के अधीन रहने हुए उक्त स्थापन को, 18-9-1985 से तीस वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 17-9-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रबंधन से छूट देती है।

अनुमूलकी

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक अधिक्षय नियंत्रित देहली को ऐसी विवरणियों देंगे और ऐसे लेखा रखेगा तथा नियोजन के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे नियोजन प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्दाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन समय समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखायों का रखा जाता, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा ग्रीमियम का सन्दाय लेखायों का अन्तर्गत नियोजन प्रभारों का सन्दाय अवधि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमत्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुशासन, स्थापन के सूचना-पट्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी अधिक्षय नियंत्रित का प्रयोग के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की अधिक्षय का पहले ही सक्षम है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक ग्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्दर्भ करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में सम्बिल रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेष हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्दर्भ रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सहेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक गारिस/नामनिर्देशिती के विविध रकमों के अनुशासन के बाबत उक्त रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक अधिक्षय नियंत्रित अस्युक्त वेहली के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के लिए पर प्रतिकृति प्रभाव पहने की समस्वता हो, वहां प्रावेशिक अधिक्षय नियंत्रित अस्युक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना द्वितीयों स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रबंधन देना।

9. यदि किसी कारणवश स्थान के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना छूटा है, अधीन रही रहे जाते हैं, या उस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रूप से कम हों जाते हैं, तो यह छूट रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश स्थान के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यपत रहे जाने दिया जाता है तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट रही रहती हो तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कायदों के सन्दाय का उत्तराधित्य नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाहृत राशि के दृक्वार नामनिर्देशिती/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तप्सरता से और प्रथेक दशा में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/81/86-एफ.-2/एस एस -2]

S.O. 2353.—Whereas Messrs. Modern Bakeries (India) Limited, IIrd Floor, Palika Bhavan, Ring Road, R. K. Puram, Sector-VIII, New Delhi-110006 (DL/2810) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3348 dated the 30-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 18-9-1985 upto and inclusive of the 17-9-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[JNo. S-35014/181/82-PF. II (SS-II)]

का. या. १३५—मीमां रौनक अमरनीशनल निपिटिक, १७ पालियार्मेन्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली-११०००१, (री.एस. २२९), जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध प्रधिनियम, १९५२ (१९५२ का १०) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त प्रधिनियम कहा गया है की शारा १७ की उपचारा (३क) के अधीन कहा दिया जाने के लिए गावेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पश्चक अविवाय या प्रीमियम का सम्बाय किए किसी ही भागीदार जीवन बीमा लिंगम की जीवन बीमा की सामूहिक बीमा, स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे तेसे कर्मचारियों को उन फायदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी लिंगम सम्बद्ध बीमा स्कीम, १९७६ (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुमेय हैं।

यह केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की शारा १७ की उपचारा (३क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की प्रधिसूचना संदर्भ का ग्रा. 4071 तारीख १२-११-१९८२ के अनुसरण में और इसमें उपादान प्रनुसूची में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, ४-१२-१९८५ से तीन वर्ष की प्रवधि के लिए, जिसमें ३-१२-१९८४ थी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रबर्तन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजक प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त देखती हो ऐसी विवरणों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएँ प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के १५ दिन के भीतर सम्बाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त प्रधिनियम की शारा १७ की उपचारा (३क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

3. मामूलिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके मन्त्रांग सेक्युरिटी का रखा जाता, विवरणों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्रीमियम का सम्बाय लेखांगों का अन्वरण, निरीक्षण प्रभारों का सत्वाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुमंडल्य की भावा में उसकी मुश्य बातों का अनुवाद स्थापन के सूचना-पट्ट पर प्रविश्ट करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त प्रधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सवाल है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सवाल के रूप में उसका नाम तुरन्त बर्ज करेगा और उसकी ब्रावन आवश्यक प्रीमियम भागीदार जीवन बीमा लिंगम को सदृश करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बकाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से बढ़ि की जाने की व्यवस्था करेगा जिसमें कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुरोध हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मुश्य पर इस स्कीम के अधीन सन्देश रकम उम रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामनिर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्वरण के विवार रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त देखती के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के द्वितीय प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दिल्ली शास्त्र करने का यक्षिण्यज्ञ प्रबन्धन देगा।

9. यदि किसी का लिंगम की उस सामूहिक है, अधीन नहीं रह जा प्राप्त होने वाले फायदे रह की जा सकती है:

10. यदि किसी कारणबाट, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पानिसी को अवगत हो जाने दिया जाता है, तो छूट दद्दी जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्दाय में किए गए किसी अविकलन की दृष्टि में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा कार्यदों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकृत राशि के हक्कवार नामनिर्देशितीयों/विधिक वारिसों को उस राशि का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक बारा में हर प्रकार से पूर्ण रूप से प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या प्रम-35014/275/82-पी.एफ.-2/एम एस-2]

S.O. 2354.—Whereas Messrs, Raunaq International Limited, 17, Parliament Street, New Delhi-110001 (DL/2229) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the said Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme) :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 4071 dated the 12-11-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees

under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No S-35014/275/82-PF II (SS-II)]

का.पा. 2355.—मैसरी भरतीय दृष्टम् प्राइवेट लिमिटेड, बी-20, कनाट प्लेट, नई दिल्ली, (बी.एल./4511), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) से कर्मचारी अविष्य निधि और प्रकीर्ण उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की बारा 17 की उपधारा (2क) के अधीन छूट दिया जाने के लिए आवेदन किया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पथक अभियान या प्रीमियम का सन्दाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की मास्ट्रिक बीमा स्कीम के अधीन जीवन बीमा के रूप में जो कार्यवा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन कार्यदों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी नियमेप सहज बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन अनुकूल हैं;

अतः केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की बारा 17 की उपधारा (2क) वारा प्रदत्त प्रतियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मेंशालय की अधिसूचना संख्या का.पा. 2946 तारीख 4-8-1982 के अनुसुराम में और इसमें उपाधार अनुसूची में विनियिष्ट प्रतियों के अधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 21-9-1985 से सीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 20-9-1988 ती समिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपचारों के प्रबोधन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक अविष्य निधि आयुक्त वेहली को ऐसी विवरणीय भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा

निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारीों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर सन्धाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा (उक) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का सन्धाय लेखाओं का अन्तर्गत, निरीक्षण प्रभारीों का सन्धाय आदि भी है, हीने वाले सभी व्ययों का बहुत नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुद्रा बातों का अनुसार, स्थापन के सूचना-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त कियी स्थापन के भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त बंद करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को सन्दर्भ करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ावे जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुचित रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिस से कि कर्मचारियों के लिए गामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन सन्देश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में सन्देश होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विविध वारिस/नामनिर्देशिती को प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अन्तर के बावजूद रकम का सन्धाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुष्ट देशी के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहुँचे की संभावना हो जहां, प्रादेशिक भविष्य निधि आयुष्ट, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना धूटिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणबाधा, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी तरीके से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबाधा, नियोजक भारतीय जीवन बीमा नियम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का सन्धाय करने में असफल रहता है, और पालियो को अपागत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के सन्धाय में किए गए किसी व्यनिकम की दशा में, उन मूल सबलों के नामनिर्देशितीयों या विविध वारिसों को जो यदि यह, छूट न वी मई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा फायदों के सन्धाय का उत्तराधिक नियोजक पर होता।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जीवन बीमा नियम, बीमाकृत राशि के हुक्मदार नामनिर्देशिती/विविध वारिसों को उस राशि का सन्धाय सत्परता से और प्रत्येक दशा में हुर प्रकार से पूर्ण वारे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/200/82-यी.एफ.-2/एसएस-2]

S.O. 2355.—Whereas Messrs. Ajanta Tubes Private Limited D-20, Connaught Place, New Delhi (DL/4511) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 2946 dated the 4-8-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 21-9-1985 upto and inclusive of the 20-9-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and

where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not return to work under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/200/82-PF. II (SS-II)]

नई दिल्ली, तारीख २ अगस्त 1986

का. आ. ३३६६ - जैमर्ग हजारियर्स इंडिया लिमिटेड, इंजीनियर्स इंडिया हाउस, १-धीकांडी कामा एम्स, नई दिल्ली (होम एम्स / 2097) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपलब्ध अधिनियम, १९५२ (१९५२ का १९) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है वी धारा १७ की उपधारा (२क) के प्रधीन कृद दिए जाने के लिए सांत्रिकन किया है :

धौर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् अधिनियम वा प्रीमियम का संदाय किए बिना ही, भारतीय जीवन बीमा निगम की जीवन बीमा स्कीम की सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में जो प्रददा उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन कायदों से भ्रष्टक भ्रन्तकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी नियन्त्रण संकेत बीमा स्कीम, १९७६ (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन ग्रन्तीय.

अत जैदीय सरकार, उक्त अधिनियम वी धारा १७ की उपधारा (२क) धारा प्रदद स्थितियों का प्रयोग करने हुए और भारत सरकार के अम मन्त्रालय की अधिसूचना संख्या का या ३४०२ लारीक ७-१-१९८२ के अनुसार से धौर इससे उपलब्ध भ्रन्तकूली में विनियिष्ट शर्तों के प्रधीन रहने हुए उक्त स्थापन को, २५-९-१९९५ में तीन बर्ष की अवधि के लिए जिसमें २४-९-१९८८ वी सम्पत्ति है, उक्त स्कीम के सभी उपलब्धों के प्रवर्तन से कृद देनी है।

मुस्तकी

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य निधि प्राप्तक, वैहानी को ऐसी विवरणियों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए मुकियाएं प्रश्न करेगा जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट कर।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभागों का प्रत्येक साम की समाप्ति के १५ दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा १७ की उपधारा (२क) के अंडे (२) के प्रधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखांगों का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखांगों का अंतर्गत, निरीक्षण प्रभागों का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का बहुन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा भ्रन्तकूल सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उन संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों को बहुसंख्या को भाषा में उसकी मूल्य शातों का अन्याय, स्थापन के सूचना-पत्र पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि वा या उक्त अधिनियम के प्रधीन कृद प्राप्त किमी स्थापन को भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी आवत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को सन्वत करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के भ्रीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध कायदों में सम्बन्धित रूप से वृद्धि की जाने की अवस्था करेगा जिससे कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध कायदे उन कायदों से अधिक भ्रन्तकूल हों, जो उक्त स्कीम के अधीन भ्रन्त रहें हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होने हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मूल्य पर इस स्कीम के प्रधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी वी उस दशा में संदेश होती जब उक्त स्कीम के अधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक आरिस/नामनिर्देशी की प्रतिक्रिया के रूप में दोमां रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आवृत्त, वैहानी के पूर्व भ्रन्तकूल के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आवृत्त, आपना भ्रन्तकूल बने से पूर्व कर्मचारियों को भ्रपना दृष्टिकोण रखत करने का युक्तियुक्त प्रबोधर देगा।

9. यदि किसी कारणबश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के जिसे स्थापन पहले भ्रपना चुका है, अधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले कायदे किसी रीति में रकम हो जाते हैं, तो यह कृद रह की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणबश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा नियन तारीख के स्थीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को अपग्रेड हो जाने दिया जाता है तो कृद रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी अतिक्रम की दण में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्देशीयों या विधिक आरिसों को जो यदि यह, कृद न हो गई होनी तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा कायदों के संदाय का उत्तराधिकार नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मूल्य होने पर भारतीय जीवन बीमा निगम, बीमाकान रागि के हकदार नामनिर्देशी/विधिक आरिसों को उम रागि का संदाय तत्वरता में और प्रत्येक दण में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक साम के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एम-३५०१४/१८२/८२-पी. एफ-२/एस एस-२]

S.O. 2356.—Whereas Messrs. Engineers India Limited, Engineers India House, 1-Bhikaji Cama Place, New Delhi (DL/2097) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 3402 dated the 9-9-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 25-9-1985 upto and inclusive of the 24-9-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the

employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/182/82-PF. II (SS-II)]

का आ 2357—जैमने फर्टीलाइनर लाइफेन्स इंडिया लिमिटेड, "मध्यबन", 55 नेहरू नगर, नई दिल्ली-110019 (डी. एल./1880) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कमेंटारी भविष्य निधि और प्रबोध उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है की धारा 17 की उपचारा (2क) के प्रधीन छूट दि. जाने के लिए प्रावेदित किया है;

धीर केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कमेंटारी किसी पृष्ठक अधिनियम का संवाद किए बिना ही, जारीय जीवन लोगों नियम की जीवन लीमा स्कीम की सामूहिक लीमा स्कीम के प्रधीन जीवन लीमा के रूप में जो फायदा उठा रहे हैं वे ऐसे कमेंटारियों को उन फायदों से प्रधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कमेंटारी नियम सहृदय लीमा स्कीम, 1976 (विरों इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन मनुष्येण हैं;

प्रत. केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा (2क) द्वारा प्रदत्त अधिनियमों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संस्था का आ. 4072 नामीय 12-11-82 के प्रनुभरण से और इससे उपत्र अनुकूली में त्रिनिविष्ट गर्तों के प्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन द्वा. 4-12-1986 से तीन वर्ष की अवधि के लिए जिसमें 3-12-1988 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के गमी उपचारियों के प्रबन्ध से छूट देती है।

प्रनुभवी

1. उक्त स्थापन के संबंध में नियोजन प्रावेशिक अधिक्य निधि धार्यक, देही को देखी विवरणियों द्वारा देखी लेन्डा गवां तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा और केन्द्रीय सरकार नमग्न-समय पर निर्विष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे नियोजन प्रभारी का प्रत्येक मास भी समाप्ति के 15 दिन के भीतर संवाद करेगा जो केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उप धारा (3क) के छूट (क) के प्रधीन समय-समय पर निर्विष्ट करे।

3. सामूहिक लीमा स्कीम के प्रकाशन में, जिसके अंतर्गत लेखांशों का गता जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाता, लीमा प्रीमियम का मंदाय लेखांशों का अत्यरण, निरीक्षण प्रभारी का मंदाय भावि भी है, होने वाले सभी व्ययों का धर्तन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यह प्रत्योगित सामूहिक लीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और अब उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति यह कमेंटारियों की बहसदात की भावा में उसकी मृश्य बातों का प्रनुभात स्थापन के सुधारों पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले ही सदस्य है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के राश्य के रूप में उसका नाम सुरक्षा वर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा नियम को संतुल करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाये जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदों में समुक्ति रूप से वृद्धि की जाने की व्यवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध फायदे उन फायदों से अधिक अनुकूल हों, तो उक्त स्कीम के अधीन अनुशेय है।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी जो उम्र दशा में संवेद्य होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिम/नामनिर्देशिकों की प्रतिकर के रूप में दोनों रकमों के अंतर के बराबर रकम का संदाय करे करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपलब्धों में कोई भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, जेहो के पूर्व अनुमोदन के विना नहीं लिया जायगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने जी संभावना हो वहां, प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृष्टिकोण करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय जीवन बीमा नियम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले अपना चुना है, प्रधीन नहीं रह जाते हैं, या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले फायदे किसी रीति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश, नियोजक भारतीय जीवन बीमा नियम द्वारा नियत तारीख के भीतर प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है, और पालिसी को व्यव हो जाने किया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में, उन मृत सदस्यों के नामनिर्देशिकों या विधिक वारिसों को जो यदि यह, छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होने, बीमा फायदों के संदाय का उत्तराधिकार मियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन माने जाने किसी सदस्य की मृत्यु होने पर पर भारतीय जीवन बीमा नियम, बीमाकृत राशि के हकदार नामनिर्देशिकों/विधिक वारिसों को उस राशि का संदाय तत्परता से और हर प्रकार से पूर्व दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संलग्न एस - 35014/274/82-पी. एफ-2/एस एस-2]

S.O. 2357 Whereas Messrs Fertilizer Corporation of India Limited, Madhuvan, 55 Nehru Place, New Delhi-110019 (DI/1880) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. 4072 dated the 12-11-1982 and subject to the conditions specified in the schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 4-12-1985 upto and inclusive of the 3-12-1988.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Life Insurance Corporation of India shall ensure

prompt payment of the sum assured to the nominee or the Legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/274/82-PF. II (SS-II)]

का. प्रा. 2358.—मैसर्स एम. पी. टैक्सट बुक कार्पोरेशन, शिवाजी नगर, भोपाल-462001 (एम. पी./2076), (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रबोधन उपचार अधिनियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 17 का उपचारा (2क) के अधीन छूट दिए जाने के लिए आवेदन किया है;

मीरा. केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी पृथक् भविष्यादय या प्राप्तियम का सन्दर्भ किए थिना है; मारतीय जीवन औमा निगम की जीवन बोमा स्कीम को सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन जैवन बोमा के रूप में जो काफ़ी उठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन काफ़दों से अधिक अनुकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निधिप सहायुक्त बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के अधीन अनुमति हैं;

ग्रन्त: केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम का धारा 17 की उपचारा (2क) द्वारा प्रदत्त शर्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अमर गंदालय की अधिकृतना संभाया का. अ. 912 तारीख 23-12-1982 के प्रतुसरण में और इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनियिष्ट शर्तों के प्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन को, 12-2-1986 से तीन वर्ष की अधिक तक लिए जिसमें 11-2-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के उसी उपचारों के प्रबोधन से छूट देती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापन के सम्बन्ध में नियोजन प्रावेशिक भविष्य निधि आयुक्त, गठ्य प्रदेश को ऐसी विवरणियों देंगे कि और ऐसे लेखा रखेंगे तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेंगे जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रस्तेक मास की समाप्ति के 15 दिन के भोतर सम्बाय फरंगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपचारा (2क) के खण्ड (क) के अधीन समय-समय पर निर्दिष्ट करे।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेज़ामों का उद्या जाता, नियोजियों का प्रस्तुत किया जाता, बीमा प्राप्तियम का सन्दर्भ, नियोजक का अन्तरण, नियोजन प्रभारों का सम्बाय आदि भी है, होने वाले मामा व्ययों का अहन नियोजक द्वारा दिया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन को प्रति तथा कर्मचारियों को अनुसंधान की भाषा में उत्तरी उच्च बातों का अनुबाद, स्थापन के सूचनाग्रह पर प्रदान करें।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किया रखने की भविष्य निधि का पहले ही मरम्म है, उसके स्थापन में नियोजक किया जाता है तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सबस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त रद्द करेगा और उसको बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को उपलब्ध करेगा।

6. यदि सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध काफ़दे बढ़ावे जाने हैं, तो नियोजक उक्त स्कीम के घटीन कर्मचारियों को उदारता कार्डों में पृष्ठित रूप से वृद्धि की जाने को अवश्यक करेगा जिसे नियोजक के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध काफ़दे उन काफ़दों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुमति हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेश रकम उस रकम से कम है जो कर्मचारी का उस वर्ष में संदेश होता है तो नियोजक कर्मचारी के विधिक बारिंसामनियोगिती को प्रतिकर के रूप में दाना रकमों के बन्दर रकम का सन्दाय करेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में काहे भी संशोधन, प्रावेशिक भविष्य निवायुक्त, मध्य प्रदेश के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पहने की संभावना हो रही है, तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त हात बाले काफ़ी दूरी से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

9. यदि किसी कारणण, रथापन के कर्मचारी, भारतीय जैवन बीमा निगम का उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे रथापन पहले प्राप्ता था का है, अधीन नहीं रह जाते हैं, तो इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों की प्राप्त हात बाले काफ़ी दूरी से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणण, भारतीय जैवन बीमा निगम द्वारा नियत तारीख के भोतर प्राप्तियम का सन्दाय करने में असफल रहता है, और पालिंसों का व्यवहर हो जाते हैं, तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्राप्तियम के सम्बन्ध में किसी दूरी की दूरी की दूरी में, उन मूल सदस्यों के नामनिर्दिष्टिया या विधिक बारिंसों को जो यदि यह छूट न हो गई होता है तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होता है, बीमा काफ़दों के सन्दाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर भारतीय जैवन बीमा निगम, बोमाकूस राशि के बुकदार नामनिर्दिष्टियों/विधिक बारिंसों को उत्तरदायित्व का सन्दाय तत्परता से और प्रत्येक दृश्य में हर प्रकार से पूर्ण दावे की प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[संख्या एस-35014/465/82-पी.एफ.-2/एस.एस-2]

S.O. 2358.—Whereas Messrs. The MP Text Books Corporation, Shivaji Nagar, Bhopal-462001 (MP/2076) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 912 dated the 23-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 12-2-1986 upto and inclusive of the 11-2-1989.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Madhya Pradesh and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premiums the responsibility for payment of insurance benefits to the nominees or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S-35014/465/82-PF. II (SS-II)

का. अ. 2359.—मैत्री श्रीराम फर्टलाइजर एण्ड कैम्पेन्स, कचन जगा बिडिंग, 18 बाराबाबा रोड, नई विल्सन-110001 (झ.एल./5819), (जिसे इसमें इनके पश्चात् उक्त स्थापन कहा गया है) ने कर्मचारी भविष्य निधि शीर प्रक्रीय उपलब्ध अधिकारियम, 1952 (1952 का 19) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिकारियम कहा गया है) की बारा 17 को उपधारा (2क) के प्रधीन छूट दिए जाने के लिए प्रावेदन किया है;

शीर कर्मचारी सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त स्थापन के कर्मचारी किसी दूषक भविष्याय या प्रीमियम का सन्दर्भ किया जाना हो, भारतीय नीति वीवा त्रिपुरा वीवा स्कीम की सामूहिक वीवा स्कीम के प्रधीन जीवन बीमा के रूप में जो कापवा जठा रहे हैं वे ऐसे कर्मचारियों को उन जारी से प्रधिक भूकूल हैं जो उन्हें कर्मचारी निषेप

सहबद बीमा स्कीम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्कीम कहा गया है) के प्रधीन अनुबंध हैं;

अत. कर्मचारी सरकार, उक्त अधिकारियम की बारा 17 की उपधारा (2क) द्वारा प्रदत्त प्रधीनों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार के अम मवालय का अधिसूचना संख्या का आ. 329 तारीख 6-12-1982 के अनुसार में श्री इसमें उपबद्ध अनुसूची में विनिविष्ट शहों के प्रधीन रहते हुए उक्त स्थापन का, 8-1-1986 से तीन वर्ष को अवधि के लिए जिसमें 7-1-1989 भी सम्मिलित है, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के प्रवर्तन से नूट देंता है।

अनुसूची

1. इति स्थापन के सम्बन्ध में नियोजित प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, देहर्नी का ऐसी विवरणों भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी युक्तिप्राप्त प्रदान करेगा जो कर्मचारी सरकार सम्बन्ध पर निविष्ट करे।

2. नियोजक, ऐसे निराकरण प्रधारों का प्रत्येक भास की सम्भित के 15 वर्ष के भीतर सन्दर्भ करेगा जो कर्मचारी सरकार, उक्त अधिकारियम की बारा 17 को उपधारा (3क) के खण्ड (क) के प्रधीन समय-समय पर निविष्ट करे।

3. समूही; वीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत देखायों का रखा जाता, विवरणों का प्रस्तुत किया जाना, वीमा प्रीमियम का सन्दर्भ देखायों का अन्तर्गत, नियोजक प्रधारों का सन्दर्भ आदि भी है, होने वाले सभी अवयों का वही नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, कर्मचारी सरकार द्वारा यथा अनुमोदित सामूहिक वीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति, और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की अनुसंधान की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद, स्थापन के सुविधा-पट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कम्बारी, जो कम्बारी भविष्य निधि का या इस अधिकारियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापन की भविष्य निधि का पहले हो सकता है, उसके स्थापन में नियोजित किया जाता है तो नियोजक सामूहिक वीमा स्कीम के सवस्य के रूप में उसका नाम तुरंत दज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम, भारतीय ओमन वीमा नियम को सम्पूर्ण करेगा।

6. यदि गागूहिक वीमा स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को उपलब्ध फायदे बढ़ाया जाते हैं तो, नियोजक उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों की उपलब्ध फायदों में समूचित रूप से वृद्धि की जाए, की अवस्था करेगा जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक वीमा स्कीम के प्रधीन उपलब्ध फायदे उन व्यक्तियों से अधिक अनुकूल हों, जो उक्त स्कीम के प्रधीन अनुबंध हैं।

7. समूहिक वीमा स्कीम में किसी दात के होते हुए भी, यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अर्धांश मन्देय रकम उस रकम से कम है जो कम्बारी की उम दरा में संस्थेय होती जब वह उक्त स्कीम के प्रधीन होता है, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नामिनियोशितों का प्रतिकर के रूप में दानों रकमों के अन्तर के बाराबर रकम का सम्भाय परेगा।

8. सामूहिक स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, उन्होंने के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का संभावना हो वह, प्रादेशिक भविष्य निधि प्रायुक्त, अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना वृद्धिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त प्रबद्ध देगा।

9. यदि किसी कारणवश, स्थापन के कर्मचारी, भारतीय ओमन वीमा नियम का उस सामूहिक वीमा स्कीम के, जिसे स्थापन पहले द्वारा चुना है, प्रधीन नहीं रह आते हैं, या इस स्कीम के प्रधीन कर्मचारियों को

प्राप्त होने वाले कायदे किसी रोति से कम हो जाते हैं, तो यह छूट रह की जा रक्खी है।

10. यदि किसी कारबग़ नियोजक भारतीय जीवन बीमा नियम द्वारा नियत तारीख के भव तर्फ प्रीमियम का सन्दाय करने से अवगत रहता है, और पासियों को अपनात ही जाने दिया जाता हो तो छूट रह की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम का सन्दाय में किए गए किसी अविकल्प का दशा में, उन मृत गवर्नरों के नामनिर्देशितियों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उत्त स्वीक के अतिरिक्त होते, भीमा कामयों के सन्दाय का उत्तराधिक नियोजक पर होगा।

12. इस स्केम के प्रश्नों पर वाले किसी मदभ्य को नृत्य होने पर भारतीय जीवन बीमा नियम, बीनाइट गण की हायादर भारतीय विधिक वारिसों को इस तरीके से गत्वाद तत्परता और प्रत्येक दशा में हर प्रकार से पूर्ण शर्तों को प्राप्ति के एक मास के भीतर सुनिश्चित करेगा।

[मंज्या एम-35014/386/82-पी. एफ. -2/प.स. अ.प. -2]

S.O. 2359.—Whereas Messr. Shriram Fertilizer and Chemicals, Kanchanjunga Building, 18 Barakhamba Road, New Delhi-110001 (DL/5819) (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section (2A) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

And whereas, the Central Government is satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of life insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2A) of section 17 of the said Act and in continuation of the Notification of the Government of India in the Ministry of Labour, S.O. 329 dated the 6-12-1982 and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of three years with effect from 8-1-1986 upto and inclusive of the 7-1-1989.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Government may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premium, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishments, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government and, as and when amended, alongwith a translation of the salient features thereof, in the language or the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, is employed in his establishment, the employee shall immediately enrol him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately, if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under this scheme be less than the amount that would be payable had employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the legal heir/nominee of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme, shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

9. Where, for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where, for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption is liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee or the legal heirs of deceased members who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the members covered under the Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee or the legal heirs of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claim complete in all respects.

[No. S 35014/386/82-P.F. II(SS-II)]

मही विली, 11 जून, 1986

का. शा. १८३०:—केन्द्रीय मार्कार को यह प्रतीत होता है कि निम्नलिखित स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों को बहुसंख्या इस दात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारों प्रविधि और प्रकारण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध सम्बन्धित स्थापन को लागू किये जाने वालिएः—

1. ब्रुकलैण्डस हमेट, शातियाम-577162 (चिकमगलूर जिला), कर्नाटक
2. सिद्धारथ इन्डस्ट्रीज, शार-3 नं 492, वायबेड रोड, माळे, बेलगाम-591181।
3. गुलबरगा कोम्पानीपरेटिव प्रिलिंग एण्ड परिक्रेशन बफर्स लिमिटेड, गुलबरगा।
4. फोटोसेट कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड, 21, 12-12-ग., महात्मा गांधी रोड, बंगलौर।
5. बोडे ग्रोवर्सीज कारपोरेशन, नं 10, कार्स बेन रोड, गांधी नगर, बंगलौर-560009।
6. कर्नाटक ब्लैड्स लिमिटेड, (श्रव विलेक इम्पिया लिमिटेड), ५१/ए, रिकमेंड रोड, बंगलौर-25।
7. अलटा विजेन्स मशीन प्राइवेट लिमिटेड, तीसरी मंजिल, सैट प्रिमिस शार्पिं आरकेड, 157, ब्रिगेड रोड, बंगलौर-25।
8. मैरेस एस०एम० बालिंग एण्ड कम्पनी, नं 14, "बाबोरेली", लाल बाग रोड, बंगलौर-27 और बंगलौर में स्थित इसकी शाखाएँ।

9. निट्रोमिन्स प्राइवेट लिमिटेड, 133, पट्टनूर अग्रहारा, दाइटकोइ रोड, बंगलौर-560066 इसके 1, गोविन्दपाशा, नाईफेन स्ट्रीट, महाराष्ट्र-1 स्थित पंजीकृत कार्यालय सहित।
10. पैक्सनम, नं. 1, मूर्गियम रोड, बंगलौर-1।
11. एन्डोगे कस्टोल सिल्स प्राइवेट लिमिटेड, 13/1, लेवेली रोड, बंगलौर।
12. पिण्डोस अमलगमेटिड, सॉमा एसटेट, काशगुडा पोस्ट, कुग जिला।
13. बन्कटलास मोरीलाला राथी एण्ड कॉम्पनी, गुन्ज रोड, रायचूर गौलदग्गा जिला में स्थित इसका हेड ऑफिस।
14. माईन सिक्योरिटी ब्यूरो, 443, चमाराजा डल रोड, मैसूर।
15. श्री जयचम्मा राजेन्द्र मार्ट गैलरी ट्रूट, जगन मोहन पैनेस, मैसूर।
16. अवालोगरी एस्टेट, शाश्विकटे लाल खाना, विकासनगर, जिला।
17. कनारा बैंक रिलीफ एण्ड वेसफोर सोसाईटी, 27 टी एच कास, बानासकरी, दूसरी स्ट्रीट, बंगलौर-70।
18. डाक्टर बो विश्वेषरैया पसंसल स्टाफ, नं 248, बीथा मेन रोड, चमराजपेट बंगलौर-18।
19. बेलयागडी कम्मूनरी कोम्पारेटिव सोसाईटी, बेलयागडी, शी.को. 574214।
20. इंटरलेक इलेक्ट्रोनिक्स (प्राइवेट) लिमिटेड, 120/ए०, 27वीं कास, ७वीं ब्लाक पोस्ट बाजार नं० 1125, जयानगर, बंगलौर-560011।
21. रायथारा सेवा सदाकारा संघ विधिमिता, हागरी बोम्मानाहाली ब्लैरी जिला, होस्टेट तालुक, कनाटक।
22. मन मोहन धार एण्ड रेस्टोरेंट, नं० 21/22, लेडी कर्जन रोड, बंगलौर।
23. न्यू मनीस प्राइवेट्स, बेनारी, दुल्ली।
24. बिनायक केमिकल्स (प्राइवेट) लिमिटेड, ए. 360, वीथा इण्डस्ट्रीज एस्टेट, बंगलौर-560058।
25. स्टोल द्यूस आफ साऊथ इन्डिया, वाईट फील्ड रोड, महावेल पुरा पोस्ट, बंगलौर-48 और उसका "इकानत", 1660, 12 बीं कास रोड, एच.ए.एल., सीसरा स्ट्रेज, बंगलौर-75 स्थित कार्यालय।
26. श्री चमुच्छी नोपेडस लिमिटेड, नं. 195, परीजात व्हिस आरसाई, बंगलौर 560080 और रेजिस्टरी रोड, बंगलौर-35 स्थित उसकी शाखा सहित।
27. इन्टरनेशनल डिटेक्टिव एजेंसी, 17, सुपर मार्किट, टीसरी मंजिल, दुल्ली-29।
28. दा महिला कोम्पारेटिव बैंक लिमिटेड, 95/1, ५बीं कास, मालेश्वरम, बंगलौर-560003।
29. शाबानूर फार्मस सर्विस कोम्पारेटिव सोसाईटी लिमिटेड, शाबानूर (शाबानूर रायथारा सेवा सदाकारा संघ लिमिटेड) वेंवागरी तालुक
30. दा आरसीकरा अखबन कोम्पारेटिव बैंक लिमिटेड, साईनाम रोड, आरसीकरा-573103
31. आर्या आस्या कोम्पारेटिव सोसाईटी लिमिटेड, आरसीकरा।
32. देवराज इंस्ट्रोज राईस मिल्स, कुशाग्री, रोड, मिधानूर, रायचूर।
33. एक्शन एड, (पुराना एक्शन इन डिस्ट्रीब लिमिटेड), पोस्ट बाजार 2527, 10/1, आईट स्ट्रीट, बंगलौर-560025।
34. बिनायक मास्किटो कार्पल मैन्यू फैक्ट्रीज कम्पनी, ए.-360/361, इस्हटटीयल एस्टेट, वीथा, बंगलौर-560025।

35. मार थीमोथिएस मेमोरियल हैल्प एण्ड लैपरासी सेंटर, पोस्ट ऑफिस टीयाम्बगलम, 678102, पानधाट जिला।
- अतः केन्द्रीय सरकार उक्त धारा नियम की धारा 1, की उप धारा 4 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थानों को लागू करती है।

[स. एस-35019/(160) 86-एस-2]
ए.के. भट्टराई, भवर सचिव

New Delhi, the 11th June, 1986

S.O. 2360.—Whereas it appears to the Central Government that the employers and the majority of employees in relation to the following establishments have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the respective establishments, namely,

1. M/s. Brook Lands Estate, Shanthigrama-577162, Chikmagalur District, Karnataka.
2. M/s. Siddharth Industries, R-3 No. 492, Waghwade Road, Mache, Belgaum.
3. M/s. The Gulbarga Co-operative Printing and Publication Works Ltd., Gulbarga.
4. M/s. Fotoset Company Private Ltd., 21, 12-12A, Mahatma Gandhi Road, Bangalore.
5. M/s. Khoday Overseas Corporation, No. 10, 1st Main Road, Gandhinagar, Bangalore-560009.
6. M/s. Karnataka Blades Ltd. (Now Wilttech India Ltd.), 51/A, Richmond Road, Bangalore-25.
7. M/s. Ultra Business Machines Private Ltd., 2nd Floor, St. Patrick's Shopping Arcade, 157, Brigade Road, Bangalore-25.
8. M/s. B.S.M. Baliga & Company No. 14, "Baverly", Laj Bagh Road, Bangalore-27 including its branches in Bangalore.
9. M/s. Nitromix Private Limited, 133, Pattandur Agrahara, Whitefield Road, Bangalore alongwith its Administrative Office at 41-43, Levelley Road, Bangalore and Registered Office at 15, Govindappa Naicker Street, Madras-1.
10. M/s. Gaxnam, No. 1, Museum Road, Bangalore-1.
11. M/s. Enviro Control Systems Private Limited, 13/1, Levelley Road, Bangalore.
12. Pintos Amalgamated Saubha Estate, Karagunda, Post, Coorg District.
13. M/s. Bankatal Motilal Rathi & Co., Guni Road, Raichur including its head office in Gulbarga district.
14. M/s. Modern Security Bureau, 443, Chamaraja Double Road, Mysore.
15. M/s. Sri Jayachamarajendra Art Gallery Trust, Jagan Mohan Palace, Mysore.
16. M/s. Awalagiri Estate, Basarikatte PO, Chickmagalur District.
17. M/s. Canara Bank Relief and Welfare Society, 27th Cross, Banashankari 1Ind State, Bangalore-70.
18. M/s. Dr. V. Vishweshwaraiyah Personnel Staff, No. 248, IV Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18.
19. M/s. Belthangady Consumers Co-operative Society, Belthangady, DK 574214.
20. M/s. Interlect Electronics (Private) Limited, 120/A 27th Cross, 7th Block, Post Box No. 1125, Jayanagar, Bangalore.
21. M/s. Raithare Seva Sahakara Sangha Niyamitba, Hagarji Bommanhalli Bellary District, Hospet Taluk, Karnataka.

On behalf of the employers—Shri B. Joshi, Advocate.
 STATE : Bihar INDUSTRY : Coal.
 Dated, Dhanbad, the 20th May, 1986

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-200012(25)/85-D.III(A), dated, the 28-5-1985.

SCHEDULE

"Whether the action of the management of Kesurgarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited, P.O. Nudkhurkee, Dhanbad in terminating the services of Shri Bindulal Mahato, Miner/Loader with effect from 21-10-1983 is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled ?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Bindulal Mahato had been working as Permanent Miner/Loader since long. The concerned workman was suffering from T.B. and so he could not join his duties and remained absent from 1-5-82. After recovering from his illness he reported for his duties with medical certificate, but the management terminated his services with effect from 21-10-83 instead of allowing to resume his duties. The concerned workmen represented before the management several times against his illegal and arbitrary termination but without any effect. The union raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad on 3-4-84 challenging the illegal dismissal order of the concerned workman. The conciliation ended in failure and thereafter the present reference was made to this Tribunal for adjudication. It is submitted that the termination of the services of the concerned workman with effect from 21-10-83 was illegal arbitrary and against the principles of natural justice and against the mandatory provision of Section 25-F of the I.D. Act. The action of the management in terminating the services was against the provision of the Standing Orders. The punishment of termination of service of the concerned workman was too harsh and disproportionate to the alleged offence. On the above plea it is submitted that the concerned workman be reinstated in service with effect from 21-10-83.

The case of the management is that the concerned workman absented from his duties from 1-5-82 without permission or authorised leave. He did not inform the management regarding the facts and circumstances leading to his unauthorised absence for long period. The management issued a chargesheet dated 18-8-83 to the concerned workman on the allegation of commission of misconduct by absenting from duties without permission, authorised leave or information. The concerned workman replied to the chargesheet by his letter dated 11-10-83 that he was sick during the above period and as such he absented from his duties without permission or information. The concerned workman accepted his guilt but pleaded that he was seriously ill during the said period. A departmental enquiry was held in presence of the concerned workman on 18-10-83 in which he was given full opportunity to cross-examine the management's witnesses and to defend himself he was also given opportunity to produce his own defence witnesses. The concerned workman gave his own statement admitting his guilt. The medical certificate produced by the concerned workman before the enquiry officer was not considered to be genuine. The certificate was from a medical practitioner who was not a specialist to treat T.B. The Regional Hospital of the management at Katrasgarh has a special wing for treatment of T.B. and a workman suffering from T.B. is freely treated in the hospital. There was no reason for the concerned workman not to avail of the opportunity of free treatment by specialist doctor and instead got himself treated by a private doctor at the same place. There was absolutely no reason for the concerned workman not to inform the management's about his illness and to take all facilities and payment, available for workmen on account of sickness. A person suffering from T.B. could send an application to the management during the period of 15 months of his unauthorised absence. Even if he was sick there was no justification for the concerned workman not to send information about his illness to the management. The concerned workman procured a false medical certificate from a private medical practitioner to cover up his absence. Even

after procuring the medical certificate on 28-9-83 the concerned workman did not report for his duty and submitted his reply to the chargesheet on 11-10-83. The concerned workman procured medical certificate after receipt of the chargesheet and thereafter submitted his reply to the chargesheet. It was held by the enquiry officer that the concerned workman was guilty of the misconduct levelled against him in the chargesheet. The enquiry proceeding the enquiry report and all other relevant papers were duly examined by competent authorities and thereafter the concerned workman was dismissed from his services by letter dated 21-10-83. The concerned workman accepted the dismissal order without any protest. The industrial dispute was raised subsequently in the spirit of gambling. It is submitted on behalf of the management that the action taken against the concerned workman was legal bonafide and in accordance with the provisions of the Standing Orders. The absence from duties without permission or information is a serious type of misconduct as it becomes frustration of contract. As it is an act of serious indiscipline, the order of dismissal is the only action which has to be taken so as to deter all such like minded persons. It is further submitted that the concerned workman is not entitled to any relief.

The point for consideration is whether the management was justified in terminating the services of the concerned workman with effect from 21-10-83.

The management had earlier prayed to decide as a preliminary point regarding the fairness or otherwise of the departmental enquiry held against the concerned workman and the said point was decided as a preliminary point by my order dated 7-4-86. It was held that the enquiry was fair and proper and that principles of natural justice had been adhered to. As such this case was heard on merit on the basis of materials which were already on record of the domestic enquiry.

It will appear from the enquiry proceeding that after receiving the chargesheet Ext. M-1, the concerned workman filed his reply (Ext. M-2) to the chargesheet. Ext. M-4 is the enquiry proceeding which shows that the enquiry was taken up on 18-10-83 in presence of the concerned workman and it was concluded on the same date. The management examined Shri Jageswar Prasad Leave/Sick clerk who stated that he had not received any application from the concerned workman intimating about his illness. He has stated that if the concerned workman had sent any application for leave the same would have been received by him. The concerned workman did not cross-examine this witness. It is clear therefore that the concerned workman had not sent any application for leave. The concerned workman did not examine any witness in his defence before the Enquiry Officer but he had given his own statement. It will appear from his statement before the Enquiry Officer that he was ill and he had sent an application for leave through his cousin and that his cousin came to the colliery but no one received the application from him. He has further stated that he was seriously ill and was unable to move from his bed. He has stated that he had got himself treated for 2 or three days at Madhuban colliery dispensary and when he was not cured then he got himself treated from Dr. V. N. Singh and that the said doctor V. N. Singh gave him a certificate showing that he was fit to work from 28-1-83 and thereafter he went to join his duties. He was cross-examine on behalf of the management. He stated that he did not inform about his illness when he was getting himself treated at Madhuban. He was also asked whether his cousin informed any officer when his application was not taken by the clerk to which he stated that his cousin did not inform any officer of the colliery. It will thus appear from the statement of the concerned workman that he had sent his application for leave through his cousin but the same was not accepted and secondly that he was treated at Madhuban for 2 to 3 days and thereafter he was treated by Dr. V. N. Singh at Katras who granted him the certificate.

I will first take up the point whether he had sent any information to the management through his cousin as is being stated by him.

Ext. M-2 dated 29-9-83 is the reply to the chargesheet. This was the first document in which the concerned workman had stated about the facts. He has stated that from 1-5-82

he could not attend his duties as he was seriously ill and that he got his treatment at Madhuban Colliery for some days and when he did not recover he was taken to Katras where he was treated by a doctor for T.B. He has clearly stated that he was not in a position to move from his bed and he could not send any information about his illness to the management. He has further stated that he has only an old father at his house who was not in a position to move and give any information at the colliery. He has stated that for the said reasons no information was sent by him about his illness and that when he has fully recovered he wanted to join his duties. He has further stated that he has committed a mistake in not giving the information of his illness. It is clear therefore from his earlier statement in Ext. M-2 that he had not sent any application or information regarding his illness to the colliery and that his subsequent statement that he had sent information of his illness through his cousin which was not taken appears to be absolutely false.

The medical certificate granted by the doctor V. N. Singh is dated 28-9-83. It is stated in this certificate that the concerned workman was suffering from T.B. and was under his treatment from 1-5-82 to 28-9-83 and that during the above period he was advised rest and now he was fit to resume his duties from 29-9-83. The concerned workman did not examine the said doctor in the domestic enquiry in order to establish that he was really under the treatment of a doctor from 1-5-82 to 28-9-83. The falsity of the certificate is apparent from the fact where it states that the concerned workman was in the treatment of the said doctor from 1-5-82 to 28-9-83. It will appear from Ext. M-2 which is the reply to the chargesheet and the statement of the concerned workman before the E.O. that he was ill from 1-5-82 and that he got himself treated in Madhuban Colliery for 2 to 3 days and that thereafter he was treated at Katras by the private doctor. If the concerned workman had got himself treated for 2 to 3 days at Madhuban Colliery dispensary, doctor (V. N. Singh) could not have treated him from 1-5-82. Admittedly the concerned workman had moved to Katras 2 or 3 days after 1-5-82 and as such even if he was under the treatment of Dr. V. N. Singh he could be in the treatment of the said doctor from 4-5-82 or afterwards and it must be two or three days subsequent to 1-5-82. It is clear therefore that the certificate granted by the said Dr. V. N. Singh is not correct on the very statement of the concerned workman. It is for this reason probably that the doctor could not dare to come in support of the certificate granted by him. In the face of the above fact I think the enquiry officer had rightly refused to accept the said medical certificates and he has been rightly dismissed from service for misconduct.

Admittedly the concerned workman remained absent from 1-5-82 to 28-9-83 which is a period of about 1 year and 4 months. If really the concerned workman was absent because of T.B. he could have sent information of his illness even through post but it appears that he was absenting without any cause of his own accord and as such he did not send any information. Admittedly, the management has a specialist wing for treatment of T.B. at Katragarh where the concerned workman could have got free treatment by specialist doctor and he could also have all facilities and payment available for workman on account of sickness. The concerned workman, as stated by him, preferred to be under the treatment of a general private physician. The concerned workman neither examined the said doctor nor produced any prescription of the relevant period to show that the doctor had prescribed any medicine for him and that he had purchased any medicine from the market. The absence of these materials also show that the case of the workman that he had absented due to his illness does not at all appear to be convincing.

In the result, I hold that the action of the management of Kessurgarh Colliery of M/s. B. C. C. Ltd. in terminating the services of the concerned workman with effect from 21-10-83 is justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

This is my Award.

I. N. SINGH, Presiding Officer
[No. L-20012/25/85-D.III(A)]

का.आ. 2363:—ग्राम्याधिक विधान अधिनियम, 1947 (1947 का 14) का धारा 17 के अनुसार, केन्द्रीय सरकार, भारत कोकिंग कोल लि. का बुरगढ़ कॉलियरा, के प्रत्येकत्व के सम्बन्ध नियोजक और उनके कमियां वाले, अनुबंध से नियोजित ग्राम्याधिक विधान में केन्द्रीय सरकार और ग्राम्याधिक अधिकरण, नं 2, धनबाद के पक्षाट की प्रवासित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 30-5-1986 का प्राप्त हुआ था।

S.O. 2363.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Burragarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 30th May, 1986.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

PRESENT : Shri I. N. Sinha, Presiding Officer.

Reference No. 150 of 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Burragarh Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the workmen—Shri S. P. Singh, General Khan Mazdoor Congress.

On behalf of the employer—Shri B. Joshi, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 26th May, 1986

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012(116)/85-D.III(A), dated, the 1st November, 1985.

SCHEDULE

“Whether the demand of Khan Mazdoor Congress that S/Shri Thakur Lohar and Ram Raj Harijan, Pump Khalasis at Burragarh Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. should be placed in a higher category than the one the wages of which are now being paid to them by the management is justified ? if so to what relief are the concerned workmen entitled ?”

The case of the workman is that the concerned workman Thakur Lohar is working as Pump Khalasi at Burragarh Colliery of M/s. B.C. Ltd. since 1977 and has been placed in Cat. I. The other concerned workman Shri Ram Raj Harijan is also working as Pump Khalasi in Burragarh Colliery and has been regularised and placed in Cat. II since 5-10-83. Both of them are operating two pumps at a time of 100 H.P. to 400 H.P. capacity regularly. According to Coal Wage Board Recommendation a Pump Khalasi operating Pump of less than 35 H.P. has been placed in Cat. II and a Pump Khalasi operating Pump of 35 H.P. and above has been placed in Cat. III. It is also provided in the Wage Board Recommendation that a Pump Khalasi Operating more than on Pump is to be placed one category higher. As the concerned workmen are operating two pumps of 100 H.P. to 400 H.P. capacity they are entitled to be placed in Cat. IV of the Wage Board Recommendation. The management is bound to implement the recommendation of the Wage Board. The refusal of the management in placing the concerned workman in the proper category has put them to a great loss in their basic wages and other related facilities which are calculated on the basis of the basic wages. The union of the concerned workmen

raised an industrial dispute before the ALCO, Dhanbad by their representation dated 12-12-84 in respect of proper wages of 7 Pump Khalasi including the two concerned workmen the management participated in the conciliation proceeding but the conciliation failed and thereafter the present reference has been made for adjudication. It is submitted that the concerned workman be placed in Cat. IV with retrospective effect.

The case of the management is that the concerned workman Shri Ram Raj Harijan was regularised as a Pump Khalasi by the letter dated 1-11-83 of the Agent, Burragarh Colliery and was placed in Cat. II. The said order of regularisation was issued in terms of the settlement arrived at between the union of the management dated 5-10-83 in the course of previous conciliation proceeding. The other concerned workman Shri Thakur Lohar is a Mazdoor and has been rightly placed in Cat. I. The said Thakur Lohar is not a Pump Khalasi and as such the present reference is illegal so far Shri Thakur Lohar is concerned. It is submitted on behalf of the management that in a Coal Mines Pumps are installed on the surface and on the underground. The underground pumps are of various types and different capacities demanding power requirement of low H.P. and higher H.P. The face pumps are below 35 H.P. The intermediary pump operating between temporary sums and permanent sums are of 15 H.P. to 60 H.P. The main pumps operating for permanent sums may be of 50 H.P. to 500 H.P. depending upon the depth of the pits and the inflow of the water inside the mine. Burragarh Colliery is a deep mine and it has got all kinds of pumps of different H.P. A pump khalasi operating pump of below 25 H.P. are placed in Cat. whereas Pump Khalasi operating pump of 35 H.P. and above are placed in Cat. III. A pump khalasi driving the two pumps or more are given one category higher i.e. Cat. III or Cat. IV. The concerned workman Ram Raj Harijan is driving a pump of below 35 H.P. and as such he has rightly been placed in Cat. II. The concerned workman Thakur Lohar has also along worked as Mazdoor and as such he has been placed in Cat. I. The demand of the union for placing the two concerned workman in Cat. IV is without any basis and the claim of the concerned workman for one category higher than their existing category is without any merit.

The point for consideration is whether the concerned workman are entitled to be placed in a higher category than the wages which are now being paid to them by the management.

The workmen have examined three witnesses and the management examined one witness in order to prove their respective cases. The workmen have further produced documents which have been marked Ext. W-1 to W-4. The management's only document has been marked as M-1.

The foremost point to be decided in this case is as to the capacity of the pump which is being operated by the concerned workman and secondly it is also to be seen whether they are operating more than one pump at the sometime. It is on the basis of the above facts that their categorisation can be made.

It is the admitted case of the parties that Thakur Lohar is designated as Mazdoor and is placed in Cat. I and that the concerned workman Ramraj Harijan is working as a Pump Khalasi in Cat. II since 5-10-83. Ext. M-1 is the memorandum of settlement arrived at between the Personal Manager representing the management and Shri S. P. Singh General Secretary representing the union. It appears that a demand was made on behalf of the union that Shri Ram Raj Harijan should be regularised on the job of Pump Operator by the management and Burragarh Colliery on the ground that he was working as such since the year 1978 and that a conciliation was held and the parties agreed to enter into the settlement before the Asstt. Labour Commissioner (C), Dhanbad III. The parties agreed that Shri Ram Raj Harijan shall be regularised as Pump Operator and be placed in Cat. II as per NCWA-II with immediate effect, thus resolving dispute finally. This settlement was arrived at on 5-10-83 and it was to come into effect immediately. Thus the concerned workman Shri Ram Raj Harijan was placed in Cat. II as Pump Operator/Khalasi with effect from 5-10-83. It does not appear from the settlement that the union had demanded a higher category on the ground that Ramraj Harijan was

operating Pump of over 35 H.P. or that he was operating two pumps at a time and as such it is clear that the present demand being made on behalf of Shri Ramraj Harijan has to be considered after 5-10-83.

I will first take up the case of Shri Thakur Lohar. The said workman Thakur Lohar has been examined as WW-2 in this case. He has stated that he is designated as general mazdoor but he is working as a Pump Khalasi since 1980. He has stated that there are two pumps in second deep one of 400 H.P. and the other of 150 H.P. which is jointly operated by the pump khalasi including Sh. Thakur Lohar. He has stated that the said place is at a great distance and no khalasi agreed to go there alone as it is a dangerous place and for this reason two khalasis are jointly posted there. He has stated that one pump khalasi is required to work on one pump. According to him other pump khalasis get wages of Cat. IV but he is getting wages of Cat. I. In a cross-examination he has stated that he did not get any authorisation to work as Pump Khalasi. He has stated that an attendant is provided with the Pump Khalasi who is to operate a pump at a distance and lonely place. It was suggested to him that he used to be deputed along with a pump khalasi at a distance and lonely place as attendant of the pump khalasi to which of course he has denied. The management's case is that the concerned workman being a mazdoor was deputed as an attendant with a pump khalasi who was to operate the pump at a distance of lonely place and that Sh. Thakur Lohar would not have been given authorisation to work as a behalf of the management that Thakur Lohar has deposed that he was deputed jointly along with the pump khalasi and this should be taken in the light of the case of the management that Thakur Lohar was deputed as an Attendant along with the Pump khalasi at a lonely and distance place which finds some corroboration by the evidence of MW-2 himself. He has stated that other Pump Khalasi get authorisation but he was not given authorisation to work as Pump Khalasi to operate Pump. There was no reason as to why Thakur Lohar would not have been given authorisation to work as a Pump Khalasi if he was really taken the work of Pump Khalasi when other Pump Khalasi were given authorisation. The fact that Thakur Lohar did not get any authorisation to work on pump shows that the management had never authorised him to work as Pump Khalasi and that he had not worked as a Pump Khalasi. He has stated in his cross-examination that at first a pump khalasi is required to work on a pump of less H.P. and thereafter he is allowed to work Pump of more than 35 H.P. But he has not seen any pump of less H.P. and has not worked any pump of less H.P. Admittedly, the concerned workman was designated as Mazdoor in Cat. I and it cannot be expected that he would be employed to operate a pump of over 35 H.P. when he had not even seen a pump of 35 H.P. and less. It is clear therefore that he was deputed along with pump khalasi operating pump of higher H.P. as an attendant when the pump khalasi was sent in a lonely and distance place and that the concerned workman Thakur Lohar did not work as a Pump Khalasi MW-1 Shri T. K. Chatterjee is working as Engineer in Burragarh Colliery since about 1980. He allot the work to the Pump Khalasis. He has stated that Thakur Lohar is not a Pump Khalasi and works as attendant. He has further stated that at isolated places provides one attendant with a pump khalasi and this Thakur Lohar is deputed to work as attendant and does not operate any pump. In cross-examination he has denied that Thakur Lohar is operating pump of 400 H.P. of Seam No. 11. WW-3 has come to support the case of the workmen. He has stated in his cross-examination that he cannot say about the pumps being worked at different places of the colliery as he has always worked in Seam No. 12. If Thakur Lohar had really worked as a Pump Khalasi he would have produced the authorisation and that would have been a good evidence in support of his case. But as the same has not been received by him it is clear that he had not worked as pump khalasi. For the reasons stated above I hold that Thakur Lohar did not work as a Pump Khalasi and that he is working as an attendant along with the Pump Khalasi and as such he has rightly been placed in Cat. I.

The case of the concerned workman Shri Ram Raj Harijan is that he is working on pump of 150 H.P. and 185 H.P. after he was placed in Cat. II. He has examined himself as WW-1 in the case. He has stated that he is working on pump of 150 HP and 185 H.P. in Seam No. 15. He has stated

that there was a pump of less than 150 H.P. at the time when there was a settlement and got Cat. II, and now there is no pump of less than 150 H.P. He has stated that the management is paying wages of Cat. IV to the other pump khalasi working in pumps of similar H.P. as that of the concerned workman. He has stated that two pumps of 150 H.P. and 185 H.P. of 15 No. Seam Sump are at the centre and that the water from the different faces are pumped to the sumps from where the water is pumped on the surface. He has stated that in the faces there is one khalasi on one pump. He has further stated that at the time of settlement there were pumps of less than 35 H.P. and he was operating on a pump of 18 H.P. at that time. According to him the said pump of 18 H.P. is not being operated since 3 to 4 years. It has been suggested to him that he was operating the pump of less than 35 H.P. to which he has denied. WW-3 has stated in his cross-examination that he is working the pump at the sump of 12 No. Seam which is used for delivering water on the surface. According to him Ram Raj Harijan operates pump at all the places and also at the faces. The concerned workman Ram Raj Harijan has tried to evade that he was also working at the faces as it will appear from the evidence of MW-1 that in the faces pumps of less than 35 H.P. are working. WW-3 has stated that he had been given order to work at the sump and a person working in the sump as pump khalasi must have order to that effect. If evidence of WW-3 is to be accepted, the concerned workman Ram Raj Harijan also must have the order to work at the sump if actually he had been asked by the management to work at the sump and operate pumps of higher H.P. MW-1 has stated that the concerned workman Ram Raj Harijan was deputed to work in one of the 4 pumps which are all of less than 35 H.P. He has stated that the management has 4 pumps of capacities of 15 H.P. numbering 10 H.P. numbering one and 25 H.P. numbering one. According to him all those four pumps do not work although and atleast one pump is always operated and that at the time he was depositing only one pump of 25 H.P. was in operation. He has denied that Ram Raj Harijan is operating pump of higher than 35 H.P. He has stated that there are 28 pump khalasies in Cat. III, 20 pump khalasi in Cat. IV and only 3 Pump khalasi in Cat. II. He has stated that higher H.P. pumps are operated by the pump khalasi of Cat. III and IV and that whenever more than one pump of lower H.P. is to be operated the management taken the services of the pump khalasi of higher category, namely, Cat. III and IV. He has stated that Ramraj Harijan was never asked to operate more than one pump or any pump of higher H.P. He has stated that all the pump operation of Cat. IV are operating pumps of seam No. 11 and he has also named the pump khalasies. The documents produced on behalf of the workman are Ext. W-1 which is the industrial dispute raised on behalf of the comment of the management filed before the ALC(C). W-2 is a list of Pump operators of Burragarh Colliery, W-3 is the comment of the management filed before the ALC(C) in the conciliation and Ext. W-4 is the failure report of the ALC(C). Thus none of these exhibits can be used in support of the case of the workmen. Although in Ext. W-2 the number of pumps, their H.P. and the names of the operators are given, no witness has come to support the said facts and as such no reliance can be placed on it. The demand was being made by the union that the concerned workman were operating pumps of higher H.P. and were also operating more than one pump at a time but there is no evidence worth reliance coming forward in support of the case of the workmen. It appears from the evidence of WW-3 that Ramraj was also working at the faces where pumps of lower H.P. are operated. The concerned workman Ramraj Harijan did not get order to work on the pump at the pump although all pump khalasies working in the pump might have an order to the effect. As Ramraj Harijan did not get any order to work in the sump as Pump Khalasi it appears that he was never deputed to work on a pump at the sump and that he was working at the faces where the pumps were of less than 35 H.P. There is also no reliable evidence to show that Ram Raj Harijan was operating two pumps at a time. In view of the evidence adduced in the case, I held that it has not been established that Ram Raj Harijan was operating two pumps of more than 35 H.P. at the same time.

In the result, I held that the demand of the Khan Mazdoor Congress that Shri Thakur Lohar and Ramraj Harijan should be placed in higher category than the one the wages

of which are being paid to them by the management is not justified and consequently they are not entitled to any relief. This is my award.

I. N. SINHA, Presiding Officer,
[No. L-20012] 116/85-D.II(A)]

का.प्र. 2364.—श्रीधर्मिक विवाद प्रतिनियम, 1947 (1947 का 14 क। धारा 17 के अनुसरण से, केंद्रीय सरकार, टाटा अ.यरन एड स्टाल क. लि. का जमादोबा कलिनिरो (६ आर ७ पिट्स) के प्रबंधनात्म सम्बद्ध नियोजनों और उनके कामकारों के बीच, अनुबंध नियर्ट श्रीधर्मिक विवाद से केंद्रीय सरकार श्रीधर्मिक प्रधिकरण, नं. 2 धनबाद के पंचाट का प्रकाशित करता है, जि. केंद्रीय सरकार की 27-5-1986 की प्राप्त दुर्घाता थी।

S.O. 2364.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Jamadoba Colliery (6/7 pits) of Tata Iron & Steel Co. Ltd., Post Office Jamadoba Distt. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 27th May, 1986.

(ANNEXURE)

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD.

PRESENT :

Shri I. N. Sinha,—Presiding Officer.

REFERENCE NO. 45 OF 1985

In the matter of Industrial Disputes under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Jamadoba Colliery (6/7 Pits) of Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES :

On behalf of the employers.—Shri S. N. Sinha, Asstt. Chief Personnel Manager.

On behalf of the workmen.—Shri B. N. Sharma, Joint General Secretary, Janta Mazdoor Sangh.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, the 19th May, 1986.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (8) 85-D.II(A), dated, the 23rd April, 1985.

THE SCHEDULE

“Whether the action of the management of Jamadoba Colliery (6/7 Pits) Colliery of M/s. Tata Iron & Steel Co. Ltd., P.O. Jamadoba, Dist. Dhanbad in not providing employment to Shri Rameshwar Rao, son of Shri Bhuneswar Rao, Haulage Khalasi as his dependant as per Company's policy, is justified? If not, to what relief the said workman is entitled?”

The case of the workmen is that Shri Bhuneswar Rao was employed by the management of M/s. Tisco, with effect from 3-4-48. He was promoted to the post of Haulage Khalasi Cat. IV with effect from 21-4-81 and is working in the said capacity. In accordance with the procedure of providing employment to the dependant of a workman employed by the management of Tisco has become a condition of service and Shri Bhuneswar Rao became eligible for securing employment of his dependant about 20 years ago but he had not availed of this benefit as his son was minor at that time. An

employee is required to fill up a prescribed form supplied by the management for registration of dependents name in the employees dependent register for securing employment of his dependent. The employee concerned has to sign a declaration form declaring that the candidate whose employment he seeks is his dependent and thereafter verification is made by the local personnel officer of the colliery regarding the correctness of the contents of the declaration made by the employee. Bhuneswar Sao had not signed on any declaration declaring Ram Ekbalsao as his brother and dependent for securing employment. Bhuneswar Sao is the only son of late Muni Sao resident of village and P.O. Piroutta, P.S. and Dist. Arrah. In collusion with the local Officer of 6/7 Pits and other interested persons Shri Ram Ekbalsao secured employment fraudulently on the strength of service of Shri Bhuneswar Sao without the knowledge of Bhuneswar Sao. When Shri Bhuneswar Sao took steps for registering the names of his son Rameshwar Sao in the employee dependent register at 6/7 Pits Jamadoba Colliery of Tisco, he was informed that the name of his son cannot be registered in the employees dependent register as his brother Ram Ekbalsao has already been employed as his dependent brother. Shri Bhuneswar Sao strongly protested against the act of forgery to the authorities of the management and continued correspondence for years but as Shri Ram Ekbalsao was being protected by the management, the services of Ram Ekbalsao was not terminated and no employment was given to Rameshwar Sao son of Bhuneswar Sao. Shri Bhuneswar Sao, submitted the voter's list, his own affidavit dated 14-12-82, affidavit sworn by the village Mukhiya, affidavit sworn by his cousin Ram Prasad Sao and some certificates to show that Ram Ekbalsao was not the brother of Bhuneswar Sao but even then the management did not consider for giving employment to his son and were protecting Ram Ekbalsao. Bhuneswar Sao made several representations before the management but the management refused his claim on the ground that the employment has already been given to his brother Ram Ekbalsao as his dependent brother. When no fruitful result came out of his representation, his case was taken up by Janta Mazdoor Sangh and an industrial dispute was raised before the ALC(C), Dhanbad-II. On failure report being submitted by the ALC(C) the present reference was made by the Govt. In accordance with the conditions of service applicable to Shri Bhuneswar Sao, he is entitled to claim employment of his son Shri Rameshwar Sao and the negative attitude adopted by the management was illegal and amounts to unfair labour practice on the part of the management. It is prayed that an Award be passed holding that Shri Bhuneswar Sao is entitled to get employment of his son Rameshwar Sao by further holding that Ram Ekbalsao secured employment fraudulently as dependent brother of Bhuneswar Sao.

The case of the management is that according to the procedure of employment of a dependent, an employee who has put in 15 years service or more can enrol one of his dependent's name for the purpose of employment. The employment of such dependent are considered along with others in order of seniority subject to vacancies as per length of service of guardian employee. If one of the dependents is already in employment, the enrolment of employment of the second dependent is not considered by the management unless the first employment has fulfilled certain pre-requisite. According to another procedure of employment of dependent, an employee is entitled to outright employment of one of his dependents if the employee has completed 30 years or more service and has superannuated from the company's service provided none of the dependent has been employed earlier in the company on the strength of his service. Shri Bhuneswar Sao is not entitled for employment of his dependent son Rameshwar Sao even after his superannuation after 30 years of service as one of his dependent Shri Ram Ekbalsao is already employed on the strength of his service as his dependent brother. The claim of an employee for employment of a dependent is forfeited for ever when it is found that the employee has not got another person employed as his own dependent on his service by fraud. This has been done with a view to restrict the false employment in the company which limits the scope of the employment of genuine dependents. The dependents of an employee are first given employment as Cat. I Mazdoor/Miner. Shri Bhuneswar Sao had enrolled the name of Ram Ekbalsao as his dependent brother who was given employment as Cat. I Mazdoor

with effect from 1-10-65 on the strength of services of Bhuneswar Sao. Shri Ram Ekbalsao continued in that post as Cat. I Mazdoor as an underground trammer with working as underground trammer along with Ram Ekbalsao in the same colliery and Bhuneswar Sao had full knowledge of the appointment of Shri Rameshwar Sao. The father's name and the home address of Ram Ekbalsao is the same as that of Bhuneswar Sao. No objection was raised with regard to the employment of Shri Ram Ekbalsao being the dependent of Bhuneswar Sao alongwith Ram Ekbalsao was employed since 1965. The declaration in writing from an employee for appointment of his dependent was introduced sometime in 1973-74 when a few cases of fraudulent employment came to the knowledge of management. Since Ram Ekbalsao was appointed as dependent brother of Bhuneswar Sao who had sponsored his case, the management was justified in not providing employment to Shri Rameshwar Sao son of Bhuneswar Sao as per company's rule and he is not entitled to any relief.

The question to be decided is whether Shri Bhuneswar Sao is entitled to secure employment of his dependent son Rameshwar Sao as per Company's policy.

The management has examined three witnesses in support of its case and the workmen have examined one witness in support of the case of the workmen. The management has produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-7 and the documents produced on behalf of the workmen have been marked Ext. W-1 to W-5.

Admittedly Bhuneswar Sao was employed by the management with effect from 3-4-48. It is also admitted that Rameshwar Sao whose employment Bhuneswar Sao is seeking is the son of Bhuneswar Sao. The case of the management is that Bhuneswar Sao had already availed employment of Ram Ekbalsao on the strength of his service by declaring Ram Ekbalsao as his dependent brother and the management refused to either enrol Bhuneswar Sao's son Rameshwar Sao or to give him employment. Ext. W-1 dated 23-10-76, W-2 dated 15-4-76, W-3 dated 28-6-77, W-4 dt. 5-2-76 and W-5 dt. 20-8-77 are all the letters from the management of TISCO addressed to Bhuneswar Sao in reply to his application showing that no employment could be given to Rameshwar Sao, dependent son of Bhuneswar Sao as Bhuneswar Sao had already secured the employment of Ram Ekbalsao as his dependent brother. Now this stand of the management that Ram Ekbalsao is the brother of Bhuneswar Sao has been belied by the evidence of MW-1 Ram Ekbalsao himself. MW-1 Ram Ekbalsao has clearly stated that he is not the brother of Bhuneswar Sao and that his father's name is not the same as that of Bhuneswar Sao and that his village is also different from Bhuneswar Sao. Ram Ekbalsao in his evidence has tried to show that his father's name and village address was all given by Bhuneswar Sao at the time of his employment. Thus it is clear that Ram Ekbalsao is not the brother of Bhuneswar Sao.

The question is whether Bhuneswar Sao, instrumental in securing employment of Ram Ekbalsao as his dependent brother and that the father's name and the village address of Ram Ekbalsao was falsely given by Bhuneswar Sao. MW-1 Ram Ekbalsao has stated in his cross-examination that he does not know if his name was entered in the employees dependent register of the company and that his address, father's name and photo was given by Bhuneswar Sao in the application form. He has stated that he did not file any document relating to his father's name and address authenticated by the BDO or Mukhiya. He has stated that he has no paper with him to show that Bhuneswar Sao has got his employment by introducing him as his brother. Thus Ram Ekbalsao has no document with him to show that his appointment was secured by Bhuneswar Sao as his dependent brother. MW-2 Shri S.K. Kar was the Personnel Officer at the time when Ram Ekbalsao was given employment by the management in 6/7 Pits Jamadoba Colliery. He has stated about the procedure of appointment of a dependent of an employee. He has stated that the workmen used to give an application giving the name and the details of his dependent and relationship and thereafter it was entered in the employees dependent register and thereafter it was entered in the employees dependent register and thereafter a vacancy occurred. The dependent used to be called for employment on the basis of seniority of the

workmen who had applied for the same. He has stated that the workmen used to file his application to the Manager and thereafter the Manager used to send to the application to the Personnel Officer and then the Personnel department used to deal with the matter after obtaining the report from the service record clerk. He has further stated that a letter of appointment used to be given to the dependent of the workmen on his appointment and the relationship of the department with the employee used to be given in the said appointment letter. He has further stated in his cross-examination that the office copy of the appointment letter is written in the office of the management and that the application, the report of the P.O.'s Clerk and the order of appointment is kept in the office of the Personnel Officer. Thus it appears from his evidence that the management was maintaining the applications of the employee who sought employment of his dependent and the report with the order thereon along with the copy of the appointment letter of the dependent of the employee indicating the relationship of the dependent with the employee at whose instance the employment is given. All these papers as stated by MW-2 is retained in the office of the management but none of these papers have been produced to show that Bhuneswar Sao had applied for giving employment to Ram Ekbal Sao as his dependent brother and that thereafter the order was passed by the management and appointment letter issued to Ram Ekbal Sao being the dependent brother of Bhuneswar Sao. MW-3 has stated that all these papers are not maintained after five years. I do not think he is wholly correct. The appointment letter is maintained in all cases MW-3 Shri S. K. Biswas who is working as Head Clerk in the Chief Personnel Manager's office has clearly stated in his cross-examination that Ext. M-6 is the only record to show that Bhuneswar Sao had applied for the appointment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother. Ext. M-6 is the entry in Sl. No. 16 at page 108 of employees dependent register of 6/7 Pits Jamadoba Colliery. There is entry to show that Ram Ekbal Sao got employment as dependent brother of Bhuneswar Sao. No doubt there is an entry in the employees dependent register that Ram Ekbal Sao was noted as dependent brother of Bhuneswar Sao but there is absolutely no material to show that this entry was made at the instance of Bhuneswar Sao. MW-3 has stated that the signature of the employee or his dependent who was given employment was not taken in the employees dependent register at the time when Ram Ekbal Sao was given employment. He has stated that he cannot say the name of the Assistant who had made entry in Ext. M-6. Thus the management has not produced the said Assistant who had made the entry Ext. M-6 to show that the said entry was made at the instance of Bhuneswar Sao. He has stated that he does not know if Bhuneswar Sao had filed any petition for the appointment of Ram Ekbal Sao as his dependent brother. MW-3 has further stated that the person employed gives the father's name, address, religion etc. to the Manager of the colliery in establishment from and on its basis the particulars of the service cards are filled up. Ext. M-7 is the service card of Ram Ekbal Sao in which his father's name is stated to be Munni Sao belonging to village Pirrouta, district Arrah. Thus this entry in Ext. M-3 according to MW-3 has been made in accordance with the declaration made by Ram Ekbal Sao himself. The said Ram Ekbal Sao according to MW-1 had filled up the establishment form and on its basis the particulars of the service cards Ext. M-7 have been filled up. It is clear therefore that Ram Ekbal Sao had himself given his father's name and address as that of Bhuneswar Sao although admittedly Ram Ekbal Sao is not the brother of Bhuneswar Sao. MW-3 has also stated that a copy of the appointment letter is sent to the Personnel department in which there is mention regarding the name of the workmen at whose instance the employment is given to the dependent. It is obvious that the management or Ram Ekbal Sao are not producing the appointment letter of Ram Ekbal Sao as probably it did not mention that Ram Ekbal Sao had been appointed as a dependent brother of Bhuneswar Sao. Thus it will appear that no document has been produced on behalf of the management to show that the appointment of Ram Ekbal Sao was secured by Bhuneswar Sao falsely declaring Ram Ekbal Sao as his dependent brother.

Ext. M-6 is the only document on which the management has depended to establish that Bhuneswar Sao had secured employment of Ram Ekbal Sao by falsely declaring as his dependent brother. I have already discussed above that

there is nothing on the record to show that Ext. M-6 was written at the instance of Bhuneswar Sao. Thus the management has absolutely no evidence to show that Ram Ekbal Sao was given employment on the strength of service of Bhuneswar Sao and that Bhuneswar Sao had obtained his employment by declaring him as his dependent brother.

Ram Ekbal Sao, as admitted by him, is not the brother of Bhuneswar Sao but he is in employment by declaring himself as the son of Munni Sao of village Pirrouta which is the father's name and address of Bhuneswar Sao. According to MW-3 the particulars in the service records (Ext. M-7) are recorded on the statement of the persons getting the employment and as such Ram Ekbal Sao had given false name of his father and address. In spite of the said fact the management has not taken any step against Ram Ekbal Sao and in fact the management has tried to establish its case on the evidence of Ram Ekbal Sao. It shows that the management is in collusion with Ram Ekbal Sao so that an impersonator may be retained in the service and the genuine dependent of a workman may not be given any employment.

The ground of not giving employment to the son of Bhuneswar Sao as stated in Ext. W-1 to W-5 does not appear to be justified in as much as Ram Ekbal Sao is admittedly not the brother of Bhuneswar Sao and that there is absolutely no evidence to show that Bhuneswar Sao had got the employment of Ram Ekbal Sao on the strength of his service by declaring him as his dependent brother. As there is no evidence to show that Ram Ekbal Sao had got his appointment on the strength of service of Bhuneswar Sao it is too much for the management to punish Bhuneswar Sao for the fraud which appears to have been committed by Ram Ekbal Sao.

In the result, I hold that the action of the management of Jamadoba Colliery of (6/1 pites) of M/s. Tisco Ltd. in not providing employment to Shri Rameswar Sao, son of Shri Bhuneswar Sao. Haulage Khalasi as his dependent as per company's policy is not justified. The delay in the employment of Rameswar Sao, son of Bhuneswar Sao has been made on account of the objection of the management and as such the management is directed to give employment to Rameswar Sao as dependent son of Bhuneswar Sao by recording his name in the employees dependent register on the service strength of Bhuneswar Sao within three months from the date of publication of this Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer

[No. L-20012/8/85-D.III(A)]

नई दिल्ली, 6 जून 1986

का.आ. 2365:—श्रीशोधिक विवाद, अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार मे. केंद्रीय सरकार, भारत कोकिंग कॉल लि. की केंद्राई कोलियर, के प्रबंधसंघ से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुदंघ में निविष्ट श्रीशोधिक विवाद में केन्द्रीय सरकार श्रीशोधिक अधिकरण न. 2, धनबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 3-6-1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 6th June, 1986

S.O. 2365.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad as in Annexure below, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kendwadih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited and their workmen, which was received by the Central Government on the 3rd June, 1986.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 54 of 1981

In the matter of industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Kendwadih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, P.O. Kusunda, Dist. Dhanbad and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen—Shri S. Bose, Secretary, Rashtriya Colliery Mazdoor Sangh.

On behalf of the employers—Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, Dhanbad, the 27th May, 1986

AWARD

The Govt. of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal vide their Order No. L-20012/11/81-D.III.A dated the 1st August, 1981.

SCHEDULE

"Having in view the minutes of discussions dated the 24th February, 1976, whether the demand of the workmen of Kendwadih Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda District Dhanbad for regularisation of blacksmith (mentioned in the annexure) as departmental workers is justified? If so, to what relief are the concerned workmen entitled?

1. Chandan Manjhi
2. Dukhan Mistry
3. Sandagar Mistry
4. Sarju Mistry
5. Raj Kishore Paswan
6. Gyan Chand Paswan
7. Mala Paswan
8. Ram Chandra Garhafi
9. Deo Narain Mistry
10. Ashok Paswan.
11. Bigan Mistry
12. Surjdeo Paswan
13. Chandrika Mistry
14. Jagran Nath Mistry
15. Rajendra Mistry
16. Munilal Mistry
17. Rajeshwari Mistry
18. Iswar Chandra Mistry
19. Jago Mistry
20. Laxman Mistry."

The case of the workmen is that the concerned 20 workmen were engaged as blacksmith in different collieries prior to their nationalisation and merger in Kendwadih Colliery by the management of M/s. B.C.C. Ltd. They continued to work as Blacksmith even after nationalisation of these collieries till 1-1-1976. They used to perform their job in the premises of the colliery and were paid on piece rate basis and were described as contractors men. After the nationalisation of the collieries with effect from 1-5-72, the management's control and ownership of the collieries were vested in M/s. B.C.C. Ltd. The job of blacksmithy in the collieries cannot be done through contractor and the trade unions impressed upon the management of BCCL to abolish all types of contract system and regularise so called contractor's men as departmental employees. As general policy the management of BCCL regularised the blacksmith in all most all the collieries as departmental employees and in some places some workmen were not regularised while in other places such workmen were stopped from their respective duties of blacksmith by the BCCL without assigning any reason. The concerned workmen also were stopped from their duties w.e.f. 1-1-76 on the plea that the management have abolished contract system in blacksmithy shops

of the colliery. The union of the workman took up the matter with the management and the issue was discussed between the union and the management of BCCL in which it was decided that the concerned workmen will be regularised of their respective employment in the colliery. The management however did not regularised them and did not give any reason for the refusal to regularise them. The union of the workman represented before the management at various level and when it failed to receive any justice from the hands of the management, the union raised an industrial dispute before the ALC(C), Dhanbad vide letter dated 10-5-80. The ALC(C) took up the matter and held the conciliation proceeding which ended in failure and thereafter present reference was made. In the present case the management had taken a policy decision to regularise the workmen in the regular employment of BCCL as they had done in other collieries to similar type of workman. The concerned workmen had been performing the duties which were of permanent nature required in day to day working of the colliery and directly connected with the production of the collieries and as such the concerned workmen cannot be thrown out of employment. Their stoppage of work is arbitrary, illegal and malafide and is an act of unfair labour practice. It is submitted that the concerned workmen are entitled to reinstatement with full back wages for the entire period of their forced idleness.

The case of the management is that the reference is not maintainable as there was never any relationship of employer and employee between the management and the concerned workmen. Prior to 1976 some persons were working as contractors in connection with the work of blacksmithy at Kendwadih Colliery. The management had no such work to be awarded to the contractor and as such the contractor worker was discontinued from 1976. The sponsoring union representative had held discussion with the management in February, 1976 claiming employment for the workers employed by the contractors. Such discussion were purely of an exploratory nature and no final conclusion had been arrived. It was also found that there was difficulty in ascertaining and locating of real person whom the contractors had engaged. The management also did not require the services of the blacksmiths as work was not available for those blacksmiths and as such the matter was not pursued any further. The sponsoring union did not take up the case of persons whose names appear at Sl. Nos. 4, 5, 7, 8, 10, 12, 16, 17, 18 and 19 of the annexures to the schedule of the reference. There was no minutes of discussion dated 24-2-76 which were signed by the parties as envisaged in the reference order. The reference order assumes that the concerned workmen have been continuing to work as contractors workers and the question to be decided is as to the regularisation of those persons as departmental workmen. Even if any of the concerned workmen were working, they ceased even to be contractors' workers since the time contract system itself was discontinued prior to 1976. The concerned workmen were contractors workers and hence there was no question of their regularisation by BCCL. On the above plea it is submitted on behalf of the management that the demand of the workmen is not just and that they are not entitled to any relief.

The question to be decided in this case is as to whether the demand of departmentalisation of the concerned workmen as blacksmiths is justified.

The concerned workmen have examined 10 witnesses in all and the management have examined two witnesses in support of their respective cases. The management have further produced documents which have been marked Ext. M-1 to M-4. The documents on behalf of the workmen have been marked as Ext. W-1 to W-5.

It will appear that prior to nationalisation there were two collieries namely Khaira Colliery and East Balihari Kendwadih Colliery which were amalgamated and were known as Kendwadih Colliery. Those two collieries are now the two sections of Kendwadih Colliery. The case of concerned workman is that Sl. No. 1 to 12 formerly belonged to East Balihari Kendwadih Section and the concerned workmen Sl. No. 13 to 20 of the annexure to the order of reference belonged to Khaira Section. There is dispute regarding some of the concerned workman as to whether they were working in the two collieries but it is

admitted that some of them were working as blacksmiths in those two collieries prior to their nationalisation and that they continued to work as blacksmiths even after nationalisation till prior to 1976 under BCCL. WW-1 to WW-3 and W-10 are the concerned workmen examined on behalf of the union. It appears from their evidence that some of them were working in East Balmuri Kendwadih Colliery and some were working in Khaira Colliery prior to nationalisation and that after nationalisation they were working in these two sections of Kendwadih Colliery. It will appear from the evidence of MW-2 who is working as Manager (Opn) in Kendwadih Colliery that there are four sections in Kendwadih Colliery, namely, East Balmuri Section, Ganashadih Section, 3 Pit Khaira and four pit Khaira. It appears from his evidence that he had worked in many collieries in the past and he has stated that blacksmiths are working in all the collieries in which he had worked. He had also got a list prepared regarding the blacksmiths working in Kendwadih Colliery and the same is marked as Ext. M-4. It will show the date of appointment and the dates since when those persons are working. According to his evidence it will appear that the damage tubs are locally repaired. He has further stated that the coal is raised from underground in Kendwadih Colliery and for raising the coal from the underground tubs are necessary. It will thus appear from his evidence that the job of blacksmithy is an integral part of the coal industry. It will further appear from his evidence vide Ext. M-4 that several blacksmiths and hammerman are working in Kendwadih Colliery and it will further appear that they are working in the present designation from between the year 1972 to 1983. It will appear therefore that persons who are already working in the colliery on the different jobs were employed to work as blacksmith and hammerman, but repairing mazdoor etc. even after 1976. It will further show that the management were having the need of blacksmith and hammerman even after 1976 and they have been employing persons in the said jobs internally. It cannot therefore be said that the management did not require the services of blacksmiths and in fact they have been appointing blacksmiths and hammerman after the stoppage of work of the concerned workmen.

It is the admitted case of the parties that the workmen's union representative and the management had discussed the issue of regularisation of the blacksmiths and had arrived at a conclusion which was reduced into writing in the minutes of discussion dated 24-2-76 and is marked Ext. M-2 in the case. MW-1 Shri V. R. Joshi was worked as Personnel Officer at Bhagaband area which includes Kendwadih Colliery. He has stated that in 1976 RCMS union demanded abolition of contract system in some of the collieries of Bhagaband area and they had also demanded the abolition of contract system in blacksmithy job of Kendwadih colliery. He goes on further to say that on 24-2-76 there was meeting between the management and the RCMS union or discussing the matter and he was one of the representative of the management present in the meeting. He had drafted the minutes of discussion in his own writing and Ext. M-2 is the photo copy of the said minutes of discussion under his writing. He has stated that the management did not implement the minutes as there was no requirement of blacksmith and there were already four departmental blacksmiths, 4 hammerman, and some tub repairers mazdoor in Kendwadih Colliery. He has stated that the discussions were of exploratory nature and the persons who were working had not been identified. He has stated that the union did not come forward for joint identification of the workmen. In his cross-examination he has stated that in 1976 contractor labour in the coal mining industry also came in the restricted items. He has stated that after the abolition of contract system in 1976, BCCL departmentalised the job of blacksmith and appointed the blacksmiths working under the contractor if they were found suitable as per requirement. He has stated that on the said basis RCMS had a discussion with the management and that as the union could not agree to the identification of the blacksmith the agreement could not be arrived at. Now referring to Ext. M-2 which is the basis of the claim of the workmen. It will appear from Ext. M-2 that the union had raised the issue of abolition of contract, job of blacksmith at Kendwadih Colliery and the union submitted a list of workers working as Blacksmith under contractor S/Shri Mahadeo Mistry, Chandan Manjhi and Govind Mistry of Kendwadih

Colliery. The discussion relating to Kendwadih Colliery forms a separate heading in Ext. M-2. It is stated that the union submitted a list of contractors workers working under Chandan Manjhi, Govind Mistry and Mahadeo Mistry and that the names of the workers were compared with the list of contractors and the notesheets dated 2-1-76, submitted by the Supdt. Kendwadih Colliery wherein the Supdt. had given the names of workmen working under S/Shri Chandan Manjhi, Govind Mistry and Mahadeo Mistry contractors the total number of which is 22. The said note of the Superintendent forms part of Ext. M-3. Ext. M-2 further shows that the union demanded all of the persons named in the Superintendent's list (Ext. M-3) should be taken in company's roll. The Area Personal Manager states that there are only 22 heads required and then the list was compared with the list of contractors workers of Govind Mistry, Chandan Manjhi and Mahadeo Mistry. Ext. M-2 further envisaged that there should be joint physical verification of the workmen by the management and the union on 25-2-76. It further shows that after discussion the regularisation of 22 Senior most contractors workers working under Mahadeo Mistry, Chandan Manjhi and Govind Mistry and the only dispute was regarding the identification of the persons. It appears that some how or other the identification could not be done as envisaged in the minutes of discussion. However, the matter remains that the management had agreed to give employment to 22 of the workmen of the contractors. MW-1 has clearly stated that after the abolition of the contract system in 1976 BCCL departmentalised the job of blacksmiths and appointed the blacksmiths working under the contractor if they were found suitable. Thus on principle there is no dispute left between the parties regarding the departmentalisation of the workmen of the contractors Chandan Manjhi, Mahadeo Mistry and Govind Mistry and the only dispute is about the identification of the workmen.

WW-9 is Shri Murlidhar Prasad who is a trade union leader. He has stated that the discussion between his union and the management took place in his presence on 24-2-76 regarding the regularisation of the concerned workmen, but the discussion was not implemented by the management in respect of the concerned workmen. He has stated that there was correspondence between the union and the management but the management did not give reply to Ext. W-1, W-2 and W-3 and thereafter the present industrial dispute was raised before the ALC(C), Dhanbad. He has stated that the concerned workmen were working as blacksmith under the contractors Govind Mistry, Chandan Manjhi and Mahadeo Mistry. The other 9 workmen's witness have also stated that the concerned workmen were working under the contractors prior to nationalisation and that they continued to work till 1976 under BCCL.

Ext. W-3 is the notesheet which shows the name of 21 workmen which includes the name of Govind Mistry, contractor who is not named in the annexure to the order of reference. Thus there are only 20 persons left. Liakat Mia in Sl. No. 5, Mahadeo Mistry's list is not named as a workman in the annexure. Thus 19 persons named in the notesheets Ext. M-3 are included in the annexure. The name of Gagoo Mistry is not included in Ext. M-3. There appears to be some confusion regarding the name of Shri Surajdeo Sao in Ext. M-3 and Sl. No. 12 Surajdeo Paswan in the annexure and it has to be seen as to which of those persons were actually working under the contractors. It is submitted on behalf of the management that the concerned workmen have not been identified being persons who were working under the contractors and as such they were not departmentalised. As the dispute is now only in respect of their identification, the said matter can be resolved by getting their identification established for the purpose of giving them employment by the management. I think that the concerned persons should file affidavits with photo regarding their identification along with the affidavit of Mukhiya regarding their identification along with a certificate of their identification either from the local police or BDO. On filing such affidavit the management is directed to give employment to the concerned workmen whose iden-

tifications has been established by the affidavits and certificates.

In the result, I hold having in view the minutes of discussion dated 24-2-76 that the demand of the workmen of Kendwadih Colliery of M/s. BCC Ltd. for regularisation/departamentalisation of the blacksmiths mentioned in the annexure is justified. The management is directed to regularise them as departmental workmen on their filing evidence of identification as indicated above. The concerned workmen were stopped from their work in 1976 and the present dispute was raised after a long time of 5 years and as such I do not propose to award them back wages. The concerned workmen should file their affidavits etc. regarding their identification with the management within one month of the publication of the Award and the management, after examining the same, employ the identified concerned workmen within one month of the receipt of the affidavits etc. If the management does not give employment within one month of the filing of the affidavits etc. the concerned workmen will be entitled to all wages since after one month of the filing of their affidavits.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. 22012/11/81-D.III(A)]
A. V. S. SARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 जून, 1986

क्र. नं. 2366:—प्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसार में, केन्द्रीय नियन्त्रित ऐसमें सिंगरेणी कालनीज कम्पनी लिमिटेड, मध्यामारा, द्वा, कल्याण [खानी] जिला अर्द्धालालामाब (आनधि प्रदेश) के प्रबंधतत्व से सम्बद्ध नियोजकों द्वारा इतके कम्पनीरों के बाच प्रान्तवेष्ट में निर्दिष्ट प्रौद्योगिक विवाद में प्रौद्योगिक अधिकार्य, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय नियन्त्रण की 2 मई, 1986 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2366.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Limited, Mandamarri Division, P.O. Kalyani Khani, Distt. Adilabad (Andhra Pradesh) and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Shri I. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 20 of 1984

BETWEEN

Workmen of Singareni Collieries Company Limited,
Mandamarri Division, Adilabad District, A.P.:

AND

The management of Singareni Collieries Company Limited,
Mandamarri Division, Adilabad, District A.P.

APPEARANCES :

Sri Naushad Ali, Advocate for the Workmen.

Sarvani K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kumari G. Sudha for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation by its Order No. I-22011/45/83-D. III(B), dated 13-3-1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947 between the employers in relation to the management of Messrs

Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division their workmen to this Tribunal for adjudication;

“Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Mandamarri Division, P.O. Kalyani Khani, District Adilabad (A.P.) are justified in dismissing Shri Mekala Raya Posham Coal Pillar from service with effect from 23-8-82 ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?”

This reference was registered as Industrial Disputes No. 20 of 1984 and notices were issued to the parties.

2. In this industrial Dispute workman Mekala Raya Posham prayed that order of dismissal passed against him should be declared as illegal and grant such other reliefs as Tribunal deemed fit. The petitioner mentioned that he was working as Coal Filled K.K. 2 Incline in Singareni Collieries Company Limited, being office bearer of the Union, he represented mine level workers (Coal fillers) in the capacity of the Pits Secretary. He took up the grievances to the Mines Manager and therefore the Management was anxious to get rid of him on some pretext or the other to curb the unions activities. According to him he was served with a charge sheet on 2-12-1981 charging that he abused the Divisional Personnel Officer, Y. Sobhanadria Acharyulu and abused him and he also manhandled him. According to him he being Pit Secretary, he went to the Additional General Manager Office on 26-11-81 to get firewood sanctioned for celebrating Mysamma Puja in the presence of office of the Divisional Personnel Officer. When there was some unrest on account of some other unconnected with, the Petitioner was exploited by the Management and Fabricated a false charge sheet against him. According to him when the enquiry was conducted the Sub-Inspector of Police, Mandamarri with his constable, the petitioner and witness were strictly warned and threatened with consequences and thus he was denied the opportunity to defend himself in the enquiry fully. It is his case that the enquiry was vitiated in as much as the same is based upon the testimony of the interested witnesses. It is also his case that the Enquiry Officer gave credence to the complainant who was not in good terms with the petitioner and who was desirous of getting rid of the petitioner at the instigation of the Management. It is also his case that Judicial Magistrate of First Class, Laxetipet and found to be not guilty and was honourably acquitted after a trial in C.C. No. 421/82 dt. 26-2-1983. According to him the order of dismissal is discriminatory in as much as another worker by name Domera Bandyulu, Pump Khalasi, Bellampalli Civil Department, against whom a criminal complaint was lodged and was not given punishment. Finally it is contended that the punishment awarded is excessive and unwarranted and the petitioner's past record is clean and finding contrary to this fact is incorrect.

3. The Management filed a counter denying all these allegations, stating that he was charged under Section 16(5) and was given full opportunity to defend himself and that he came to the office for seeking firewood for celebrating Mysamma Puja is completely baseless and is any afterthought. According to him the enquiry was conducted in to the charges and no police personnel were present and no threat was imposed on him. According to the Management he was fully involved in the incident and responsible for the manhandling of the Divisional Personnel Officer as the Leader of the group and hence he was dismissed from the company service after full enquiry. The punishment awarded is not excessive or the allegation there was discrimination in dismissing him while not taking any action against Domera Bandyulu are unfounded and they are not related. It is maintained that the case of Bandyulu is on a different footing. Therefore the management wanted that the order of dismissal should be confirmed.

4. At the outset the preliminary point was taken up for decision in M.P. No. 10 of 1985 to decide the validity of the domestic enquiry as a preliminary issue to a given finding whether the same was conducted in accordance with the principles of natural justice by giving reasonable opportunity to the workers concerned. The Management examined one witness as M.W.1 and marked Ex. M1 to M6(a)(b) and M7. While the workmen himself examined as W.W.1 and marked Exs. W1.

5. This Tribunal had occasion to deal with the entire matter carefully and properly by giving reasonable opportunity and therefore the same is upheld. Regarding the acquittal also in the criminal court it was dealt with the same preliminary point. The actual complainant Sri Sobhanadri Acharyulu was not examined as he was out of India and the acquittal is based upon technical ground and not on merits. Thus in fact the concerned workman also participated in the domestic enquiry and examined himself as W.W.1 before this Tribunal also. The allegation that police were present at the time when he was enquired into were not even suggested before the Criminal Court when his criminal case was tried. So theory that he was coerced and the witness was not allowed to give statement were only an afterthought.

6. The question now is as per the charge that on 26-11-81 at about 5.00 p.m. he entered Divisional Personnel Office Y. Sobhanadri Acharyulu's room unauthorisedly and abused him and that he had manhandled him. The statement of Sobhanadri Acharyulu whose statement was recorded by the Enquiry Officer on 31-1-1981 would show that on 26-1-1981 at about 5.00 p.m. one Bondyallu Youth Congress Leader entered his office room without permission along with the four other persons questioned about the applications given by him along with two employment registration cards and why others than those given by him were recruited. At that time he became wild while he was explaining and started abusing him in filthy language and that he would see him if the persons were not taken among other four persons. The said Sobhanadri mentioned Mekala Raya Posham as one of them present and he started abusing him in filthy language saying This son of a bitch is not taking the persons whom we suggested. Even though this fellow has all the things, it is these rascal sons of donkeys are officers, etc. thereby meaning that "he ring and scoundrel was not taking persons whom they wanted as coal fillers and this fellow was worst than a menial and in fact is a menial and loafer who is the officer looking after these matters". When the Enquiry Officer asked the said Raya Posham after the contents were explained to him in Telugu and asking him to cross examine he mentioned that he did not wish to cross examine him. So it is a case where he was abused in filthy language.

7. It is a fit case where in the light of the judgement reported in Rama Kart Misra v. State of Uttar Pradesh (1982 IIC page 1790) in which there is no evidence directly speaking that Mekala Raya Posham manhandled and pushed the handle of the chair and in the process that Sobhanadri Acharyulu fell on the side of the table. This is only presumption drawn on the enquiry proceeding by the Enquiry Officer. So in the light of the Supreme Court Judgement mere indiscipline abuse even if used should not be taken as serious charges requiring punishment of dismissal. In Ved Prakash v. M/s. Delton Cable India (P) Ltd., (AIR 1984 S.C. Page 914) it was held that when there was nothing on record to show that there was any previous record against the workman taken into consideration by the Management for awarding extreme penalty of dismissal from service even if he had in fact abused in filthy language, the Supreme Court expressed opinion the punishment awarded to the applicant is shockingly disproportionate regard being had to the charge framed against him. In a given situation like this, I think that withdrawing of two increments with future effect will be more than an adequate punishment for such low paid employees as is done in the case before the Supreme Court. Therefore he is directed to be reinstated exercising power under Section 11-A of the ID Act, this Tribunal holds that the extreme penalty of dismissal is unwarranted and the Management can withdraw two increments with future effect to the workman and the Management is directed to reinstate the workman forthwith and that he is entitled to the wages from the date of dismissal with consequential benefits and attendant benefits. The Management is directed to withhold only two increments with future effect.

8. Thus the action of the Management in dismissing Mekala Raya Posham Coal Filler from service with effect from 23.8.82 is thus held to be disproportionate under Section 11-A of the Industrial Disputes Act. I find that it is a fit case where dismissed as mentioned in the charge and the Enquiry Officer findings is not required for the alleged

misconduct. There is no habitual riotous, disorderly behaviour proved and the allegation of manhandling is also not proved beyond reasonable doubt and therefore having found that it is a fit case to set aside the order of dismissal and direct the reinstatement of the workman by withholding of two future increments.

Award is passed accordingly.

Directed to the Stenographer, transcribed by him and corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 5th day of May, 1986.

Sd/- (Illegible)

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

Witnesses Examined

M.W.1 V. Datta Prasada Rao

for the Workmen :

for the Workmen

W.W.1 Kekala Raya Posham :

Documents marked for the Management :

Ex. M1—Charge Sheet dt. 2-12-81 issued to Mekala Raya Posham by the Management of S.C. Co. Ltd., Mandamarri Division.

Ex. M2—Acknowledgement dt. 15-12-81 from Mekala Raya Posham to the Colliery Manager, K.K.2 Inc-line.

Ex. M3—Explanation submitted by Mekala Raya Posham to the Colliery Manager, S.C. Co. Ltd., K.K.2.

Ex. M4—Enquiry Notice dt. 27-12-81 issued to Mekala Raya Posham by the Colliery Manager, K.K.2 Division of S.C. Co. Ltd., Mandamarri.

Ex. M5—Acknowledgement receipt from Mekala Raya Posham

Ex. M6—Enquiry Proceedings.

Ex. M6—(a) Read over and explained the contents in Telugu to the workman by the enquiry officer at page 4 of enquiry proceedings.

Ex. M6—(b) Read over and explained the contents in Telugu to the workman man by the enquiry officer at page 9 of enquiry proceedings.

Ex. M7—Enquiry report.

Documents marked for the Workmen :

Ex. W1—Report dt. 31-12-81 of Subinspector of Police, Mandamarri.

Ex. W2—True Copy of the Judgement dt. 26-2-83 in C.C. No. 421/82 on the file of Judicial Magistrate of First Class luxettipet.

Sarma|20-5-86.

Sd/- (Illegible)

INDUSTRIAL TRIBUNAL

[No. L-22011/45/83-D. III(B)]

का.आ. 2367:—शोधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की प्रारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय एकार भैसर्व विवरणी नालरीज कम्पनी लिमिटेड, रोमायुणहम डिक्ट जन 4, शा० गोदार्थी आमी, गिरा कर्मसागर (आन्ध्र प्रदेश) के प्रबंधताल से समवाय नियोजकों और उनके कर्मनारों के बाय अधिकार में नियिट शोधोगिक विवाद में शोधोगिक अधिकार, हैदराबाद के चंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार की 29 मई, 1986 की प्राप्त हुआ था।

S.O. 2367.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Singareni Collieries Co. Ltd., Ramagundam Divi-

sion IV, P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.) and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT : Sri J. Venugopala Rao, Industrial Tribunal.
Industrial Dispute No. 51 of 1984

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited,
Ramagundam Division IV, Godavarikhani, Karimnagar.

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited,
Ramagundam Division IV, Godavarikhani, Karimnagar Dist.,

APPEARANCES :

Sarvasri D. Reddappa Reddy and Mohan Rao, Advocate for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kunari G. Sudha, Advocate for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour and Rehabilitation by its Order No. L-22012(30)84-D.III(D) dated 26th July, 1984 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Colliery Company Limited and their Workmen to this Tribunal for adjudication :

"Whether the management of Messrs Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division IV, P.O. Godavarikhani, Dist. Karimnagar (A.P.) were justified in dismissing from service with effect from 24-10-83 Sri Jangerla Sunder Raju, Coal Filler G.D.K. 8 Incline ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?

This reference was registered as Industrial Dispute No. 51 of 1984 and notices were issued to both the parties.

2. The claims statement filed by the Petitioner requesting that penalty of dismissal imposed upon him was very severe and disproportionate and excessive and that he could not secure alternative employment to his best of ability and prayed that the order be set aside.

3. The same was opposed by the Management stating that the charges are very severe and therefore he was given full opportunity of defend himself in the domestic enquiry and therefore there was nothing much required further to take a lenient view in the matter.

4. A Preliminary point namely whether the domestic enquiry was conducted against the delinquent workman was proper and fair as required under the principles of natural justice or not was decided on merits after contest by an order dated 27-2-1986. It was held that the domestic enquiry was held properly and fairly and the delinquent workman was given fair and reasonable opportunity to represent himself and principles of natural justice have been adhered to and there was no injustice caused to him in the method and manner in the domestic enquiry. This is part of the record. Hence the same is not repeated.

5. The workman examined himself as W.W.1 and marked Exs. W1 to W7 while the Management examined one Witness as M.W.1 and marked Exs. M1 to M7. This was marked in the preliminary enquiry in M.P. No. 104/85. It is the same evidence that has to be considered in the present dispute also.

6. The only limited point that is left over is whether the punishment of dismissal is too severe for the misconduct

It is a peculiar case where the workman's wife was admitted in the hospital with acute pain and bleeding and the workman was anxious about the health condition of his wife and when the Nurse and other Doctor were little bit unattentive towards his wife as felt by him, he had occasion to lose temper and shouted at them and he created some disturbances to the patients and also abused them. The fact remains that the said workman was beaten by the Police at the instance of the complainant given by the Hospital authorities and the workman was released on 22-8-1982 and he came to know that his wife was discharged from Hospital after she was attended to. But when the workers including the workman insisted that she was not properly treated she was again admitted on 23-8-1982. The workman's wife again admitted in the hospital and she was given treatment. Of course the complaint filed by the Respondent against the Petitioner in C.C. No. 70/82 was pending before the First Class Magistrate and awaiting verdict of the Court. Now the fact is that the wife of the workman was bleeding on 22-8-1982 and she was taken to the hospital at 7.00 P.M. to the G.D.K. Area Hospital is not disputed. Of course it is the case of the workman that on 21-2-1982 after he worked in the mid-night shift went to his house and cooked the food and took the food to his wife at about 6.45 P.M. and he was not allowed to go inside though visitors are allowed to go to patients normally after 7.00 P.M. and ultimately when the Doctor permitted him the Ayah did not allow him to go inside and she complained to the Lady Doctor that he abused her in filthy language and thus while they were talking like that four constables came and he was taken forceably to the Police Station and therefore with the Welfare Officers help and other Union leaders again he got his wife who was unwell admitted on 23-8-1982 and after three days on 26-8-1982 a charge sheet was given to him stating that he abused them, and that he misconducted himself under 16(5) under Standing Orders and that he was dismissed after the enquiry. The question to be seen is in Rama Kant Misra v. State of Uttar Pradesh (AIR 1982 S.C. page 1552) It is held that by insertion of Section 11-A it is now crystal clear that the Labour Court has the jurisdiction and power to substitute its measure of punishment in place of the managerial wisdom once it is satisfied that the order of discharge or dismissal was not justified in the facts and circumstances of the case. Under Section 11-A even though misconduct is proved and a penalty has to be imposed the extreme penalty of dismissal or discharge was not justified in the facts and circumstances of the case meaning thereby that the punishment was either disproportionately heavy or excessive. It is well recognised principles of jurisprudence which permits penalty to be imposed for misconduct that the penalty must be commensurate with the gravity of the offence charged. First of all none of the Doctors and Ayahs who were abused by filthy languages were examined though the domestic enquiry is conducted fairly. Even in the domestic enquiry conducted the statement of Radhakrishna and Dr. Vasantha Kumari and Dr. Guraraja Rao and others did not make such serious misconduct against the workman, that they were abused in filthy language. The situation thus, it is a case where the petitioners wife was admitted on 21-8-1982 with bleeding and the mental tension of the petitioner can be imagined for quick and immediate relief to his wife to be given by the Doctors. It was a case where the whole night no food or tiffin was served to her and there was some kind of arrogant replies by the Ayahs and Ward Boys, stating that it was not their duty to give tiffin or coffee to the patients, and the workman when he went to see his wife after working hours when he wanted to take food there was a delay of 15 minutes in visiting hours time to reach the ward and the Doctor did not allow him and when he ultimately took the permission of the Doctor the Ayah inside the Ladies ward tried to obstruct him and tension was thus created on his mind to see his wife can be imagined in a dispassionate way with more human approach and even if he lost temper and abused using some words in excessive of his subordination and also which are not really warranted on the other. It is a fit case where Section 11-A of the I.D. Act should be applied. It is not a case of misconduct arising out of his duties. It is a kind of misconduct arising out of mental tension created on the workman for which the Hospital authorities as well as Ayahs and the Doctors were also parties. Therefore on the ground that the employee used indiscreet language or that threatened the Doctors by going in front of this house

that he would do away with them must be understood in a naked and frank manner and it is a fit case where extreme penalty of dismissal imposed for the said words even if used must be held as disproportionately heavy and excessive. Even in M/s. G.E.C. (P) Ltd. v. Labour Court, Allahabad (1969 ILR, page 159) It is pointed out that though the punishment is a managerial function and when the management had taken into account the previous misconduct of the workman for having gone on the first strike and the punishment of warning that was given for the past conduct while imposing punishment of dismissal for the second enquiry, it was held that the same was not bona fide and vindictive and the order of dismissal was set aside. In the instant case also the order of dismissal is not warranted on the specific allegations as none of the grounds of dismissal or for the direct misconduct to the workman in his official duties. It was only a sudden provocative loss of temper when his kith and kin were seriously ill and the hospital authorities took it light as per him and tried to prevent from seeing her and giving food to her. The doctor as well as the Management authority also should see that it was not their case that workman wife was not ill or that she was not an inpatient in the hospital during the relevant period and the drawbacks in the treatment aspect are only exposed and the management also should see that the aspects pointed out by the workman should not be brushed aside in the light manner. In Ved Prakash v. M/s. Delton Cable India (P) Ltd. (AIR 1984 S.C. Page 914). It was held that when there was nothing on record to show that there was any previous record against the workman taken into consideration by the management for awarding extreme penalty of dismissal from service even if he had infact abused in filthy language, the Supreme Court expressed opinion the punishment awarded to the applicant is shockingly disproportionate regard being had to the charge framed against him. The Management on the other hand relied upon the decision reported in Lalla Ram v. D.C.M. Chemical Works Ltd., (1978 SC Cases page 1) it was held that private quarrel between two employees and conduct of one employee which is subversive of discipline, it is sufficient that the victim and the delinquent workman are both employees of the same concern and the misconduct is directed against the former while he is acting in the discharge of the duties imposed on him by virtue of his office in such cases the jurisdiction of the Industrial Tribunal being limited one it will not be justified in withdrawing its approval. It is a misconduct in the sense that the workman was discharging his duties. He was coming to the hospital as his wife was unwell and admitted in the hospital with mental tension and the brawl or exchange of words resulting into abusive words are only momentary, the duty Doctors or Ayah who were responsible for permitting him to go inside the hospital or for permitting him after the visiting hours should not have been taken, the matters to such serious level as if the workman acted in violation of his duties or they were prevented from discharging their duties. The actual Doctors who were involved, or supposed to be threatened at their houses was not in the hospital and there is no direct evidence of any Doctor that they were threatened and prevented from discharging their duties in the hospital. So these facts will not apply. The Management relied upon the decision reported in Gujarat Mineral Development Corporation v. P. H. Brahmabhatt (AIR 1974 S.C. Page 136). It is held that the order in question was one of discharge simpliciter and was bona fide one and as such award of reinstatement should be set aside on the facts given therein. In that case the Respondent—workman was appointed by the Gujarat Mineral Development Corporation as a temporary assistant on the conditions set out and the Respondent services continued to be temporary as no order of appointing him on probation was past and on the date when his services were terminated by the order he was in temporary service. Therefore it was held that it was only a discharge simpliciter but in the instant case it was not so. He is a permanent employee and it is not the case of the management that the workers misbehaved while discharging his duties or is there any clear evidence to show that particular Doctor while discharging his duty in the ward or obstructed or prevented the workmen which amount to misconduct requiring serious punishment of dismissal. Therefore it had no application. The Management relied upon Anand Bazar Patrika v. Their Employees [1963 (II) ILJ page 429]. It was a case where the domestic enquiry was held to be improper and

not fair and it was a case where the enquiry officer refused permission to the concerned workman to examine such witness. In that context it was held that the award of the Labour Court was liable to be set aside. It was pointed out where there is evidence to justify finding of mala fide or victimisation only the Tribunal should try to come to rescue the workman. First of all this citation had nothing to do with Section 11-A. Section 11-A has come into force by an amendment brought out in 1971 (Act 45 of 1971). Therefore the citation relied upon by the Management of which is 1963 ILJ Vol. II page 429) with reference to power of the Tribunal to apply Section 11-A to give appropriate relief. In case of discharge or dismissal of a workman will not affect and this tribunal is competent by virtue of Section 11-A to award lesser punishment in fitting cases.

7. Thus I hold that the order of dismissal is not proper punishment for the alleged misconduct and the petitioner has put in long service, the Respondent-Management had not shown that there was any blameworthy conduct of the workman during the period of his service rendered prior to the date of misconduct. The misconduct consist of indiscreet language and also improper acts of threatening posture. In the given circumstances when his wife was seriously ill according to him and it is an admitted fact that she was admitted twice in the hospital and that there was also refusal or delay in allowing him to see her. There must be a human approach and it must be held that the extreme penalty of dismissal is not warranted as it is disproportionately heavy and excessive. In a given situation like this, I think that withdrawing of two increments with future effect will be more than an adequate punishment for such low paid employee as is done in the case before the Supreme Court. Therefore he is directed to be reinstated exercising power under Section 11A of the LD. Act, this Tribunal holds that the extreme penalty of dismissal is unwarranted and the Management can withhold two increments with future effect to the workman and the management is directed to reinstate the workman forthwith and that he is entitled to the wages from the date of dismissal with consequential benefits and attendance benefits. The Management is directed to withhold only two increments with future effect.

Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 30th day of April, 1986.

Sd/- illegible
Presiding Officer

APPENDIX OF EVIDENCE

Witness Examined for
the Management:

M.W1 E. V. Purshotam

Witnesses Examined for
the Workmen:

W.W1 J. Sunder Raj

DOCUMENTS MARKED FOR THE MANAGEMENT

Ex. M1—Charge Sheet dt. 13-9-82 issued to J. Sunder Raju by the Superintendent of Mines, G.D.K. No. 8 Incline.

Ex. M2—Acknowledgement dt. 13-9-82 from J. Sunder Raju.

Ex. M3—Reply to the charge sheet dt. 14-9-82 submitted by J. Sunder Raju to the Superintendent of Mines.

Ex. M4—Enquiry Notice dt. 3-11-82 issued by the Colliery Manager to J. Sunder Raju.

Ex. M5—Enquiry Notice dt. 13-11-82 issued by the Colliery Manager to J. Sunder Raju.

Ex. M6—Enquiry Notice dt. 6-5-82 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager.

Ex. M7—Domestic enquiry file pertaining to J. Sunder Raju.

DOCUMENTS MARKED FOR THE WORKMEN

Ex. W1—True copy of the Judgement in C.C. No. 70/83, dt. 22-2-85 on the file of court of the Judicial Magistrate of F.C. at Sultanabad.

Ex. W2—Charge sheet dt. 26-8-82 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager G.D.K. No. 8 Incline.

Ex. W3—Explanation dt. 23-8-82 submitted by J. Sunder Raju to the Superintendent Area Hospital, Ramagundam.

Ex. W4—Letter addressed by J. Sunder Raju to the Superintendent of Mines, G.D.K. No. 8 Incline with regard to cancellation of charge sheet.

Ex. W5—Letter dt. 19-10-82 addressed by J. Sunder Raju to the Senior Personnel Officer, Ramagundam with regard to supply of enquiry proceedings.

Ex. W6—Enquiry notice dt. 27-4-83 issued to J. Sunder Raju by the Colliery Manager, G.D.K. 8 Incline, S.C. Co. Ltd.

Ex. W7—Letter dt. 21-12-83 addressed by J. Sunder Raju to the Senior Personnel Officer, S.C. Company Limited, Godavarikhani with regard to supply of enquiry proceedings.

Sd/- Industrial Tribunal
[No. 22012/30/84-D.III(B)]

का. अ. 2368 - प्रांगणित विशद अधिनियम, 1947 (1947 का. 14) का धारा 17 के अनुसार मे, केंद्रीय सरकार, सिराम्पुर कलर्ज कम्पनी ग्रामपाला के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कानून के बावजूद विशद अधिनियम विशद में अधिकारीक भौतिक, धृद विशद के पंचाट का विवाद करती है, जो केंद्रीय सरकार का 29 मई, 1986 का प्राप्त जुदा था।

S.O. 23-8.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Co. Limited Bellampalli and their workmen, which was received by the Central Government on the 29th May, 1986.

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri J. Venugopala Rao,
Industrial Tribunal.

Industrial Dispute No. 14 of 1985

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, District, Adilabad, (Andhra Pradesh)

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli, District Adilabad (Andhra Pradesh).

APPEARANCES :

Sarvasri K. G. Kannabiran and G. Omkar Murthy,
Advocate for the Workmen.

Sarvasri K. Srinivasa Murthy, H. K. Saigal and Kum.
G. Sudha, Advocate for the Management.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour by its Order No. L-22012/69/84-D. III(B) dated 4-3-1985 referred the following dispute under Sections 7A and 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the employers in relation to the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli and their workmen to this Tri-

dunal for adjudication.

"Whether having regard to the past record of service of Shri C. Ramulu, Overman and the alleged offence, the penalty or dismissal from service with effect from 28-7-1984 imposed on him by the management of Singareni Collieries Company Limited, Bellampalli is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

This reference was registered as Industrial Dispute No. 14 of 1985 and notices were issued to the parties.

2. This is a claims statement filed by Sri K. Balaiyah who is the Vice President of Mining Technical Staff Association, Kamakrishnapur against the order of dismissal imposed on Ch. Ramulu, workman with effect from 28-7-1984 by the management of Singareni Collieries Company Limited, contending that the same is not justified. According to him Ch. Ramulu was appointed as Overman under the management of the Respondent Company on 14-5-1971 and the said Ramulu worked as Overman for a long time without any complaint whatsoever but the Management issued a charge sheet on 10-11-1983 charging him with misconduct under the Company's Standing Order 16(2) and 16(9) for the alleged inclusion of the name of A. Ramaswaroop, Coal Filler in the acting person list in the shift report book on April, 1983. The said Ramulu offered his explanation on 14-11-1983 but the Management did not accept the explanation and imposed maximum punishment of dismissal. It is said that the domestic enquiry was not conducted properly and he was denied opportunity of cross examining the so called beneficiary Ramaswaroop and that the Management failed to produce 'C' Register wherein the attendance of Ramaswaroop was marked at 7.00 on 27-8-1982 the overman report book and pay sheet. According to him Pit Office Assistant and the Manager are also equally responsible and the Manway Clerk K. Ratna Babu and pay sheet Clerk Sri B. V. Ramana Rao, are also equally responsible. It is mentioned that he is unemployed since dismissal and unable to seek alternative employment and the punishment imposed is excess of the offence.

3. In the counter filed by the Management, it is said that Ch. Ramulu was appointed on 14-5-1971 and since 16-6-80 he was working as Overman at Srirampur No. I Incline. According to them there were previous complaints also against him. According to the management the intentionally included the name of A. Ramaswaroop, Coal Filler in the acting list of the Shift Report book after a lapse of considerable time showing as if the workman had worked on 27-8-1982 though Sri R. Ramaswaroop has actually not work on 27-8-1982. So it is contended that he made the entries with an ulterior motive and altered the material records of the Company and he colluded with the said A. Ramaswaroop to enable him to have Earned Leave with pay and other benefits for the year 1982 would come to a total sum of Rs. 2,836.00. The Enquiry Officer conducted the enquiry and gave him all reasonable opportunity. The domestic enquiry was conducted as per the rules and principles of natural justice and at every stage full opportunity was given to him and the delinquent also cross examined the witness of the management. It is incorrect to allege that the delinquent employee called for 'C' Register Overmen Report Book and Pay Sheet to be produced and this is an after thought. The management infact produced the Overmen Report Book to prove the alternations. According to the management three people are concerned for this fraud of paying Rs. 2,836.00 as Earned Leave with pay and other benefits to A. Ramaswaroop. One is Sri Ramulu who is the Petitioner, the others are B. V. Ramana Rao, Clerk and Ratna Babu, Manway Clerk. These three persons were given independent charges and domestic enquiries were conducted independently and the management took all these decisions independently for all the domestic enquiries. The management denied that he did not commit misconducts and he was dismissed from service of the Company. The management after going through the Enquiry Officer findings and also the relevant records necessary dismissed the employee concerned.

4. In the instant case a preliminary issue whether the domestic enquiry was conducted properly or not was taken up for consideration and the management examined

M.W.I and marked Ex. M1 to M6. The workman did not examine any witness and after completing the arguments it was held that the order was pronounced on 20th September 1983 holding that the domestic enquiry was conducted by the Management was proper and fair, the said order is part of the record. The matter was posted finally for hearing the Counsels regarding the quantum of punishment. No further evidence was adduced thereafter by both sides. The advocate for the workman attacked the findings of the Management.

5. At the outset when application is made by the management to decide whether they conducted the domestic enquiry properly and fairly by giving reasonable opportunity as a preliminary issue observing the principles of natural justice. Thus Court had occasion to decide on the evidence of M.W.I and Exs. M1 to M6 for the management and no evidence produced on behalf of the workman. It is held that the enquiry was reasonable and fair and these delinquent workman was given fair opportunity to defend himself in the domestic enquiry and the issue was answered in favour of the management and against the workman by this Tribunal Order dt. 28th September 1985 the same is part of the record.

6. Subsequently no further evidence is adduced on either side and it is argued by Sri Kannabiran for the Workmen that it was a fit case where on the available circumstances, the quantum of punishment of dismissal is excessive and not warranted and the same is opposed to law and facts. According to him it is a fit case where Section 11-A could be applied and this Tribunal should award lesser punishment other than dismissal at any rate.

7. The charge is that he misconducted by intentionally including the name of A. Ramaswaroop Coal Filler in the acting person list in the shift report book of August, 1982 after lapse of considerable time as if he worked on 27-7-1982. Though he in fact did not work on that day, in order to help the workman, wrongfully earned leave pay that the pay for the year 1982 and other attendant benefits to the extent of Rs. 2,836.00. Now Ratna Babu is a Manway Clerk handling muster rolls at that time. The muster rolls were in the handwriting of the Manway Clerk. The management examined Madhava Reddy, Colliery Manager and workman Ramulu was the Overman at the relevant time and it is admitted fact that while paying the wages must roll register which is otherwise known as 'C' Register is one of the registers to be looked into. Similarly the other records to be verified or Tub Account Book or Overman Register Book to see whether a particular coal filler acted on the page on a particular day as Coal fillers or not. A Ramaswaroop was the coal filler and admittedly his name is not found in the Overman Register and Wage Register and if he is working as Coal Filler, his name should be found in the Tub Man account. When verified Overman report at the time of enquiry it is found that there was no record to show that he worked. Though overman job is supervisory job is bound to see and supervise the work of those who work underground such as rope splicar, trammer, helpers, fitter and charge hand. When the Overman Book is produced and it is referred by the Colliery Manager Madhava Reddy it is not mentioned that the coal filler worked on that day on 27-8-1982 and the Overman report book was also filed in the enquiry connected with Ratna Babu, Manway clerk as well as Overman. It is argued that the actual culprit A. Ramaswaroop who had been on leave with pay for the year 1982 was let off and he enjoyed, Rs. 2,836.00. But the point to be seen is whether this entry in the shift report book of August 1982 was made intentionally "after lapse of considerable time in order to help the workmen to have wrongfull gain or not". It is not a case that mistake was done by oversight. The charge is that he "intentionally included the name of Ramaswaroop Coal Filler in the shift report book, of August 1982 after lapse of considerable time." Further enquiry would show that he admitted having made the entries as could be seen under Ex. M5 at page 10. Now the question is whether it is a fit case where Section 11A should be exercised. In Rama Kant Mishra v. State of Uttar Pradesh (1982 LIC page 1790) when an employee used indiscret in disclosing threatening postures the Supreme Court was pleased to reduce the punishment of dismissal to that of with holding two increments with future effects holding that the penalty must be commensurate with the gravity of the offence

charge. It is no doubt true that even though misconduct is proved and a penalty has to be imposed the extreme penalty of dismissal or discharge was not justified in the facts and circumstances of the case meaning thereby that the punishment was disproportionately heavy or excessive and that penalty must be commensurate with the gravity of the offence. If it is the case of the workmen that he committed a mistake for the first time in life and that it was not done want only but it was only by oversight it will be true to exercise discretion under section 11-A but in the instant case when he want only made fudged records after a lapse of time and intentionally included A. Ramaswaroop in the shift report of book August 1982 in order to help the workmen wrongfully earn his leave with pay and if this kind of misbehaviour is not taken as serious misconduct I think there will be no sanctity for the rule of law and any amount of discretion shown for such culprits will not be proportionate to the wanton mischief done by them. The punishment is not disproportionate when it is dismissal for wanton mischief alone. Therefore Section 11A has no application for given case like this. Incidentally in I.D. No. 110 of 1984 B. V. Rama Rao Pay Sheet Clerk was dismissed after the enquiry was conducted independently as he was party for the said wrong payment of A. Ramaswaroop, Coal Filler by colluding in the payment of leave with pay to A. Ramaswaroop. Therefore the delinquent workman made admission of such a series charge and when the offence is clearly proved beyond reasonable doubt. It is unworthy to keep such persons who forge the records of the employer in the interesting of the management. So any lesser punishment given to such a person would only land the employer into further troubles and penalty will not commensurate with the gravity of the offence charge. Of course the management also alleged that for the last 13 years there were many allegations of misconduct and the same will also discussed in the enquiry report. Therefore on a careful consideration, I hold that the punishment of dismissal awarded Overman Sri C. Ramulu with effect from 28-7-1984 by the management is justified and he is not entitled for any relief.

Award is passed.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal this the 2nd day of May, 1986.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

Appendix of Evidence

Witnesses Examined

Witnesses Examined for the Workmen :

NIL

M.W.I P. Ramakrishna

Documents marked for the Management :

Ex. M1—Charge Sheet dt. 10-11-83 issued by the Colliery Manager, SRP I Incline S.C. Co. Ltd., to Ch. Ramulu, Overman.

Ex. M2—Acknowledgement dt. 11-11-83 from Ch. Ramulu to the Colliery Manager, SRP I Incline, S.C. Co. Ltd.

Ex. M-2—Explanation dated 14-11-83 given by Ch. Ramulu to the Colliery Manager, SRP.I. S.C. Co. Ltd.

Ex. M4—Enquiry Notice dt. 29-11-83 issued by the Colliery Manager, SRP1, S.C. Co. Ltd., to C. H. Ramulu

Ex. M5—Enquiry proceedings pertaining to C. H. Ramulu.

Ex. M6—Enquiry Report pertaining to C. H. Ramulu.

Documents marked for the Workmen :

NIL

Sd/- INDUSTRIAL TRIBUNAL

[F. No. 22012/69/84 D.III (B)]

V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 10 जून, 1986

का. प्र. 2369.—केन्द्रीय सरकार, उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार, अम मन्त्रालय के प्रदुभाग अधिकारी श्री एम एस. टाटारो को 6 जून, 1986 (प्रस्तावन) से अपने प्राविष्ट जारी होने तक उत्प्रवास संरक्षा, विलास के समस्त कार्य करने के लिए प्राधिकृत करते हैं।

[सं. 22012/1/86-सुल्त्रवास-II]

अमित दास गुप्ता अधिकारी

New Delhi, the 10th June, 1986

S.O. 2369.—In exercise of the powers conferred by Section 5 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Shri M. S. Tangry, Section Officer, Ministry of Labour to perform all functions of Protector of Emigrants, Delhi with effect from the afternoon of 6th June, 1986 till further orders.

[No. A-22012(1)86-Emig.JI]

AMIT DASGUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 12 जून, 1986

का. प्र. 2370.—औद्योगिक विदाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुमति में, केन्द्रीय सरकार, श्री हंडिया एस्टोरेंस कं. लि. के प्रबंधरता से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच, अनुबंध में निर्विट औद्योगिक विदाद में औद्योगिक अधिकरण प्रहृष्टविदाद के पंचांग को प्रकाशित करती है,

New Delhi, the 12th June, 1986

S.O. 2370.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Ahmedabad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the New India Insurance Co. and their workmen.

BEFORE SHRI G.S. BAROT, INDUSTRIAL TRIBUNAL (CENTRAL) AT AHMEDABAD

Reference (ITC) No. 22 of 1985

Adjudication :

BETWEEN

The New India Insurance Co. Ltd., Bhavnagar.

AND

Their workmen

In the matter of termination of the services of Shri Mansukhlal Ratilal Soni.

APPEARANCES :

Shri M. J. Sheth for the New India Insurance Co. Ltd.

Shri Manilal G. Gandhi for the workman concerned.

AWARD

The Central Government, vide its Order No. L-17012[3] 84/IV(A) dated 3rd August, 1984, constituted an Industrial Tribunal with myself as its Presiding Officer, and referred for my adjudication an industrial dispute between the employer in relation to the management of the New India Insurance Company Ltd., Bhavnagar ("the Employer" to be brief) and his workmen, in regard to the matter specified in the Schedule annexed to the said order, viz :—

"Whether the action of the management of New India Insurance Company Limited, Bhavnagar in terminating the services of Shri Mansukhlal Ratilal Soni, Ex-sweeper, with effect from 11-6-83 is justified ? If not, to what relief is the workman concerned entitled ?"

2. The facts of the case may be briefly stated. Shri Mansukhlal Ratilal Soni ("the workman concerned" to be brief) was engaged, on a part-time basis, as a sweeper for sweeping and cleaning the office premises of the Employer. He was working as such from the year 1970. However, his services

were terminated with effect from 12-6-1983. The case of the workman concerned is that the termination of his services was illegal and improper in as much as he was neither given any notice nor any opportunity to defend himself nor any compensation. In view of this, it is contended by the workman concerned, that he should be directed to be reinstated in service with payment of full back wages. In the written statement filled by the Employer, it is admitted that he was employed for part-time work for four hours daily. It is however stated that the work of sweeping and cleaning assigned to the workman concerned was not attended to by him properly; that he was shirking work and it was also observed that he was irregular in his attendance; and that in view of all these, it was decided to dispense with his service and accordingly he was relieved of his duties with effect from 12-6-1983.

3. Some oral evidence has been led by both the sides. The workman concerned has examined himself at Ex. 7. Apart from reiterating the contents of his statement of claim, he has stated that his working hours were from 7 A.M. to 1 P.M.; that while terminating his services, he has not been paid either notice pay or any compensation. He has also not been paid even his dues for part of the month of June, 1983. He has further stated that after his termination, another person is doing the work of sweeping and cleaning which he was doing. He has further stated that at the time of his termination, he received a consolidated salary of Rs. 260/- per month; that when he was engaged in this part time work with the Employer, he was doing another work from 3 P.M. to 7 P.M. which he still continues to do. In his cross-examination, he has admitted that the timings in regard to his coming for duty and his leaving at the end of his duty hours, were not being recorded. However, there was no cross-examination on the other points made in his examination-in-chief, mentioned above. The Employer has examined his Branch Manager at Ex. 9. He has admitted that the workman concerned worked for four hours in a day. This witness has however alleged that instead of doing the work himself, the workman concerned used to get the work done by one Harshaben and he was only supervising the same; that the workman concerned was reprimanded for this; that in regard to his work also he was repeatedly rebuked and still there was no improvement in his work. In his cross-examination, this witness has admitted that he did not receive any written complaint in regard to the workmen concerned nor had he given any written order to the workman concerned. He has then clearly admitted that the workman concerned worked from 9 A.M. to 1 P.M. in his office and then only he went for other work in the grocer's shop. The witness has also admitted that the work taken from Harshaben by the workman concerned, mentioned by the witness, was so taken for 20 to 30 days.

4. From the above evidence, it is very clear that the workman concerned was working as part-time workman with the Employer for about 13 years, and his service were terminated by an oral order, with effect from 12-6-1983. There is no dispute that no notice or wages in lieu of notice were paid to him. It is by now well settled that termination in any form, otherwise than as a punishment inflicted by way of disciplinary action, would constitute "retrenchment" as contemplated under Sec. 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947, and the conditions precedent to a valid retrenchment have been laid down in Sec. 25F of the said Act. These conditions are :

(a) the workman should have been given one month's notice in writing indicating the reasons for retrenchment or the workman has been paid in lieu of such notice, wages for the period of the notice;

(b) the workman should have been paid at the time of retrenchment, compensation which shall be equivalent to fifteen days, average pay for every completed year of continuous service or any part thereof in excess of six months; and

(c) notice in the prescribed form should have been served on the appropriate Government or such authority as may be specified by the appropriate Government by notification in the Official Gazette.

In the present case, admittedly, none of the foregoing conditions have been fulfilled. Retirement of the workman concerned would, therefore, be had and must be set aside.

5. However, an attempt has been made in the present case to show that the services of the workman concerned were terminated as his work was not satisfactory and he was irregular. This would mean that it was a penal action which was taken on account of his alleged unsatisfactory work and irregularity, etc. However, admittedly, no enquiry whatever has been held. No opportunity whatsoever has been given to him to defend himself. Even before this Tribunal, no evidence has been adduced to prove his unsatisfactory work and irregularity, etc. Thus, even if it be a penal action, the principles of natural justice have not been complied with and the termination would be bad on that count also.

6. When the termination of the services of a workman is held to be bad, the relief to be granted would be reinstatement with full back wages. Now, so far as back wages are concerned, it is contended on behalf of the employer that even after his termination, he was earning Rs. 300/- P.M. as admitted by him and therefore no back wages should be directed to be paid. I do not think this is relevant in the

present case in as much as while working with the Employer also the workman concerned was working elsewhere during the remaining period and he continued to work there even after his termination by the Employer. It has not been proved that after his termination he worked somewhere during the hours for which he worked with the Employer. In view of this, the workman concerned would be entitled to full back wages.

7. In the result, it is directed that the workman concerned shall be reinstated in service by the Employer on his original post, with continuity of service, within one month from the date this Award becomes enforceable. The workman concerned shall also be paid by the Employer an amount equal to the salary which he would have got from the date of his termination till the date of his reinstatement. The workman concerned shall also be paid by the Employer Rs. 200/- by way of costs.

G. S. BAROT, Presiding Officer
Ahmedabad 4-4-1986.

[No. L-17012(3)/84-D.IV (A)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

